दिनमान तापमान

सूर्योदय 5.46 सूर्यास्त 5.47 अधिकतम 33° न्यूनतम 23°

वर्ष 18, अंक 269 पृष्ठ 8
कोलकाता, सोमवार, 16 मार्च 2026
चैत्र, कृष्णपक्ष, द्वादशी, वि.सं. 2082

मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

चार राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित

बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान

एसआईआर की पूरक सूची आते ही मुख्य सूची में जुड़ेंगे वोटरों के नाम

राजनीतिक हिंसा बर्दाश्त नहीं करेंगे : ज्ञानेश कुमार

सभी राज्यों के नतीजे 4 मई को, आचार संहिता लागू

मतदान केंद्रों पर 100% वेबकास्टिंग की सुविधा देंगे

नयी दिल्ली: देश के चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2026 का कार्यक्रम घोषित हो गया है. असम, केरल और पुदुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे. पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान कराया जाएगा. सभी राज्यों के चुनाव नतीजे चार मई को घोषित किए जाएंगे.पश्चिम बंगाल को छोड़कर सभी जगहों पर एक ही चरण में मतदान कराए जाएंगे. पश्चिम बंगाल में दो चरणों में वोटिंग होगी. जब मुख्य चुनाव आयुक्त से यह पूछा गया कि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में चुनाव क्यों कराए जा रहे हैं तो उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में पहले चुनाव आठ चरणों में कराए जाते थे, लेकिन इस बार चुनाव दो चरणों में होंगे. इस संबंध में आयोग ने विस्तृत विचार-विमर्श किया था और यह उचित समझा कि चरणों की संख्या कम की जाए ताकि प्रक्रिया सभी के लिए अधिक सुविधाजनक हो सके. पिछले चुनावों में हिंसा में शामिल रहे पुलिस अधिकारियों के संबंध में भी सूची हमारे पास उपलब्ध है और उनके खिलाफ कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी. मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि आयोग मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और निगरानी को मजबूत करने के लिए चारों राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 2026 के विधानसभा चुनावों के दौरान सभी मतदान केंद्रों पर 100% वेबकास्टिंग की सुविधा प्रदान करेगा.पिछले चुनावों में हिंसा का इतिहास देखते हुए चुनाव में पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति की गई है.

एसआईआर की सप्लिमेंट्री लिस्ट आते ही इसे मेन लिस्ट में जोड़ दिया जाएगा.मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया-' पिछले 12 महीने में चुनाव आयोग ने पारदर्शिता लाने के लिए कई नए प्रयोग किए. पहला था एसआईआर, जिसमें यह निश्चित किया गया कि कोई भी अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में न रहे. दूसरा- मोबाइल फोन पोलिंग स्टेशन के बाहर ही रखा जाएगा. वोट देने के बाद उसे वापस ले सकेंगे. एक पोलिंग स्टेशन में 1200 से ज्यादा वोटर्स न हों. सभी जानकारी चुनाव से जुड़ी जिनमें एपिक कार्ड, प्रत्याशियों के हलफनामे एक एप पर उपलब्ध हैं.एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर लगे आरोपों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 326 चुनाव आयोग को यह संवैधानिक दायित्व देता है कि वह सिर्फ पात्र लोगों को ही मतदाता सूची में रखे. चुनाव आयोग यह जिम्मेदारी एसआईआर के जरिए निभाता आया है. जहां तक राजनीतिक व्यक्तियों या राजनीतिक दलों की ओर से दिए गए राजनीतिक बयानों की बात है, आयोग इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहता. चुनाव से पहले दिए गए वक्तव्यों या फैसलों पर चुनाव आयोग का टिप्पणी करना ठीक नहीं होगा.उन्होंने कहा कि जहां तक कुछ राज्यों द्वारा आचार संहिता के लागू होने के ठीक पहले घोषणाएं करने की बात है, लोकतांत्रिक व्यवस्था में केंद्र और राज्य सरकारें आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले कोई भी नीति या निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं. हालांकि, आचार संहिता लागू होने के बाद इसकी इजाजत नहीं है और पांच राज्यों में यह आचार संहिता अभी से लागू हो गई है.उन्होंने कहा कि राजनीतिक हिंसा और चुनाव को प्रभावित करने वाले किसी भी कदम को चुनाव आयोग बर्दाश्त नहीं करेगा और ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी. जहां तक गलत जानकारी फैलाने या डीप फेक की बात है, हमारे नोडल ऑफिसर इसकी निगरानी करेंगे और उचित लगने पर एफआईआर की व्यवस्था करेंगे.चुनावी तारीखों के एलान के बाद चुनाव आयोग से कई सवाल पूछ गए. जिसमें एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर लगे आरोप, आचार संहिता से ठीक पहले हुई घोषणाओं के साथ-साथ चुनावी हिंसा के सवाल पर सीईसी ने जवाब दिए हैं. जहां तक राजनीतिक व्यक्तियों या राजनीतिक दलों की ओर से दिए गए राजनीतिक बयानों की बात है, आयोग इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहता. चुनाव से पहले दिए गए वक्तव्यों या फैसलों पर चुनाव आयोग का टिप्पणी करना ठीक नहीं होगा.

उन्होंने कहा कि राजनीतिक हिंसा और चुनाव को प्रभावित करने वाले किसी भी कदम को चुनाव आयोग बर्दाश्त नहीं करेगा और ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी. जहां तक गलत जानकारी फैलाने या डीप फेक की बात है, हमारे नोडल ऑफिसर इसकी निगरानी करेंगे और उचित लगने पर एफआईआर की व्यवस्था करेंगे. चुनाव आयुक्त ने कहा- 'मैं युवाओं और पहली बार वोट देने वाले लोगों से अपील करता हूं कि वे अपने जीवन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जरूर निभाएं. वे वोट जरूर करें.आपका वोट आपकी चॉइस है जो भविष्य का निर्माण करेगा. भारत में चुनाव लोकतंत्र का पर्व है. चुनाव का ऐलान करने से पहले मैं आपको कुछ जानकारी दे रहा हूं जो आने वाले चुनाव से जुड़ा है. पांच राज्यों- यूटी में 17.4 करोड़ मतदाता और 824 सीटें हैं.17.4 करोड़ मतदाता, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा जैसे देशों की कुल आबादी के बराबर हैं. इस बार 20 से ज्यादा देशों के चुनाव आयोगों से आए मेहमान चुनाव देखने के लिए यहां आ रहे हैं. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि आप जानते हैं कि ये सभी 5 राज्य भारत की सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक समृद्धता को दर्शाते हैं.

विधानसभा चुनाव 2026

राज्य	सीटें	कुल मतदाता	तारीखें	चरण
पश्चिम बंगाल	294	6.44 करोड़	23,29 अप्रैल	2
तमिलनाडु	234	5.67 करोड़	23 अप्रैल	1
केरल	140	2.70 करोड़	9 अप्रैल	1
असम	126	2.50 करोड़	9 अप्रैल	1
पुदुचेरी	30	9.44 लाख	9 अप्रैल	1

प्रथम चरण के मतदान वाले जिले

1.कूचबिहार-विस सीटें-09 2.अलीपुरद्वार-विस सीटें-05 3.जलपाईगुड़ी-विस सीटें-07 4.कलिंपोंग-विस सीट-01 5.दार्जिलिंग-विस सीटें-05 6.उत्तर दिनाजपुर-विस सीटें-09 7.दक्षिण दिनाजपुर-विस सीटें-06 8.मालदा-विस सीटें-12 9.मुर्शिदाबाद-विस सीटें-22 10.बीरभूम-विस सीटें-11 11.पश्चिम बर्दमान-विस सीटें-09 12.पूर्व मेदिनीपुर-विस सीटें-16 13.पश्चिम मेदिनीपुर-विस सीटें-15 14.झाडग्राम-विस सीटें-04 15.पुरुलिया-विस सीटें-09 16.बांकुड़ा-विस सीट-12

दूसरे चरण के मतदान वाले जिले

1. कोलकाता- विस सीटें-11 2. उत्तर 24 परगना-विस सीटें-33 3. दक्षिण 24 परगना- विस सीटें-31 4. हावड़ा-विस सीटें-16 5. हुगली-विस सीटें-18 6. नदिया-विस सीटें-17 7. पूर्व बर्दमान-विस सीटें-16

चुनाव की घोषणा के दिन ही ममता ने खोला खजाना

सरकारी कर्मचारियों को मिलेगा मार्च से ही कई चरणों में बकाया डीए

पुजारियों-मुअज्जिनों का भत्ता 5 सौ बढ़ाया

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के लिए चुनाव की तारीखों के ऐलान से कुछ घंटे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुजारियों और मुअज्जिनों का भत्ता बढ़ा दिया है. वहीं, राज्य कर्मचारियों के डीए एरियर को लेकर भी बड़ा ऐलान किया है. ममता बनर्जी सरकार ने राज्य के 20 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों को आरओपीए-2009 के तहत डीए बकाये का भुगतान करने का फैसला किया है, जो मार्च 2026 से चरणों में दिया जाएगा. राज्य सरकार ने घोषणा की है कि जो महंगाई भत्ता बकाया था, उसका भुगतान मार्च 2026 से चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा. इस फैसले का सीधा फायदा राज्य के लाखों सरकारी कर्मचारियों, पेंशनरों, स्कूलों और कॉलेजों के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को मिलेगा. साथ ही पंचायत, नगर पालिका और अन्य स्थानीय निकायों के स्टाफ को भी इस दायरे में शामिल किया गया है. वित्त विभाग ने इसके लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए हैं.

चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की तारीखें घोषित करते ही आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती, जिसके बाद राज्य सरकार किसी योजना का ऐलान नहीं कर सकती थी. ऐसे में ममता बनर्जी की इन घोषणाओं को काफी अहम माना जा रहा है.

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर इस बात का ऐलान किया. उन्होंने लिखा कि प्रदेश सरकार ने पुरोहितों और मुअज्जिनों को दिए जाने वाले भत्ते में 500 रुपए का इजाफा किए जाने का फैसला किया है. उन्होंने लिखा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारे पुरोहितों और मुअज्जिनों को दिए जाने वाले मासिक मानदेय में 500 रुपए की वृद्धि की जा रही है. इनकी सेवा हमारे समुदायों के आध्यात्मिक और सामाजिक जीवन को बनाए रखती है. संशोधन के साथ, पुजारियों और मुअज्जिनों का मासिक भत्ता बढ़कर 2,000 रुपए हो जाएगा. मुख्यमंत्री ने यह भी कहाकि पंडितों और मुअज्जिनों द्वारा सम्मान के लिए प्रस्तुत सभी नए आवेदन राज्य सरकार द्वारा मंजूर कर दिए गए हैं. उन्होंने लिखा कि साथ ही, सभी नए आवेदन जो पुजारियों और मुअज़्ज़िनों द्वारा सही तरीके से प्रस्तुत किए गए हैं.

बंगाल में एसआईआर : समय कम, फाइलें लाखों में

राज्य के 550 व ओडिशा-झारखंड के 200 न्यायिक अधिकारी काम में जुटे

48 लाख दस्तावेजों की जांच बाकी

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची में 'तार्किक विसंगतियों' की जांच के लिए विशेष सत्यापन प्रक्रिया (एसआईआर) चल रही है. सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस प्रक्रिया में 60 लाख संदिग्ध दस्तावेजों की जांच होनी है, जिसका जिम्मा जिन न्यायिक अधिकारियों को दिया गया है, वे भारी दबाव में हैं.प्रक्रिया में शामिल झारखंड से आए एक न्यायिक अधिकारी ने बताया कि रोजाना कम से कम 300 मामलों का निपटारा करना पड़ रहा है. पश्चिम बंगाल के 550 अधिकारियों के अलावा ओडिशा और झारखंड के करीब 200 अधिकारी लगे हैं. बांग्ला में कई जगह कुछ उपनाम (सरनेम) दो-दो तरीके से लिखे जाते हैं. इनमें बनर्जी या बंद्योपाध्याय, मुखर्जी या मुखोपाध्याय और चटर्जी या चट्टोपाध्याय समेत दर्जनों उपनाम शामिल हैं.

अंग्रेजी में बनर्जी को अनुवाद के दौरान बांग्ला में बंधोपाध्याय करने के कारण वैसे नाम तार्किक विसंगति की श्रेणी में आ गए हैं, लेकिन यह फर्क वही कर सकता है जिसे बांग्ला का समुचित ज्ञान हो. बाहरी राज्यों के ज्यादातर न्यायिक अधिकारी शब्दों के इस खेल से अनजान हैं. इस वजह से ऐसे मामलों में दस्तावेजों की जांच में समय लग रहा है.चुनाव आयोग के सूत्रों ने भी माना है कि न्यायिक अधिकारी भारी दबाव में काम कर रहे हैं. अब भी करीब 48 लाख लोगों के दस्तावेजों की जांच होनी है. सुप्रीम ओर से भी गड़बड़ियां हुई हों. ऐसे मामलों की जांच की रही है. सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि इन न्यायिक अधिकारियों के फैसलों पर सवाल नहीं उठा सकेगा.

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 28 फरवरी को जो सूची जारी की गई थी, उसमें लाखों लोगों के दस्तावेजों में

कोर्ट ने कहा है कि नामांकन की आखिरी तारीख तक हुई जांच के आधार पर पूरक मतदाता सूची प्रकाशित हो सकती है. सीपीएम और कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों ने भी आयोग के साथ बैठक में कहा कि किसी भी वैध वोटर का नाम सूची से नहीं हटना चाहिए, लेकिन तय समय पर प्रक्रिया कैसे पूरी हो पाएगी.चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि कि दस्तावेजों को अपलोड करते समय शायद बूथ लेवल अधिकारियों की विसंगतियां थी. कलकत्ता हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर से संबंधित याचिकाओं पर 10 फरवरी को हुई सुनवाई के दौरान बताया था कि अब तक तार्किक विसंगति वाले 10.16 लाख मामले की जांच ही हो सकी है. यह काम फरवरी के आखिरी सप्ताह से चल रहा है. इस लिहाज से रोजाना करीब एक लाख दस्तावेजों की ही जांच हो पा रही है. अब तक 48 लाख दस्तावेजों की जांच बाकी है. इसे जल्द पूरा करना है.

एसआईआर : तमिलनाडु से सबसे ज्यादा वोटरों के नाम कटे, बंगाल दूसरे नंबर पर

नयी दिल्ली:. जिन पांच राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, उनमें एसआईआर के बाद तमिलनाडु से सबसे ज्यादा वोटर्स के नाम कटे हैं. चुनाव आयोग ने बताया कि 27 अक्टूबर 2025 को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के दौरान राज्य में कुल 6,41,14,587 वोटर थे. करीब चार महीने चली एसआईआर में 74,07,207 लोगों के नाम हटाए गए हैं. राज्य में अब 5,67,07,380 मतदाता पंजीकृत हैं. वहीं पश्चिम बंगाल दूसरे नंबर पर है जहां करीब 58 लाख लोगों के नाम कटे हैं. फिर केरल में 8 लाख, असम में 2 लाख और पुडुचेरी में सबसे कम 77 हजार लोगों के नाम एसआईआर प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची से हटाए गए. असम में स्पेशल रिवीजन (एसआर) कराया गया था.

हिमंता ने कहा- यतो धर्मस्ततो जयः

गुवाहाटी: चुनाव का ऐलान होने के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने एक्सन पर लिखा- यतो धर्मस्ततो जयः. यह संस्कृत का एक प्रसिद्ध श्लोक है, जिसका मतलब है- जहां धर्म (सत्य, न्याय और कर्त्तव्य) है, वहीं जीत है.

बंगाल में भाजपा की हार तय - कीर्ति आजाद

कोलकाता: तृणमूल सांसद कीर्ति आजाद ने कहा है कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है, जो हर बात पर शिकायत करती है और रोती रहती है. उसका मुख्य काम लोगों के बीच भ्रम और झूठ फैलाना है. हमारा सवाल है कि भाजपा को हार का सामना करने के लिए कितने चरण चाहिए. चाहे सात चरण हों, आठ चरण हों या दो चरण, उन्हें हार का सामना करना ही पड़ेगा. उल्लेखनीय है कि भाजपा ने बंगाल में 3 चरणों में मतदान कराने का आग्रह किया था.

देश के 2 अनोखे बूथ

नयी दिल्ली : मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव की घोषणा करने के दौरान बताया कि असम और केरल के अनोखे मतदान केंद्र भी हैं. असम में मतदान दल माजुली से 50-60 किलोमीटर की कठिन यात्रा नाव और सड़क मार्ग से तय करते हैं, ब्रह्मपुत्र नदी पार करते हैं, और अंत में ट्रैक्टर से दूरस्थ धनेखाना मतदान केंद्र पर 248 मतदाताओं को लेकर पहुंचते हैं. केरल के इडुक्की जिले के एक आदिवासी क्षेत्र में स्थित बूथ संख्या 34 एडामलकुड्डी, जिसमें कुल 693 मतदाता हैं, एक अनोखा दूरस्थ मतदान केंद्र है, जहां मतदान अधिकारी विशेष वाहन से 30 किलोमीटर की दुर्गम और दुर्गम सड़कों से होकर गुजरते हैं, जिसके बाद उन्हें 8 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है.

इच्छा मृत्यु पाने वाले हरीश राणा की भावुक विदाई

गाजियाबाद: उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन स्थित घर से हरीश राणा को दिल्ली एम्स शिफ्ट कर दिया गया है. एम्स में डॉक्टरों की टीम सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत पैसिव यूथेनेशिया की प्रक्रिया को शुरू कराई है. इसका अर्थ है कि अब हरीश राणा की इस धरती से विदाई हो जाएगी. 13 सालों से बेड पर पड़े हरीश राणा के स्वस्थ होने की कोई संभावना को न देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एम्स की रिपोर्ट के आधार पर इच्छामृत्यु की याचिका पर फैसला सुनाया. फैसले के तहत सम्मानजनक तरीके से एम्स हरीश राणा के जीवन के अंत की व्यवस्था करेगा. इसके लिए हरीश को जीवनरक्षक उपकरणों से धीरे-धीरे अलग किया जाएगा. राजनगर एक्सटेंशन स्थित घर से हरीश की विदाई का एक भावुक वीडियो आया है. इसमें उसे सबको माफ करने और माफी मांगते जाने की बात करते परिजन दिख रहे हैं.सोशल मीडिया पर एक 22 सेकेंड का वीडियो वायरल हो रहा है. इसमें राणा को अंतिम विदाई देने के लिए साहिबाबाद स्थित मोहन नगर में संचालित ब्रह्मकुमारी केंद्र के प्रभु मिलन भवन की बहन कुमारी लवली दीदी 13 मार्च को उनके घर पहुंची. यहां उन्होंने हरीश के माथे पर पहले चंदन का तिलक लगाया और उसके बाद अंतिम विदाई दी.

चुनाव : 5 राज्यों में क्या-क्या हैं चुनौतियां

नयी दिल्ली: चुनावों की घसोषणा हो चुकी है. बंगाल में 14 साल से राज कर रहीं सीएम ममता के सामने भाजपा मुख्य चुनौती है. 2026 के चुनाव में टीएमसी जीती तो ममता बनर्जी लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगी. वे ऐसा करने वाली देश पहली महिला होंगी. जयललिता के नाम 5 बार तमिलनाडु की मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड है. हालांकि, वह 1991 से 2016 तक अलग-अलग कार्यकाल (लगातार नहीं) में मुख्यमंत्री पद पर रहीं.

तमिलनाडु में आजादी के बाद लगभग दो दशक तक कांग्रेस की सरकार रही. 1967 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस हार गई और इसके साथ ही राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव आया. 1967 के बाद से तमिलनाडु की राजनीति मुख्य रूप से अन्ना द्रमुक और द्रमुक के बीच घूमती रही है. फिलहाल तमिलनाडु में एमके स्टालिन की अगुवाई में द्रमुक की सरकार है, जो 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आई. पार्टी ने कांग्रेस, वीसीके और वामपंथी दल के साथ

गठबंधन किया है. बीजेपी ने कई चुनावों में अन्नाद्रमुक जैसे दलों के साथ गठबंधन जरूर किया, लेकिन राज्य में उसकी अपनी सरकार नहीं रही. केरल दक्षिण का इकलौता राज्य है, जहां लेफ्ट सत्ता में है.यहां सत्ता बदलने की परंपरा रही है, लेकिन 2021 में वाम मोर्चा ने इस ट्रेंड को तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार सरकार बनाई. कांग्रेस गठबंधन की कोशिश इस बार एंटी इनकम्बेंसी को कैश करानी की रहेगी. वहीं, भाजपा अब तक केरल में एक भी विधानसभा सीट नहीं जीत पाई है. पिछले लोकसभा चुनाव में यहां उसने त्रिशूर लोकसभा सीट जीती थी. इसके अलावा दिसंबर 2025 में भी भाजपा ने पहली बार त्रिवेंद्रम (तिरुवनंतपुरम) नगर निगम का चुनाव जीता.

राज्य में 10 साल से भाजपा की सरकार है. पार्टी तीसरे चुनाव की तैयारियों में जुटी है. पीएम मोदी 6 महीने में 3 बार राज्य का दौरा कर चुके हैं. यहां पार्टी ने 126 सीटों में से 100+ सीटें जीतने का टारगेट रखा है. असम में बांग्लादेश, घुसपैठियों/सीमा सुरक्षा, असमिया पहचान जैसे मुद्दे हैं. भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस ने 10 पार्टियों के साथ गठबंधन किया है. इसमें वामपंथी और क्षेत्रीय दल शामिल हैं.

2021 में कांग्रेस सरकार गिरने के बाद एआईएनआरसी-भाजपा गठबंधन ने सत्ता हासिल की और एन. रंगास्वामी एक बार फिर मुख्यमंत्री बने. यह पहली बार था जब भाजपा सत्ता में सीधे तौर पर भागीदार बनी. इस बार कांग्रेस द्रमुक के साथ गठबंधन में वापसी की कोशिश कर रही है और सरकार गिरने के मुद्दे को एंटी-इनकम्बेंसी में बदलना चाहती है.

ब्रिगेड से लौट रही विशेष ट्रेन पर पर पथराव

सिलीगुड़ी में तनाव, पत्थरबाजी में कई भाजपा कार्यकर्ता घायल

सिलीगुड़ी: भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के लिए चलाई गई विशेष ट्रेन को लेकर सिलीगुड़ी में तनाव भड़क उठा. रविवार सुबह सिलीगुड़ी टाउन स्टेशन से पहले कोल डिपो क्षेत्र में विशेष ट्रेन पर पथराव की घटनाएं हुईं. भाजपा का दावा है कि इस घटना में कुछ भाजपा कार्यकर्ता घायल हुए हैं. हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों का खंडन किया है. उनका कहना है कि ट्रेन से भाजपा कार्यकर्ताओं के भड़काऊ व्यवहार के कारण स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़का. भाजपा सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थकों की बैठक के बाद कार्यकर्ताओं और समर्थकों को वापस लाने के लिए पार्टी द्वारा एक विशेष ट्रेन का इंतजाम किया गया था. रविवार सुबह हल्दीबाड़ी विशेष ट्रेन से कई लोग लौट रहे थे. अलीपुरद्वार जाने वाली यह ट्रेन सिलीगुड़ी टाउन स्टेशन से पहले वार्ड नंबर 7 से गुजरते हुए कोयला डिपो क्षेत्र के पास थोड़ी देर के लिए रुकी. आरोप है कि उसी दौरान ट्रेन पर बाहर से अचानक पत्थर फेंके गए. भाजपा का दावा है कि पथराव में कुछ कार्यकर्ता घायल हो गए. इसके बाद आरोप है कि ट्रेन के अंदर से भी पथराव की घटना हुई. इलाके में कुछ समय तक तनाव का माहौल रहा. बाद में ट्रेन के दोबारा चलने पर स्थिति सामान्य हो गई. दूसरी ओर, स्थानीय लोगों के एक वर्ग ने आरोप लगाया कि जब ट्रेन लगभग दस मिनट तक खड़ी रही, तो भाजपा के कुछ कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने सड़क पर मौजूद महिलाओं के प्रति अभद्र इशारे किए और उत्तेजक व्यवहार किया. इसके चलते इलाके के लोगों से कहासुनी शुरू हो गई और स्थिति तेजी से बिगड़ गई. आरोप है कि दोनों पक्षों के बीच पत्थरबाजी भी हुई. घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी और सिलीगुड़ी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची. पुलिस के हस्तक्षेप से स्थिति और बिगड़ने से पहले ही ट्रेन अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गई. हालांकि, इस घटना के कारण कुछ समय के लिए ट्रेन यात्रियों में दहशत फैल गई. इस घटना ने राजनीतिक प्रतिक्रिया को भी जन्म दिया है. राज्य के विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी और भाजपा विधायक दीपक बर्मन ने सोशल मीडिया पर दावा किया है कि तृणमूल से जुड़े उपद्रवियों ने जानबूझकर भाजपा कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंके थे. सिलीगुड़ी के जिला संगठनात्मक भाजपा अध्यक्ष अरुण मंडल ने कहा, ट्रेन से जय श्री राम के नारे सुनाई देते ही कुछ लोगों ने ट्रेन पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया. जब हमारे कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने विरोध किया, तो वे भाग गए. यह तृणमूल समर्थित उपद्रवियों का काम है. बंगाल की जनता इसका जवाब अपने वोटों से देगी. दूसरी ओर, सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देब ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा, यह तृणमूल कांग्रेस की संस्कृति नहीं है. यह भाजपा की साजिश है. जिस तरह उन्होंने राष्ट्रपति के दौरे पर राजनीति की, उसी तरह वे फिर से अशांति का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं. वार्ड नंबर 7 के तृणमूल पार्षद पिंटू घोष ने आरोप लगाया, ट्रेन में सवार कुछ भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर महिलाओं के साथ अश्लील हरकतें कर रहे थे. जब उन्होंने विरोध किया, तो झड़प शुरू हो गई. विरोध करने वालों को पीटा गया और उन्हें जबरदस्ती ले जाने की कोशिश भी की गई. घटना के बाद इलाके में पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है. प्रशासन स्थिति पर नजर रख रहा है.

तेज रफ्तार ट्रक ने ली महिला की जान, एक घायल

पूर्व मेदिनीपुरः जिले में रविवार सुबह सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई. यह हादसा दीघा-नंदकुमार राष्ट्रीय सड़क पर फतेपुर इलाके में हुआ. पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक महिला की पहचान गौरी जाना (34) के रूप में हुई है. बताया गया है कि वह सुबह साइकिल से अपने काम पर जा रही थीं. उसी दौरान दीघा की ओर से तेज गति से आ रहे एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि गौरी जाना की मौके पर ही मौत हो गई. घटना के समय उनके साथ साइकिल पर सवार एक अन्य महिला भी घायल हो गई. स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को दीघा स्टेट जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. दुर्घटना के बाद राष्ट्रीय सड़क पर करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा. पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर यातायात सामान्य कराया.

सिलीगुड़ी के पुलिस कमिश्नर का तबादला

सैयद वकार रजा बने नए पुलिस कमिश्नर

सिलीगुड़ीः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बंगाल दौरे को लेकर पैदा हुए विवाद के बीच सिलीगुड़ी पुलिस कमिश्नरेट में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है. सिलीगुड़ी के पुलिस कमिश्नर सी सुधाकर को पद से हटा दिया गया है. उनकी जगह सैयद वकार रजा को सिलीगुड़ी का नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है. इससे पहले सैयद वाकर रज़ा जलपाईगुड़ी रेंज के डीआईजी के पद पर कार्यरत थे. वहीं, सी. सुधाकर को अब नॉर्थ बंगाल इंटेलिजेंस ब्रांच (आईबी) के आईजीपी पद की जिम्मेदारी दी गई है. दरअसल हाल ही में राष्ट्रपति के सिलीगुड़ी दौरे के दौरान कार्यक्रम स्थल में बदलाव और प्रोटोकॉल के उल्लंघन के आरोप सामने आए थे. इसके बाद केंद्र की ओर से दार्जिलिंग के जिलाधिकारी और सिलीगुड़ी के पुलिस कमिश्नर को डिपुटेशन पर बुलाने की मांग की गई थी. इसी क्रम में पहले मनीष मिश्रा को दार्जिलिंग के जिलाधिकारी पद से हटा दिया गया और उनकी जगह सुनील अग्रवाल को नया डीएम नियुक्त किया गया. अब उसी कड़ी में सिलीगुड़ी के पुलिस कमिश्नर का भी तबादला कर दिया गया है.

न्यूज कॉर्नर

विपक्षी नेताओं के घर पहुंच रहे तृणमूल विधायक असित मजूमदार, अटकलें तेज

हुगलीः जिले के चुचुड़ा विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के विधायक असित मजूमदार को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है. पिछले कुछ दिनों से वह सुबह होते ही विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं के घर जाकर उनका हालचाल ले रहे हैं. बताया जा रहा है कि कभी वह अस्वस्थ पंचायत के भाजपा विपक्षी दल के नेता से मिलने अस्पताल पहुंच रहे हैं, तो कभी कैंसर से पीड़ित किसी माकपा नेता के के घर जा रहे हैं. इसी क्रम में रविवार सुबह चुचुड़ा के श्यामबाबू घाट इलाके में पूर्व पार्षद और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के नेता प्रबीर राय के अस्वस्थ होने की खबर मिलने पर विधायक उनके घर पहुंचे और काफी देर तक बातचीत भी की. इस दौरान उन्होंने हर संभव सहयोग और साथ देने का भरोसा दिया. प्रबीर राय ने बताया कि तृणमूल विधायक पहले भी इलाके की समस्याओं में उनके साथ खड़े रहे हैं. उन्होंने कहा कि हम भले ही विपक्ष में हों, लेकिन उनमें मानवीयता है. राजनीतिक विचारधाराओं में अंतर हो सकता है, पर इंसान के तौर पर इंसान के साथ खड़ा होना चाहिए. वहीं, विधायक असित मजूमदार ने इसे महज शिष्टाचार बताया. उन्होंने कहा कि अस्वस्थता की खबर मिलने पर मैं उनसे मिलने आया था. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि रविवार को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव की घोषणा होने के बाद एक-दो दिनों में तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची जारी कर सकती है. ऐसे में यह अभी स्पष्ट नहीं है कि चुचुड़ा सीट से असित मजूमदार को फिर से उम्मीदवार बनाया जाएगा या नहीं. कुछ राजनीतिक हलकों का मानना है कि खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए विधायक इन दिनों विपक्षी नेताओं के घरों पर जा रहे हैं.

फालाकाटा में प्रशासन ने नष्ट किया डेढ़ बीघा अवैध अफीम की खेती

अलीपुरद्वारः जिले के फालाकाटा इलाके में रविवार को पुलिस और ब्लॉक प्रशासन ने अवैध अफीम की खेती को नष्ट कर दिया. बंशिधरपुर गांव में करीब डेढ़ बीघा जमीन पर की जा रही अफीम की खेती को ट्रैक्टर चलाकर पूरी तरह नष्ट कर दिया गया. स्थानीय लोगों को पहले लगा था कि खेत में कोई साग या विदेशी फूल उगाए जा रहे है. लेकिन हरे-भरे पौधों के पीछे अवैध मादक पदार्थ का कारोबार छिपा हुआ था. गुप्त सूचना मिलने के बाद फालाकाटा थाना पुलिस ने रविवार को मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की. इस अभियान के दौरान फालाकाटा थाने के आईसी प्रशांत विश्वास, बीडीओ अदिता समाद्दार तथा ब्लॉक के भूमि और कृषि विभाग के अधिकारी मौजूद रहे. अधिकारियों ने पहले जमीन की माप की, जिसमें पता चला कि लगभग डेढ़ बीघा जमीन पर योजनाबद्ध तरीके से अफीम की खेती की गई थी. इसके बाद ट्रैक्टर चलाकर पूरे खेत को नष्ट कर दिया गया. प्रशासन का प्राथमिक अनुमान है कि इस अवैध कारोबार के पीछे स्थानीय लोगों के साथ-साथ जिले के किसी प्रभावशाली गिरोह का भी हाथ हो सकता है. बीडीओ अदिता समाद्दार ने कहा कि अफीम की खेती पूरी तरह गैरकानूनी और दंडनीय अपराध है. जमीन के मालिक और इस अवैध गतिविधि में शामिल लोगों की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी गई है.

लॉरी के धक्के से साइकिल सवार की मौत, एक घायल

पूर्व मेदिनीपुरः जिले के 116बी नेशनल हाईवे पर रविवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया. स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, महिला एक व्यक्ति के साथ साइकिल पर जा रही थी. उसी समय 116इ नम्बर नेशनल हाईवे पर एक लॉरी ने पीछे से साइकिल को टक्कर मार दी. इस हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे दीघा स्टेट जनरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया. जहां उसका इलाज चल रहा है. इस घटना से इलाके में आक्रोश का माहौल है. हादसे के बाद नेशनल हाईवे जाम कर दिया गया. सूचना पाकर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया. खबर लिखे जाने तक मृत महिला का परिचय नहीं मिल पाया था. पुलिस उसका परिचय जुटाने की कोशिश कर रही है.

रांगाली प्राथमिक अस्पताल के नए भवन का शिलान्यास

सिलीगुड़ीः ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से सिलीगुड़ी महकम के खोरीबाड़ी ब्लॉक में स्थित रांगाली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नई पहल की गई है. यहां जल्द ही इंडोर और आउटडोर दोनों तरह की चिकित्सा सुविधाओं के साथ दस बेड की दिबा-रात्रि सेवा शुरू की जाएगी. रविवार को नए भवन का सिलीगुड़ी महकमा परिषद के सभाधिपति अरुण घोष ने शिलान्यास किया. इस दौरान महकमा परिषद के सह-सभाधिपति, अन्य सदस्य और जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तुलसी प्रामाणिक भी मौजूद रहे. मिली जानकारी के अनुसार, राज्य स्वास्थ्य विभाग की आर्थिक सहायता से करीब एक करोड़ 42 लाख रुपये की लागत से स्वास्थ्य केंद्र के लिए एक नए भवन का निर्माण किया जाएगा. सभाधिपति अरुण घोष ने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं में बड़े पैमाने पर सुधार हुआ है. सुस्वास्थ्य केंद्रों से लेकर प्राथमिक अस्पतालों तक सुविधाएं बढ़ाई जा रही है, जिससे अब रांगाली निवासियों को यहीं बेहतर और मुफ्त इलाज मिल सकेगा. वहीं, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तुलसी प्रामाणिक ने कहा कि पहले यहां केवल दिन में चिकित्सा सेवा उपलब्ध थी. अब 24 घंटे इलाज और दस बेड की सुविधा मिलने से स्थानीय मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी.

जाने-माने वकील और समाजसेवी विद्युत कुमार राय ने थामा भाजपा का दामन

दक्षिण दिनाजपुरः विधानसभा चुनाव की घोषणा से कुछ घंटे पहले दक्षिण दिनाजपुर जिले के बालुरघाट में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा राजनीतिक फायदा मिला है. रविवार को बालुरघाट के जाने-माने वकील और समाजसेवी विद्युत कुमार राय भाजपा में शामिल हो गए. रविवार को दक्षिण दिनाजपुर जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में पार्टी के जिला महासचिव बापी सरकार ने उन्हें पार्टी का झंडा देकर औपचारिक रूप से स्वागत किया. भाजपा में शामिल होने के बाद विद्युत कुमार राय ने कहा कि राज्य की वर्तमान सरकार के भ्रष्टाचार और कुशासन से लोगों को मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से उन्होंने पार्टी का दामन थामा है. वहीं जिला महासचिव बापी सरकार ने कहा कि विद्युत राय बालुरघाट के एक प्रतिष्ठित व्यक्ति और समाजसेवी है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विकास के विजन से प्रेरित होकर और बंगाल को मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से वे भाजपा में शामिल हुए हैं. इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद जिले की राजनीति में चर्चा तेज हो गई है कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा बालुरघाट सीट से विद्युत कुमार राय को उम्मीदवार बना सकती है. फिलहाल इस सीट से विधायक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अशोक कुमार लाहिड़ी हैं, लेकिन कयास लगाए जा रहे है कि इस बार पार्टी किसी नए चेहरे पर दांव लगा सकती है. ऐसे में स्थानीय नेता और भूमिपुत्र की छवि रखने वाले विद्युत राय पर भाजपा भरोसा जता सकती है.

चोरी के बाद पेड़ पर चढ़ा चोर, घंटों मशक्कत के बाद पुलिस ने उतारा

जलपाईगुड़ीः जिले के केरानीपाड़ा इलाके में चोरी करते हुए पकड़े जाने के बाद एक युवक मारपीट के डर से सीधे पेड़ पर चढ़ गया. इसके बाद उसे नीचे उतारने के लिए पंचायत, पुलिस और दमकल कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. घटना रविवार की है. मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह पिलखाना इलाके का निवासी युवक एक घर में घुसकर पैसे चोरी कर रहा था. इसी दौरान घरवालों ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया. स्थानीय लोगों के गुस्से और मारपीट के डर से युवक पास के एक ऊंचे पेड़ पर चढ़कर बैठ गया. काफी देर तक वह नीचे उतरने को तैयार नहीं हुआ. बाद में पुलिस, पंचायत प्रतिनिधियों और दमकल कर्मियों की मदद से कई घंटे की कोशिश के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतारा गया. इसके बाद पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर थाने ले गई और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है.

मालदा में न्यायिक हिरासत में कैदी की मौत को लेकर थाने के बाहर प्रदर्शन

मालदहः पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के रतुआ थाना क्षेत्र में न्यायिक हिरासत के दौरान एक कैदी की मौत को लेकर शनिवार रात तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई. मृतक के परिजनों और रिश्तेदारों ने शव को थाने के सामने रखकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया. मृतक की पहचान 55 वर्षीय भोला मंडल के रूप में हुई है, जो रतुआ थाना क्षेत्र के भादो ग्राम पंचायत इलाके का निवासी था. जानकारी के अनुसार नौ फरवरी को भादो इलाके में सेताबुद्दीन नामक एक व्यवसायी को आम बागान से गंभीर रूप से घायल अवस्था में बरामद किया गया था, जिसकी बाद में अस्पताल में मौत हो गई. इस मामले की जांच के दौरान पुलिस ने भोला मंडल समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया था. पहले उसे चांचल सुधार गृह में रखा गया था और बाद में मालदा जिला सुधार गृह में स्थानांतरित किया गया. परिवार के अनुसार 11 मार्च को भोला मंडल को अचानक सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ होने लगी. इसके बाद सुधार गृह प्रशासन ने उसे मालदह मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पुलिस निगरानी में उसका इलाज चल रहा था. उपचार के दौरान शनिवार तड़के उसकी मौत हो गई. शव परिजनों को सौंपे जाने के बाद शनिवार रात परिवार के सदस्य और स्थानीय लोग रतुआ थाने के सामने पहुंच गए और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया. इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई और उन्होंने थाने के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग 131 पर बैठकर सड़क जाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के साथ केंद्रीय बल को भी तैनात किया गया. काफी मशक्कत के बाद हालात सामान्य हुए और परिजन शव को लेकर वहां से चले गए. इस घटना पर पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है.

बहुमंज़िली इमारत में आग लगने से मची अफरा-तफरी

आसनसोलः सलानपुर थाना अंतर्गत रूपनारायणपुर में एक बहुमंजिली अपार्टमेंट में आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया. दमकल की दो गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया और सभी निवासी सुरक्षित बाहर निकल आए. इस घटना ने इलाके की करीब 80 से अधिक बहुमंजिली इमारतों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. मिली जानकारी के अनुसार, रूपनारायणपुर के हिंदुस्तान केबल्स रोड के पास स्थित रूपसीनी अपार्टमेंट की चौथी मंजिल के एक फ्लैट में रविवार सुबह करीब आठ बजे आठ लग गई. फ्लैट की जिम्मेदारी वृद्धा सतीरानी प्रामाणिक को सौंपी गई है. एक वृद्धा ने बताया कि वह उस समय घर में अकेली थीं. उन्होंने बताया कि वह सुबह घर का काम कर रही थीं और एफएम रेडियो सुन रही थीं, तभी अचानक बिजली के बोर्ड से तेज आवाज आई. इसके बाद जलने की गंध और धुआं निकलते देखा. स्थिति समझते ही उन्होंने नीचे रहने वाले पड़ोसियों को सूचना दी. पड़ोसी ऊपर पहुंचे तो देखा कि फ्लैट धुएं और आग से भर चुका है. इसके बाद किसी तरह वृद्धा को सुरक्षित नीचे उतारा गया. घटना की सूचना मिलने पर चित्तरंजन रेल कारखाने की दमकल टीम आधे घंटे के भीतर एक इंजन लेकर मौके पर पहुंची. इसके साथ ही आसनसोल से भी दमकल की एक और गाड़ी पहुंची. रूपनारायणपुर पुलिस और बिजली विभाग के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रित करने में जुट गए. संकीर्ण सीढ़ियों और बेहद तंग गलियों के कारण दमकलकर्मियों को ऊपर तक पहुंचने में काफी कठिनाई हुई. करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सुबह लगभग 10 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया. दमकल विभाग के प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, आग बिजली के बोर्ड में शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी. फ्लैट के अंदर खाली पानी की बोतलें, पुराने कार्टन, कागज और कपड़े बड़ी मात्रा में रखे थे, जिससे आग तेजी से फैल गई. स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से इलाके में बार-बार बिजली की समस्या हो रही थी. ऐसे में यह भी आशंका जताई जा रही है कि बार-बार बिजली के उतार-चढ़ाव के कारण ही बिजली के बोर्ड से आग लगी हो सकती है. इस घटना के बाद रूपनारायणपुर में दमकल केंद्र स्थापित करने की मांग फिर से तेज हो गई है. सलानपुर ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस के उपाध्यक्ष भोला सिंह ने कहा कि इलाके में फायर ब्रिगेड यूनिट स्थापित करने की कोशिश लंबे समय से चल रही है और इस दिशा में बराबनी के विधायक विधान उपाध्याय भी प्रयास कर रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि तेजी से बढ़ रही बहुमंजिला इमारतों को देखते हुए इलाके में दमकल केंद्र की जरूरत अब बेहद जरूरी हो गई है. प्रशासन से यह भी मांग की गई है कि बंद हो चुके तालाबों का पुनरुद्धार किया जाए ताकि आपात स्थिति में पानी की व्यवस्था हो सके.

ब्राउन शुगर के साथ दो धराए

सिलीगुड़ीः सिलीगुड़ी में पुलिस को मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है. शहर के दार्जिलिंग मोड़ इलाके में अभियान चलाकर प्रधान नगर थाने की पुलिस ने करीब तीन सौ ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है. जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित बाजार मूल्य करीब 15 लाख रुपये बताई जा रही है. गिरफ्तार आरोपितों की पहचान एमडी सद्दाम और राजा महतो के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, शनिवार देर रात गुप्त सूचना के आधार पर दार्जिलिंग मोड़ में संदिग्ध रूप से घूम रहे दो युवकों को रोककर तलाशी ली गई. तलाशी के दौरान उनके पास से भारी मात्रा में ब्राउन शुगर बरामद हुई. इसके बाद दोनों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों युवक मालदा से सिलीगुड़ी आए थे. दार्जिलिंग मोड़ पर उतरने के बाद वे एक छोटी गाड़ी से झंकार मोड़ जाने की योजना बना रहे थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने कार्रवाई कर उन्हें दबोच लिया. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

बीरभूम में अवैध बालू खनन पर भाजपा ने उठाए सवाल

बीरभूमः पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले बीरभूम जिले में अवैध बालू खनन को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तृणमूल कांग्रेस पर जिले में अवैध बालू घाट चलाने का आरोप लगाते हुए इसकी जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की है. भाजपा के बीरभूम जिलाध्यक्ष उदयशंकर बनर्जी ने इस संबंध में जिलाधिकारी को पत्र सौंपते हुए जिले में अवैध बालू खनन को तत्काल बंद करने और बालू की उचित कीमत सुनिश्चित करने की मांग की है. उनका आरोप है कि जिले में चल रहे अवैध बालू कारोबार से तृणमूल नेताओं को चुनावी फंड जुटाने में मदद मिलती है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन जल्द कार्रवाई नहीं करता है तो भाजपा इस मुद्दे पर आंदोलन करेगी. भाजपा का दावा है कि जिले की अजय, मयूराक्षी, कोपाई, द्वारका, बक्रेश्वर, बांसलाई, ब्राह्मणी और हिंगलो जैसी नदियों से अवैध रूप से बालू निकाला जा रहा है. आरोप है कि नदी के भीतर जेसीबी मशीन और नावों के माध्यम से अवैज्ञानिक तरीके से बालू निकासी की जा रही है, जो प्रशासनिक नियमों के खिलाफ है. इलामबाजार, नानूर, लाभपुर, सिउड़ी, साईंथिया, मयूरेश्वर और रामपुरहाट इलाकों में ऐसे अवैध बालू घाटों की संख्या अधिक बताई जा रही है. हालांकि, जिला प्रशासन ने इन आरोपों से इनकार किया है. बीरभूम के जिलाधिकारी धवल जैन ने कहा कि जिले में किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को बढ़ावा नहीं दिया जाता है. वहीं, तृणमूल कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष मलय मुखर्जी ने भाजपा के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि बिना सबूत के आरोप लगाना भाजपा की राजनीति का हिस्सा है. उधर, पुलिस अधीक्षक अमनदीप ने कहा कि जिले में पुलिस नियमित रूप से अभियान चलाती है और कहीं भी अवैध गतिविधि पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाती है.

पांशकुड़ा में तृणमूल की अंदरूनी लड़ाई

मेदिनीपुरः आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पांशकुड़ा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस के भीतर गुटबाजी बढ़ती जा रही है. इस क्षेत्र को पार्टी का 'मैच विनिंग' क्षेत्र माना जाता है, लेकिन चुनाव से पहले वरिष्ठ नेताओं के पद और प्रभाव को लेकर मतभेद सामने आए हैं. सूत्रों के अनुसार, 2011 के बाद पहली बार पूर्व विधायक सौमेन महापात्र और उनकी पत्नी सुमना महापात्र इस चुनाव में सक्रिय नहीं हैं. वहीं, हाल ही में नगर पालिका अध्यक्ष पद से नंदकुमार मिश्र को हटाए जाने से उनके समर्थकों में असंतोष फैल गया है. पिछले लोकसभा चुनाव में पांशकुड़ा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने तृणमूल को पीछे छोड़ दिया था. नगर क्षेत्र में तृणमूल ने थोड़ी बढ़त बनाई थी, लेकिन ब्लॉक स्तर पर पार्टी कमजोर रही. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस गुटबंदी का असर आगामी विधानसभा चुनाव पर पड़ सकता है. गुप्त सूत्रों के अनुसार, यदि पार्टी एकजुट नहीं हुई, तो पुराने समर्थक कई वार्डों में वोट शेयर कम कर सकते हैं. रविवार सुबह भाजपा के एक स्थानीय नेता ने कहा कि तृणमूल के अंदरूनी मतभेद हमें फायदा दे सकते हैं. हम पूरे संगठन के साथ चुनाव लड़ने को तैयार हैं और जनता को बेहतर विकल्प देंगे. तृणमूल के नेताओं का कहना है कि पार्टी कार्यकर्ता चुनाव में एकजुट होकर लड़ेंगे.

खड़गपुर में गैस आपूर्ति को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

खड़गपुरः खड़गपुर के मालंचा में सुपर मार्केट स्थित एक गैस आपूर्ति केंद्र में कथित अनियमितताओं और गैस संकट को लेकर रविवार को खड़गपुर कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया. चुनावी माहौल के बीच इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने प्रशासन और संबंधित एजेंसी के खिलाफ आवाज उठाते हुए इसे आम लोगों की समस्या से जुड़ा बड़ा मुद्दा बताया. रविवार को संबंधित गैस एजेंसी ने दुकान के बाहर सिलेंडर आउट ऑफ स्टॉक का नोटिस लगाकर केंद्र बंद रखा. बताया जा रहा है कि सुबह से कई उपभोक्ता गैस लेने के लिए लाइन में खड़े थे, लेकिन उन्हें सिलेंडर नहीं मिला. शनिवार को पश्चिम मेदिनीपुर के जिलाधिकारी विजिन कृष्ण और पुलिस अधीक्षक पलाश चंद्र ढाली ने जिले के विभिन्न गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के साथ बैठक की थी. सूत्रों के अनुसार, बैठक में डिस्ट्रीब्यूटर्स ने जिले में गैस की किसी बड़ी कमी से इनकार किया था, लेकिन मालंचा इलाके की स्थिति इससे अलग दिखाई दे रही है. अन्ततः रविवार सुबह 11 बजे करीब खड़गपुर कांग्रेस ने गैस एजेंसी के सामने विरोध प्रदर्शन किया. प्रदर्शन कार्यक्रम में यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष उज्ज्वल मुखर्जी, खड़गपुर सदर टाउन यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अमित शर्मा, खड़गपुर नगरपालिका की पार्षद रीता शर्मा और परोमिता घोष, आईएनटीयूसी के जिलाध्यक्ष कमल किशोर खन्ना, छात्र परिषद खड़गपुर टाउन अध्यक्ष राहुल कुमार सिंह सहित यूथ नेता सचिन कुमार और कौनिश साहा उपस्थित थे. वार्ड 14 की पार्षद रीता शर्मा ने आरोप लगाया कि मालंचा के इस गैस सेंटर में गैस बुकिंग के समय सर्विस चार्ज लेने के बावजूद ग्राहकों को गोदाम से सिलेंडर लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है. कांग्रेस कि वार्ड 11 कि पार्षद परोमिता घोष ने कहा कि पिछले कई दिनों से गैस की समस्या को लेकर लोगों में असंतोष बढ़ रहा है. उनके अनुसार, कई मामलों में गैस बुक करने के बाद उपभोक्ताओं के मोबाइल पर 'डिलीवर्ड' का संदेश आ जाता है, लेकिन सिलेंडर घर तक नहीं पहुंचता. इसके बाद ग्राहकों को सेंटर या गोदाम के चक्कर लगाने पड़ते हैं. वहीं, गैस सेंटर के कर्मचारी खोखन राउत ने कहा कि गैस की आपूर्ति नहीं होने के कारण केंद्र बंद रखा गया है. एक उपभोक्ता सुनीता पात्र ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से गैस के लिए बार-बार सेंटर जाना पड़ रहा है, लेकिन हर बार 'गैस नहीं आई' कहकर लौटा दिया जाता है. घर में बुजुर्ग और बच्चे हैं, इसलिए खाना बनाने में दिक्कत हो रही है. प्रशासन को इस समस्या का जल्द समाधान करना चाहिए. इस मुद्दे पर भाजपा के वरिष्ठ जिला समिति सदस्य बादल दास ने कांग्रेस पर अनावश्यक राजनीति करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि यदि कहीं गैस आपूर्ति में अस्थायी समस्या है तो प्रशासन और संबंधित एजेंसियों को इसकी जांच कर समाधान करना चाहिए. लेकिन कांग्रेस चुनाव नजदीक आते ही इस मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रही है और लोगों को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है. उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समाधान राजनीति से नहीं, बल्कि प्रशासनिक कार्रवाई से होना चाहिए. कांग्रेस ऐसे मुद्दों को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने का प्रयास कर रही है.

दीदी का किला, भाजपा की हुंकार और अस्तित्व की जंग लड़ता वाम-कांग्रेस

बंगाल में दो-ध्रुवीय या चतुष्कोणीय होगा मुकाबला?

- ममता की छवि, कल्याणकारी योजनाएं तृणमूल की ताकत, आंतरिक कलह चुनौती
- भाजपा को मोदी का चेहरा, हिंदुत्व का लाभ, बाहरी का ठप्पा कमजोरी
- वाम-कांग्रेस जनाधार वापसी को प्रयासरत, पर संगठनात्मक ढांचा कमजोर

कोलकाताः भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखों (23 और 29 अप्रैल) की घोषणा के साथ ही प्रदेश की सियासी महासमर शुरू हो गया है. सत्ता की हैट्रिक लगा चुकीं ममता बनर्जी के सामने जहां अपनी विरासत बचाने की चुनौती है, वहीं भाजपा दिल्ली की तर्ज पर कोलकाता फतह करने को बेताब है. इस दोतरफा ध्रुवीकरण के बीच माकपा और कांग्रेस अपने खोए हुए जनाधार को वापस पाने के लिए 'करो या मरो' की स्थिति में हैं. तृणमूल कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत आज भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की 'अग्निकन्या' वाली छवि है. एक दशक से अधिक सत्ता में रहने के बावजूद, ग्रामीण बंगाल में उनकी पकड़ ढीली नहीं हुई है. पार्टी का बूथ-स्तरीय मजबूत ढांचा और 'लक्ष्मी भंडार', 'युवा साथी' व 'स्वास्थ्य साथी' जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं ने महिलाओं और गरीबों का एक अभेद्य 'वोट बैंक' तैयार किया है. हालांकि, 15 साल की 'एंटी-इंकंबेंसी', भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप और स्थानीय स्तर पर नेताओं की आपसी गुटबाजी टीएमसी के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द है. यदि यह आंतरिक कलह चुनाव तक नहीं थमी, तो पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है. पिछले चुनावों में तीन से 77 विधायकों तक का सफर तय करने वाली भाजपा अब बंगाल में मुख्य विपक्षी दल है. प्रधानमंत्री मोदी का चेहरा और हिंदुत्व आधारित ध्रुवीकरण पार्टी की मुख्य ताकत है. भाजपा ने पारंपरिक वामपंथी और कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाकर अपनी ताकत 39 मत प्रतिशत तक पहुंचाई है. लेकिन, 'बाहरी' होने का ठप्पा और बंगाल की स्थानीय संस्कृति से पूरी तरह न जुड़ पाना भाजपा की कमजोरी रही है. साथ ही, केंद्रीय नेतृत्व पर अत्यधिक निर्भरता और मतुआ जैसे समुदायों के बीच एसआइआर को लेकर संशय पार्टी की राह में कांटे बिछा सकते हैं. एक समय बंगाल पर 34 साल राज करने वाला वाम मोर्चा अब हाशिए पर है. माकपा अपनी 'स्वच्छ छवि' और हालिया आंदोलनों (जैसे आरजी कर मामला) के जरिए युवाओं को जोड़ने की कोशिश कर रही है. हालांकि, 30 प्रतिशत से गिरकर 4.73 प्रतिशत पर आया वोट शेयर यह बताने के लिए काफी है कि पार्टी का सांगठनिक ढांचा ढह चुका है. वहीं, कांग्रेस ने इस बार माकपा से नाता तोड़कर अकेले चलने का साहसिक फैसला लिया है. मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे गढ़ों में अभी भी पार्टी की कुछ उम्मीदें जिंदा हैं, लेकिन संसाधनों की कमी और लगातार होते दलबदल ने उसे कमजोर कर दिया है. बंगाल का यह चुनाव केवल सरकार चुनने का नहीं, बल्कि राज्य की राजनीतिक दिशा तय करने का है. क्या ममता का 'माटी-मानुष' माडल फिर जादू करेगा, या भाजपा का 'सोनार बांग्ला' का नारा बाजी मारेगा? फिलहाल, गेंद जनता के पाले में है.

सुरक्षा बलों और अधिकारियों के सुझाव के आधार पर दो चरणों में चुनाव कराने का आयोग ने लिया निर्णय

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए तारीखों का ऐलान हो गया है. पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी. यानी इस बार राज्य में दो चरणों में मतदान होगा. पिछली बार यानी 2021 के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में 8 चरणों में वोटिंग हुई थी. इसके साथ ही 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 7 चरणों में मतदान हुए. ऐसे में आखिर चुनाव आयोग ने बंगाल में केवल दो चरणों में मतदान कराने का फैसला क्यों लिया है? आइए समझते हैं. पश्चिम बंगाल में विपक्षी दलों ने लगातार इसकी मांग की. हाल ही में जब विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा चुनाव आयोग की टीम बंगाल गई थी, तो बीजेपी, सीपीआईएम और कांग्रेस सभी विपक्षी दलों ने एक सुर में मांग की थी कि चुनाव 1 या अधिकतम 2 से 3 चरणों में ही कराए जाएं. विपक्ष का तर्क था कि कई चरणों के लंबे चुनाव से असामाजिक तत्वों को एक चुनावी क्षेत्र से दूसरे चुनावी क्षेत्र में जाकर गड़बड़ी करने और वोटर्स को डराने का मौका मिल जाता है. चुनावों की तारीखों के ऐलान से पहले चुनाव आयोग के एक सीनियर अधिकारी ने बताया था कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव दो चरणों में होने की संभावना है. उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर राज्य की अधिकतर राजनीतिक पार्टियों ने कोलकाता में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ अपनी हालिया बैठक के दौरान एक या दो चरणों में चुनाव कराने की मांग की थी. उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल सहित अन्य अधिकारियों से भी इसी तरह के सुझाव मिले थे. अधिकारी ने बताया, पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में कराने से चुनाव संबंधी हिंसा को रोकने में मदद मिलेगी क्योंकि उपद्रवियों को एक जगह से दूसरी जगह जाकर गड़बड़ी फैलाने का समय नहीं मिलेगा.' अधिकारी ने कहा कि चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था चुनाव आयोग के लिए एक बड़ी चिंता का विषय रहा है. इसके साथ ही एक्सपर्ट्स का मानना है कि चुनाव आयोग ने दो चरण में चुनाव कराने का उचित फैसला लिया है. पश्चिम बंगाल का चुनावी इतिहास हिंसा से लेकर हमेशा से संवेदनशील रहा है. 2021 के 8 चरणों वाले चुनाव करीब एक महीने से ज्यादा चले थे, जिससे तनाव और हिंसा का दौर काफी लंबा खिंच गया था. चुनाव को सिर्फ 2 चरणों में समेटने से हिंसा की गुंजाइश कम होगी और असामाजिक तत्वों को माहौल बिगाड़ने का लंबा वक्त नहीं मिलेगा.

दो चरणों में चुनाव से रिगिंग पर लगेगी लगाम : अग्निमित्रा पॉल

कोलकाताः पश्चिम बंगाल भाजपा की राज्य उपाध्यक्ष अग्निमित्रा पॉल ने राज्य में दो चरणों में विधानसभा चुनाव कराने के फैसले का स्वागत किया है. उन्होंने कहा कि पिछली बार सात चरणों में चुनाव आवंटित किए गए थे, जिससे ममता बनर्जी की पार्टी ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस को धांधली करने और अपने कार्यकर्ताओं को एक जिले से दूसरे जिले में भेजने का मौका मिल गया था. अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि इस बार केवल दो चरणों में चुनाव होने से सुरक्षा व्यवस्था अधिक कड़ी रहेगी. साथ ही चुनाव आयोग की सख्त निगरानी के कारण आम मतदाता बिना किसी डर या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे. उन्होंने कोलकाता के गिरीश पार्क इलाके में हुई एक घटना का भी उल्लेख किया. पॉल के अनुसार, भाजपा कार्यकर्ताओं को ले जा रही वाहन पर पथराव किया गया, जिसमें कई कार्यकर्ता घायल हो गए. उन्होंने कांग्रेस की मंत्री शशि पांजा के उस आरोप को भी खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि बस में भाजपा के 'खून' और 'मर्डरर' मौजूद थे. भाजपा नेता पॉल ने बताया कि इस हमले में कई कार्यकर्ता घायल हुए हैं और पार्टी के जिलाध्यक्ष तमोघना घोष को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा. उन्होंने इस घटना पर चुनाव आयोग से कार्यकर्ताओं को लेने और चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की पर्याप्त बहाली सुनिश्चित करने की मांग की. अग्निमित्रा पॉल ने विश्वास जताया कि 2026 के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भाजपा दो-तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी. उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी पहले ही इस जीत को लेकर भरोसा जाता चुके हैं.

पत्नी के इलाज के लिए कोलकाता आया बांग्लादेशी व्यक्ति रहस्यमय तरीके से लापता

कोलकाता : एक व्यक्ति अपनी पत्नी को इलाज के लिए बांग्लादेश से कोलकाता लाया था. हालांकि, पत्नी का इलाज कराने के बाद वह बांग्लादेशी व्यक्ति कथित तौर पर लापता हो गया है. लापता व्यक्ति की पहचान सैयद अब्दुल्ला जोही (50) के रूप में हुई है. वह बांग्लादेश के चापाइनवाबगंज जिले का निवासी है. बताया जा रहा है कि वह बुधवार, 11 मार्च से लापता है. जोही की पत्नी और पूरा परिवार इस घटना से चिंतित है. पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, चापाइनवाबगंज निवासी सैयद अब्दुल्ला जोही कुछ दिन पहले अपनी पत्नी मसरूफा तस्नीम के साथ इलाज के लिए कोलकाता आए थे. उन्होंने अपनी पत्नी को कुछ शारीरिक समस्याओं के कारण बागूइहाटी, बिधाननगर स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया था. उनका इलाज वहीं शुरू हुआ था. वे बागूइहाटी के एक होटल में ठहरे हुए थे. परिवार का आरोप है कि सैयद अब्दुल्ला जोही पिछले बुधवार को अचानक और रहस्यमय तरीके से लापता हो गए. पता चला है कि वह उस दिन जिस होटल में ठहरे थे, वहां से निकलकर नीचे चले गए थे. कुछ समय बाद जब वह वापस नहीं लौटे, तो उनकी पत्नी चिंतित हो गईं और बार-बार उनके मोबाइल फोन पर संपर्क करने की कोशिश की. काफी देर तक फोन की घंटी बजती रही, फिर एक अनजान व्यक्ति ने महिला का फोन उठाया. जोही की पत्नी ने पूछा कि फोन किसने उठाया? जवाब में, फोन के दूसरी तरफ मौजूद व्यक्ति ने बताया कि वह पेशे से सब्जी विक्रेता है. उसने कहा कि फोन काफी देर से मोटरसाइकिल पर पड़ा था और उस पर बार-बार कॉल आ रहे थे. इसलिए उसने फोन उठाया और मालिक को फोन ले जाने के लिए बुलाया. बाद में, लापता व्यक्ति की पत्नी मौके पर गई और सब्जी विक्रेता से फोन वापस ले लिया. हालांकि, महिला को वहां अपने पति का कोई सुराग नहीं मिला. परिवार का दावा है कि घटना के अगले दिन से वे सैयद अब्दुल्ला जोही से किसी भी तरह से संपर्क नहीं कर पाए हैं. घटना के बाद, लापता बांग्लादेशी व्यक्ति मसरूफा तसनीम की पत्नी ने बागूइहाटी पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई. पता चला है कि उनके एक रिश्तेदार, रिपन मंडल, वर्तमान में कोलकाता में रहते हैं. उन्होंने ही जोही और मसरूफा के भारत आने का इंतजाम किया था. रिपन ने पुलिस को बताया कि उन्हें गुरुवार, 12 मार्च को एक फोन आया था. फोन करने वाले ने कहा कि उन्हें जोही बर्दवान में मिल गया है. अगर वे उन्हें 2,000 रुपया भेज दें, तो वे जोही को सियालदह थाने ले आएंगे. फोन करने वाले पर शक होने पर रिपन और मसरूफा ने तुरंत बागूइहाटी पुलिस स्टेशन में इसकी सूचना दी. पुलिस ने जांच की और पता चला कि यह फर्जी फोन था. बिधाननगर कमिश्नरेट के एक वरिष्ठ अधिकारी, जिन्होंने अपना नाम न बताने की शर्त पर कहा, हम लगातार उस व्यक्ति का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं. जैसे ही हमें वह मिलेगा, हम आपको सूचित करेंगे.

विधानसभा चुनाव घोषणा से पहले राज्य के 27 पुलिस अधिकारियों का तबादला

कोलकाताः विधानसभा चुनाव की घोषणा से ठीक पहले पश्चिम बंगाल पुलिस में एक बार फिर बड़े पैमाने पर फेरबदल किया गया है. इस चरण में कुल 27 पुलिस अधिकारियों का तबादला किया गया है. जारी सूची के अनुसार, डायमंड हार्बर पुलिस जिले के दोपुलिस अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है. डायमंड हार्बर के पुलिस अधिकारी शिबू दास को बीरभूम जिले के रामपुरहाट थाने का आईसी बनाया गया है. वहीं, डायमंड हार्बर में इंस्पेक्टर पद पर निरुपम मंडल को नियुक्त किया गया है, जो अब तक उसी पुलिस जिले के नोदाखाली थाने के आईसी थे. इसके अलावा राज्य के खुफिया विभाग में भी बदलाव किया गया है. सीआईडी और आईबी में इंस्पेक्टर स्तर पर भी फेरबदल हुआ है. आईबी के पुलिस अधिकारी सुसिम गांगुली को नोदाखाली थाने का आईसी बनाया गया है, जबकि इस पद पर अनूपम मंडल को लाया गया है. वहीं सीआईडी के पुलिस अधिकारी सुदीप्त चक्रवर्ती को श्रीरामपुर थाने का आईसी बनाया गया है और उनकी जगह संजीव चक्रवर्ती को नियुक्त किया गया है. राज्य पुलिस ने दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, पूर्व बर्दवान, अलीपुरद्वार, दक्षिण दिनाजपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, बारुईपुर पुलिस जिला, मालदा, बीरभूम और रानाघाट पुलिस जिले सहित कई अन्य जिलों में भी पुलिस अधिकारियों का तबादले किए गए हैं. गौरतलब है कि रविवार शाम को चुनाव आयोग विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर सकता है. उससे पहले पुलिस विभाग में यह फेरबदल किया गया है. हालांकि, पुलिस सूत्रों का कहना है कि यह नियमित प्रशासनिक तबादला है. इससे पहले जनवरी में भी एक साथ 19 पुलिस अधिकारियों का तबादला किया गया था. करीब दो महीने के भीतर फिर से यह बदलाव किया गया है.

'न शादी में बुलाया, न ही मिठाई खिलाई'

ब्रिगेड रैली के बाद पीएम मोदी ने भाजपा नेता दिलीप घोष से ली चुटकी

कोलकाताः बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में शनिवार को आयोजित मेगा परिवर्तन रैली को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष के बीच हल्की-फुल्की और दिलचस्प बातचीत देखने को मिली. रैली समाप्त होने के बाद जब प्रधानमंत्री मंच से नीचे उतर रहे थे, तभी उन्होंने अचानक दिलीप घोष को अपने पास बुलाया. पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए घोष से कहा कि आप तो बहुत नटखट हैं. यह सुनकर दिलीप घोष पहले तो थोड़ा चौंक गए. इसके बाद प्रधानमंत्री ने मजाकिया अंदाज में उनसे कहा कि शादी की तो आपने न तो बुलावा भेजा और न ही मिठाई खिलाई. प्रधानमंत्री की यह बात सुनते ही वहां आसपास मौजूद भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता हंस पड़े और माहौल हल्का हो गया. इस पर दिलीप घोष ने भी मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि वह जल्द ही दिल्ली आकर प्रधानमंत्री को मिठाई जरूर खिलाएंगे. पार्टी सूत्रों ने इसकी जानकारी दी. बताते चलें कि बंगाल भाजपा के वरिष्ठ नेता, मेदिनीपुर से पूर्व सांसद और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने पिछले वर्ष 18 अप्रैल 2025 को 61 साल की आयु में भाजपा की महिला इकाई की नेता रिंकू मजूमदार से शादी की थी. यह विवाह कोलकाता के न्यूटाउन स्थित दिलीप घोष के आवास पर एक निजी और सादे समारोह में बंगाली रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न हुआ था, जिसमें परिवार के सदस्य और कुछ करीबी दोस्त शामिल हुए थे. इधर, ब्रिगेड रैली के बाद पीएम मोदी और दिलीप घोष के बीच हुई यह संक्षिप्त लेकिन मजाकिया बातचीत वहां मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा का विषय बन गई.

गिरिश पार्क कांड में रविवार सुबह तक नौ गिरफ्तार

कोलकाताः गिरिश पार्क इलाके में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के बीच हुए हिंसक झड़प मामले में रविवार सुबह तक कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, शनिवार रात तृणमूल और भाजपा ने लिखित शिकायत दर्ज कराई. हालांकि पुलिस ने उससे पहले ही स्वतः संज्ञान लेते हुए एक मामला दर्ज कर लिया था. झड़प में घायल दो पुलिसकर्मी अभी भी अस्पताल में इलाजरत हैं, जबकि घायल छह लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है. उल्लेखनीय है कि शनिवार को ब्रिगेड मैदान में प्रधानमंत्री की सभा में शामिल होने जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय तृणमूल कार्यकर्ताओं के बीच गिरिश पार्क इलाके में झड़प हो गई थी. इस दौरान राज्य के मंत्री शशि पांजा के घर पर भी हमले का आरोप लगाया गया. भाजपा समर्थकों पर हमले और दोनों पक्षों के बीच हुई पत्थरबाजी के कारण पूरा इलाका रणक्षेत्र में बदल गया. स्थिति को नियंत्रित करने के दौरान बउबाजार थाने के ओसी ईंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए. तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि प्रधानमंत्री की सभा में जाने के दौरान भाजपा कार्यकर्ता-समर्थकों ने स्थानीय विधायक और मंत्री शशि पांजा के घर पर हमला किया, जिसके बाद इलाके में तनाव फैल गया और जवाबी हमले का आरोप तृणमूल पर भी लगा. देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच जमकर पत्थर और ईंटें फेंकी जाने लगीं, जिसमें कई भाजपा समर्थक घायल हो गए. सूचना मिलने पर भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की. भाजपा का दावा है कि उनकी शांतिपूर्ण रैली पर तृणमूल समर्थित असामाजिक तत्वों ने सुनियोजित हमला किया. वहीं, तृणमूल का कहना है कि इलाके में उकसावे की स्थिति पैदा करते हुए मंत्री के घर पर हमला किया गया.

विधवा महिला के साथ ब्लैकमेलिंग और दुष्कर्म

पीड़िता ने महिला आयोग से लगाई गुहार

कोलकाता : उत्तर 24 परगना जिले के बसीरहाट से एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है. यहाँ एक असहाय विधवा महिला को डरा-धमकाकर और अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर लंबे समय तक दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगा है. पीड़िता ने न्याय की आस में अब प्रशासन और राज्य महिला आयोग का दरवाजा खटखटाया है. पीड़िता राजारहाट की रहने वाली है. करीब ढाई साल पहले अपनी बीमार माँ का इलाज कराने के दौरान उसकी मुलाकात भांगड़ निवासी जहुर आलम से हुई थी. उस वक्त जहुर ने महिला की काफी मदद की, जिससे दोनों के बीच जान-पहचान बढ़ी और मोबाइल नंबर साझा हुए. कुछ समय बाद जहुर आलम ने महिला को काम दिलाने के बहाने बुलाया और धोखे से एक कागज पर उसके हस्ताक्षर करवा लिए. इसके बाद वह उसे एक घर में ले गया, जहाँ महिला के साथ दुष्कर्म किया गया.

चुनाव के चरणों से कोई फर्क नहीं पड़ता, भाजपा को हर हाल में पराजित करेगी जनता : टीएमसी

भाजपा ने कहा-महाजंगलराज के अंत की उलटी गिनती हो चुकी है शुरू

कोलकाताः तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पश्चिम बंगाल में दो चरण में विधानसभा चुनाव कराए जाने को ज्यादा तवज्जो न देते हुए रविवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ने चरणों की संख्या अपने राजनीतिक आकाओं की जरूरतों के अनुसार तय की. पार्टी ने सवाल उठाया कि 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान कोविड-19 महामारी फैली होने के बावजूद आयोग ने आठ चरण में चुनाव कराया था जबकि इस बार केवल दो चरण में चुनाव कराने का फैसला किया है. टीएमसी के प्रवक्ता अरूप चक्रवर्ती ने कहा, चरणों की संख्या भाजपा की इच्छा को दर्शाती है और निर्वाचन आयोग ने अपने राजनीतिक आकाओं की जरूरतों के अनुसार काम किया है. निर्वाचन आयोग ने रविवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखें घोषित करते हुए बताया कि राज्य में 23 और 29 अप्रैल को दो चरण में मतदान होगा. चक्रवर्ती ने कहा, 2021 में जब लोग कोविड संक्रमण से मर रहे थे, तब राज्य में आठ चरण में चुनाव कराए गए और अब जब ऐसी कोई बीमारी नहीं है, तो केवल दो चरणों में चुनाव कराने का निर्णय क्यों लिया गया? चुनावों के चरणों की संख्या मायने नहीं रखती, लोग भाजपा को हर हाल में परास्त कर देंगे. इस बीच भाजपा ने दो चरण में चुनाव कराने के आयोग के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि लोग सत्तारूढ़ टीएमसी के महाजंगलराज को खत्म करने के लिए निर्णायक तरीके से मतदान करेंगे. पार्टी ने दावा किया कि चुनाव परिणाम उसके पक्ष में आएगा. भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह केवल एक चुनाव नहीं है, बल्कि एक सभ्यतागत संघर्ष है. महाजंगलराज के अंत की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है. भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने सत्तारूढ़ टीएमसी ने लोगों के मूलभूत अधिकार छीने हैं. उन्होंने कहा कि यदि उनकी पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ता में आती है तो राज्य में एक नयी सुबह होगी. भट्टाचार्य ने दावा किया कि टीएमसी सरकार ने लोगों को बुनियादी अधिकारों जैसे साफ पेयजल, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर, रोजगार के अवसर से वंचित रखा. उन्होंने कहा, भाजपा के सत्ता में आने पर, लोगों के अधिकार पुनः बहाल किए जाएंगे. हमारी सरकार सभी वर्गों तक पहुंच बनाएगी और एक समावेशी प्रणाली तैयार करेगी, जहां हर नागरिक की इच्छाओं और आकांक्षाओं का सम्मान किया जाएगा.

लगभग 50 से 55 मौजूदा विधायकों का टिकट काट सकती है तृणमूल

कोलकाताः भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है. राज्य में इस बार दो चरणों में मतदान होगा. पहला चरण 23 अप्रैल और दूसरा चरण 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना चार मई को की जाएगी. चुनाव प्रक्रिया छह मई तक पूरी कर ली जाएगी. इस बहुचर्चित विधानसभा चुनावों के घोषणा के साथ ही सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की संभावित उम्मीदवारों की सूची को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं. ऐसी आशंका है कि इस बार तृणमूल की उम्मीदवारों की सूची में बड़ा उलटफेर हो सकता है और पार्टी कई नए चेहरों को मैदान में उतार सकती है. वहीं दूसरी ओर, तृणमूल ने सोशल मीडिया पर पहले से ही कड़ा संदेश देना शुरू कर दिया है ताकि पार्टी के भीतर उम्मीदवारों को लेकर कोई नाराजगी या असंतोष न हो. पार्टी के एक सूत्र के अनुसार, सत्ताधारी पार्टी इस चुनाव में मुख्य रूप से युवाओं और नए चेहरों पर जोर दे रही है. खबर है कि तृणमूल कांग्रेस राज्य की 294 विधानसभा सीटों में से 291 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर सकती है, तीन पहाड़ी सीटों को छोड़कर. ऐसी अटकलें हैं कि उम्र और कार्य-प्रदर्शन के आधार पर इस बार लगभग 50 से 55 मौजूदा विधायकों के टिकट काटे जा सकते हैं. पार्टी के युवा और नवोदित नेताओं को इन रिक्त सीटों पर मौका मिल सकता है. कई जाने-माने छात्रों और युवा नेताओं के नाम संभावित नए चेहरों की सूची में उभर रहे हैं. तृणमूल छात्र परिषद के अध्यक्ष त्रिनांकुर भट्टाचार्य का नाम चर्चा में है, जिनके उत्तर 24 परगना के एक निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार होने की आशंका है. इसके अलावा, पार्टी के एक अन्य जाने-माने युवा नेता देबांशु भट्टाचार्य, पूर्व छात्र नेता जया दत्ता और युवा नेता देबराज चक्रवर्ती के नाम भी संभावित उम्मीदवारों की सूची में शामिल बताए जा रहे हैं. सीपीएम छोड़कर तृणमूल में शामिल हुए प्रतिकुर रहमान का नाम भी चौंकाने वाला हो सकता है. युवा नेताओं के साथ-साथ इस बार विधानसभा चुनाव में कई पूर्व सांसद भी नजर आ सकते हैं. पूर्व सांसद ऋतब्रता बनर्जी और समीरुल इस्लाम के नाम संभावित उम्मीदवारों के तौर पर उभर रहे हैं. इसके अलावा, मनोरंजन और संस्कृति जगत के प्रतिनिधि भी तृणमूल उम्मीदवारों की सूची में हमेशा मौजूद रहते हैं. इस बार भी टॉलीवुड अभिनेता परमब्रता चटर्जी और गायक एमोन चक्रवर्ती के नाम उम्मीदवारों के तौर पर सामने आ रहे हैं. ऐसी प्रबल अटकलें हैं कि हाल ही में तृणमूल में शामिल हुई खिलाड़ी स्वप्ना बर्मन को उत्तर बंगाल के डबग्राम-फुलबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र से सत्तारूढ़ पार्टी का टिकट मिल सकता है. इन नामों के साथ-साथ कुणाल घोष, अरूप चक्रवर्ती, तन्मय घोष, एंटाली के संदीपान साहा और पुरबा बर्दवान के राममोहन रॉय जैसे नेताओं के नाम भी उम्मीदवारों के तौर पर चर्चा में हैं. हालांकि, अंतिम फैसला तृणमूल के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिया जाएगा. राज्य भर में उम्मीदवारों की सूची को लेकर अटकलों के बीच, तृणमूल कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर एक विशेष अभियान शुरू किया है. पार्टी के सूचना एवं संचार विभाग और सोशल मीडिया पेजों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ही अंतिम निर्णय तय करेंगे. तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता अरूप चक्रवर्ती ने इस अभियान के पीछे की वजह बताते हुए कहा कि पार्टी हर सीट के लिए उम्मीदवार का अंतिम निर्णय करेगी, जिसे सभी को स्वीकार करना होगा. माना जा रहा है कि पार्टी के निचले स्तर के कार्यकर्ताओं तक यह कड़ा संदेश पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर यह अभियान शुरू किया गया है. अरूप चक्रवर्ती ने कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तृणमूल का उम्मीदवार ममता बनर्जी का उम्मीदवार है. इसलिए, इस मुद्दे पर पार्टी में किसी को भी दुविधा नहीं होनी चाहिए. इस बीच, चुनाव तिथि की घोषणा से पहले ही, राज्य मंत्री और तृणमूल के वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम ने रविवार सुबह कोलकाता के भाबानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार शुरू कर दिया. उन्होंने चेतला इलाके में घर-घर जाकर पर्चे बांटे. फिरहाद हकीम ने आत्मविश्वास से दावा किया कि ममता बनर्जी को हराने की क्षमता किसी के पास नहीं है और इस बार वे अपने निर्वाचन क्षेत्र से 50,000 से अधिक वोटों से जीतेंगे. भगवा खेमे ने सत्ताधारी पार्टी के चुनाव प्रचार की आलोचना करने में कोई संकोच नहीं किया. वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप घोष ने इस संबंध में कहा कि तृणमूल कांग्रेस भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र को लेकर भारी दबाव में है. उन्होंने दावा किया कि अगर पिछले विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम में ममता बनर्जी को हराना संभव था, तो भवानीपुर में भी उन्हें हराना निश्चित रूप से संभव है. दिलीप घोष के अनुसार, भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से लगभग 50,000 फर्जी मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं. और इसी वजह से सत्ताधारी पार्टी ने डर के मारे जल्दी चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है. तृणमूल नेता को चुनौती देते हुए दिलीप घोष ने कहा, या तो वह अपना निर्वाचन क्षेत्र बदल लें, वरना हार के लिए तैयार रहें.

युवा और नए उम्मीदवारों को मिल सकता है मौका!

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रूपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | सोमवार | 16 मार्च, 2026

अनिद्रा की महामारी

भारतीय जन-जीवन में तेजी से घर करती डिजिटल जीवन शैली ने युवाओं की नींद को बुरी तरह प्रभावित किया है. जिसके चलते उनमें आक्रामकता, अवसाद व आत्महत्या की प्रवृत्ति विकसित हो रही है. देश-दुनिया में समय-समय पर आने वाले विभिन्न सर्वेक्षण इस संकट की ओर इशारा कर रहे हैं. लेकिन देश में किशोरों का स्क्रीन टाइम घातक ढंग से बढ़ रहा है. आमतौर पर चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरों की सेहत के लिये आठ घंटे की नींद जरूरी होती है. हालांकि, कुछ विशेषज्ञ आठ घंटे के बजाय सात-छह घंटे की नींद को भी पर्याप्त मानते हैं, बशर्ते उसमें बीच में किसी तरह का व्यवधान न हो. लेकिन बिना किसी जरूरी काम के कथित सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज के दौर में फैशन सा बन गया है. अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बताते हैं कि रात में जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने से बेहतर स्वास्थ्य बनता है. यह भारतीय जीवन दर्शन की अपरिहार्य धारणा भी रही है. लेकिन देश में पहले टीवी और अब मोबाइल फोन के अनियंत्रित उपयोग ने युवाओं की रात की नींद उड़ा दी है. जिसके चलते युवा पूरे दिन उखड़े-उखड़े और अशांत रहते हैं. उनमें आक्रामकता बढ़ रही है. फिर वे अवसाद के शिकार हो जाते हैं. बाधित नींद की इस स्थिति में कालांतर मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक भाव उमड़ने लगते हैं. एक सर्वे बताता है कि देश में 73 फीसदी दसवीं के छात्र आठ घंटे से कम की नींद सोते हैं. कलकत्ता स्लीप सोसाइटी के विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनिया में 60 से 70 फीसदी किशोर पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं. दरअसल, आज छात्रों पर अभिभावकों व शिक्षकों का अनुशासन कम ही चलता है. मां-बाप के टोकने पर वे दलील देते हैं कि ऑन लाइन पढ़ाई चल रही है. कोरोना संकट ने देश-दुनिया में ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प तो दिया, लेकिन तमाम तरह की विसंगतियां व विकृतियां भी किशोरों के जीवन में भर दी हैं. एक चौंकाने वाला आंकड़ा बताता है कि देश में सत्तर करोड़ भारतीय छह घंटे की नींद नहीं ले पाते. वहीं 46 प्रतिशत भारतीय छह घंटे से कम की नींद ले पाते हैं. लेकिन सबसे बड़ा संकट युवाओं व किशोरों से जुड़ा है. वे देर रात तक ऑनलाइन गेमों से जुड़े रहते हैं. रात में जाने-अनजाने दोस्त उनके सहभागी बनते हैं. जो कालांतर एक नशे की लत का रूप ले लेता है. परिजनों की रोक-टोक उन्हें रास नहीं आती. कई घटनाओं में उनके आक्रामक व्यवहार के घातक परिणाम सामने आए हैं. यहां तक कि नजदीकी परिजनों की हत्या की घटनाएं भी हुई हैं. दरअसल, ऑनलाइन खेलों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे किशोरों के लिये नशा बन जाते हैं. रात का एकांत उन्हें रास आता है. जिसके चलते वे नींद की परवाह नहीं करते. वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया व ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर तमाम वर्जित व अश्लील सामग्री की रात्रि में भरमार रहती है. जिसकी चपेट में छोटे-बड़े लोग आ रहे हैं. युवा देर रात का एकांत तलाशते हैं ताकि परिजनों की अनुपस्थिति में वे मनमानी कर सकें. वे देर रात तक ऑनलाइन रहने में अपनी शान समझते हैं. यह भूल जाते हैं कि वास्तव में, वे अपनी सेहत से किस हद तक खिलवाड़ कर रहे हैं. चिकित्सा विशेषज्ञ चेतावनी देते रहे हैं अनिद्रा से उच्च रक्तचाप की समस्या पैदा हो रही है. जो कालांतर हाइपरटेंशन में बदल जाती है. दरअसल, शरीर की जैविक घड़ी के परिचालन में व्यवधान से शरीर नकारात्मक प्रतिक्रिया देता है. देर रात जागने और मोबाइल के नशे में किशोर असमय खाते-पीते हैं, जिससे उनमें मोटापे की समस्या भी घर कर रही है. यही वजह है कि अब किशोरों तक में डाइबिटीज की समस्या देखने में आ रही है. दरअसल, कुदरती सोने के समय का विकल्प देर रात या सुबह की नींद नहीं हो सकती है. यह संकट बड़ा है और अभिभावकों व शिक्षकों को किशोरों की देर रात जागने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये गंभीर प्रयास करने होंगे. अन्यथा देश को कालांतर अस्वस्थ युवा पीढ़ी का संत्रास झेलने को बाध्य होना पड़ेगा.

घातक हो सकती है मशीनों की निर्णायक भूमिका

– डॉ. शशांक द्विवेदी

हाल ही में ईरान पर हुए हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक युद्ध अब केवल हथियारों की ताकत से नहीं, बल्कि डेटा, एल्गोरिद्म और मशीनों की गति से भी लड़े जा रहे हैं. पिछले दिनों अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा ईरान पर किए गए हमलों में एआई की निर्णायक भूमिका सामने आई. रिपोर्टों के अनुसार, एआई आधारित 'मेवन स्मार्ट सिस्टम' ने रियल-टाइम में लाखों डेटा और निगरानी सूचनाओं का विश्लेषण कर संभावित लक्ष्यों की पहचान की. इस तकनीक की मदद से कुछ ही घंटों में सैकड़ों हमले किए गए और बड़ी संख्या में लोग मारे गए. न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, मेवन सिस्टम के विकास की शुरुआत 2017 में हुई थी. अमेरिकी रक्षा विभाग ने महसूस किया कि उनके पास ड्रोन फुटेज का इतना विशाल भंडार है कि उसे देखने के लिए पर्याप्त इंसान ही नहीं हैं. शुरुआत में, अमेरिकी सेना ने गूगल के साथ साझेदारी की. इसके विरोध में 3,000 से अधिक कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया. वर्ष 2018 में गूगल ने इस प्रोजेक्ट से हाथ खींच लिए. बाद में पेंटागन ने एंडुरल इंडस्ट्रीज और पालंटिर जैसी छोटी टेक कंपनियों पर दांव लगाया. पालंटिर टेक्नोलाजीज द्वारा तैयार किया गया मेवन स्मार्ट सिस्टम बेहद शक्तिशाली एआई एल्गोरिदम है, जिसने आधुनिक युद्ध के तौर-तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है. इसका मुख्य काम कंप्यूटर विजन का उपयोग करके युद्ध के मैदान की लाखों तस्वीरों और वीडियो फुटेज को स्कैन करना है. ड्रोन और सेटेलाइट से मिलने वाले अंतहीन वीडियो फुटेज को इंसान के लिए देख पाना और उसमें से खतरे को पहचानना नामुमकिन है. मेवन इसे सेकंडों में कर लेता है. यह सिस्टम भीड़ में से दुश्मन की गाड़ियों, हथियारों के डिपो और छिपे हुए ठिकानों को पहचान सकता है. यह शोर और सिग्नल के बीच अंतर कर सकता है, जिससे नागरिकों की मौत की संख्या कम करने और सटीक हमले करने में मदद मिलती है. पहले किसी लक्ष्य की पहचान करने, उसकी पुष्टि करने और उस पर हमला करने में कई घंटे या कभी-कभी कई दिन लग जाते थे. अब यही प्रक्रिया कुछ ही मिनटों या सेकंडों में पूरी हो सकती है. उपग्रह चित्र, ड्रोन कैमरे, संचार संकेत और खुफिया जानकारी-इन सबका विश्लेषण करने के लिए एआई एल्गोरिद्म का उपयोग किया जा रहा है. मशीनें विशाल डेटा का विश्लेषण कर संभावित लक्ष्यों की सूची तैयार करती हैं और सैन्य कमांडरों को तुरंत निर्णय लेने में मदद करती हैं. मेवन प्रणाली उपग्रह चित्रों, ड्रोन फुटेज, संचार अवरोधन और अन्य खुफिया स्रोतों से आने वाले विशाल डेटा का विश्लेषण करती है. इसके बाद यह संभावित लक्ष्यों की सूची तैयार कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर क्रमबद्ध करती है, जिससे सैन्य कमांडर तेजी से निर्णय ले सकते हैं. यही कारण है कि आधुनिक युद्ध में हमलों की गति और तीव्रता दोनों बढ़ गई हैं. ऐसी तकनीक ने युद्ध संचालन की गति को लगभग दोगुना कर दिया है. सवाल यह है कि जब एल्गोरिद्म यह तय करने लगें कि किसे निशाना बनाया जाए, तो मानव नैतिकता और जिम्मेदारी का स्थान क्या होगा? युद्ध का निर्णय केवल तकनीकी गणना का विषय नहीं हो सकता. हर लक्ष्य के पीछे मनुष्य का जीवन और समाज की संरचना जुड़ी होती है. विशेषज्ञों का मानना है कि एआई आधारित युद्ध प्रणाली में गलती की संभावना भी उतनी ही खतरनाक हो सकती है जितनी उसकी क्षमता. यदि किसी नागरिक क्षेत्र को गलती से सैन्य लक्ष्य मान लिया जाए, तो उसके परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं. कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन और नीति विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि एआई आधारित हथियारों में अंतिम निर्णय मनुष्य के हाथ में ही रहना चाहिए. इसे 'ह्यूमन-इन-द-लूप' सिद्धांत कहा जाता है. एआई, ड्रोन स्वार्म, स्वचालित हथियार और साइबर युद्ध-ये सब मिलकर भविष्य के युद्धों की नई तस्वीर बना रहे हैं. आने वाले वर्षों में युद्ध केवल जमीन, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं रहेगा; यह डेटा सेंटर, उपग्रह नेटवर्क और एल्गोरिद्म के स्तर पर भी लड़ा जाएगा. भारत के हाल के वर्षों में रक्षा तकनीक, ड्रोन और एआई अनुसंधान में तेजी दिखाई है, लेकिन वैश्विक प्रतिस्पर्धा को देखते हुए इस क्षेत्र में और अधिक निवेश और रणनीतिक सोच की आवश्यकता है. आत्मनिर्भर रक्षा तकनीक केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि भविष्य की वैश्विक शक्ति संरचना में अपनी भूमिका तय करने का भी माध्यम है. प्रश्न केवल तकनीक का नहीं, बल्कि मानवता का है. यदि युद्ध की गति मशीनों के हाथों में चली गई, तो क्या मानवीय विवेक पीछे छूट जाएगा? एआई युद्ध को तेज, सटीक और प्रभावी बना सकता है, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि हर बटन के पीछे अंततः एक मानव निर्णय होना चाहिए. युद्ध की सबसे बड़ी कीमत हमेशा इंसान ही चुकाता है-मशीनें नहीं. ***(लेखक विज्ञान विषयों के जानकार हैं.)***

मेंस्ट्रुअल लीव (मासिक धर्म अवकाश): सुप्रीम कोर्ट का फैसला और वैश्विक परिप्रेक्ष्य !

–सुनील कुमार महला

हाल ही में, यानी कि 13 मार्च 2026 को माननीय सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश में कामकाजी महिलाओं और छात्राओं के लिए पीरियड लीव (मासिक धर्म अवकाश) को अनिवार्य करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया. दरअसल,भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह बात कही है कि इस तरह की नीति को कानूनी रूप से अनिवार्य बनाने के कुछ नकारात्मक परिणाम भी हो सकते हैं. वास्तव में इस क्रम में अदालत ने यह स्पष्ट किया है कि यदि इस प्रकार का प्रावधान कानून के रूप में लागू किया गया, तो कई नियोक्ता महिलाओं को रोजगार देने से ही हिचक सकते हैं, जिससे उनके करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है. इस प्रकार सुप्रीम कोर्ट ने पेड पीरियड लीव को अनिवार्य बनाने की मांग वाली याचिका सुनने से ही इंकार कर दिया और इस मुद्दे पर व्यावहारिक चिंताओं को सामने रखा. यहां पाठकों को बताता चलूं कि सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में यह मांग की गई थी कि देशभर में कामकाजी महिलाओं और छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान होने वाली शारीरिक परेशानियों को देखते हुए हर महीने कुछ दिनों का अवकाश दिया जाए. याचिका में यह तर्क दिया गया कि गर्भावस्था के लिए तो अवकाश का प्रावधान किया गया है, लेकिन मासिक धर्म से जुड़ी तकलीफों के लिए कोई सार्वभौमिक व्यवस्था नहीं है. साथ ही, यह भी कहा गया कि कुछ राज्यों और कई निजी कंपनियों में महीने में दो दिन के 'पीरियड लीव' का प्रावधान किया गया है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट सभी राज्यों को ऐसे नियम बनाने का निर्देश दे. याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एम. आर. शमशाद ने यह भी बताया कि केरल सरकार ने स्कूलों में इस प्रकार की व्यवस्था लागू की है और देश की कई निजी कंपनियाँ भी स्वेच्छा से 'पेड पीरियड लीव' दे रही हैं.मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यदि कोई कंपनी अपनी इच्छा से पीरियड्स के दौरान छुट्टी दे रही है तो यह बहुत अच्छी बात है, लेकिन जैसे ही इसे कानून के रूप में सख्ती से लागू किया जाएगा, उसके दूसरे पहलुओं पर भी विचार करना होगा. अदालत ने आशंका व्यक्त की कि ऐसा प्रावधान अनिवार्य होने पर संभव है कि नियोक्ता महिलाओं को नौकरी देने से बचने लगें. इससे महिलाओं को सरकारी नौकरियों, न्यायपालिका या अन्य पेशों में अवसर मिलने में कठिनाई हो सकती है और उनका करियर प्रभावित हो सकता है. अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि कई बार ऐसी याचिकाएँ एक तरह का डर पैदा करती हैं और यह संदेश देती हैं कि जैसे मासिक धर्म महिलाओं के साथ होने वाली कोई नकारात्मक या असाधारण घटना है. इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने यह कहा है कि महिलाओं को इतना कमजोर नहीं समझना चाहिए. उन्होंने याचिकाकर्ता से कहा कि इस प्रकार की मांग कार्यस्थल पर महिलाओं के विकास और उनकी परिपक्वता को लेकर गलत मानसिकता भी पैदा कर सकती है. सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि याचिकाकर्ता पहले ही अपनी मांग महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के समक्ष रख चुके हैं, इसलिए सरकार सभी हितधारकों से चर्चा कर इस विषय पर कोई नीति बनाने पर विचार कर सकती है. अदालत ने संबंधित प्राधिकरणों को यह सुझाव दिया कि वे इस अभ्यावेदन पर विचार करें और विभिन्न पक्षों से परामर्श करके नीति का प्रारूप तैयार करें. जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने भी कहा कि विचार अच्छा हो सकता है, लेकिन नियोक्ताओं के पक्ष को भी ध्यान में रखना आवश्यक है, क्योंकि उन्हें पेड लीव देने की जिम्मेदारी भी उठानी पड़ेगी. वास्तव में, इस पूरे मुद्दे पर समाज और महिलाओं के बीच भी अलग-अलग मत सामने आए हैं. कई महिलाओं का मानना है कि उन्होंने दशकों के संघर्ष के बाद कार्यस्थल पर बराबरी का अधिकार प्राप्त किया है. ऐसे में विशेष अवकाश की अनिवार्यता उन्हें पुरुषों की तुलना में कमजोर या कम सक्षम दिखा सकती है. कॉर्पोरेट संस्कृति में अक्सर उपलब्धता को सफलता का पैमाना माना जाता है, इसलिए महीने में निश्चित छुट्टी लेने वाली महिला को महत्वपूर्ण परियोजनाओं या नेतृत्व की भूमिकाओं से बाहर रखा जा सकता है. कुछ महिलाओं का यह भी मानना है कि अनिवार्य पीरियड लीव के कारण कई संस्थान महिलाओं के बजाय पुरुषों को अधिक प्राथमिकता देने लगेंगे, जिससे कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी कम हो सकती है. उनका यह भी कहना है कि मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और इसे कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए. कई महिलाएँ सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय का स्वागत भी कर रही हैं.वहीं दूसरी ओर कुछ महिलाओं का यह मानना है कि इस विषय में एक संतुलित या मध्य मार्ग होना चाहिए. उनके अनुसार 'पीरियड लीव' को अनिवार्य बनाने के बजाय वर्क फ्रॉम होम या फ्लेक्सिबल वर्किंग आवर्स का विकल्प दिया जाना चाहिए. इससे महिला का काम भी प्रभावित नहीं होगा और उसे कार्यालय के तनावपूर्ण वातावरण से राहत भी मिल सकेगी. उनका यह भी मानना है कि इस प्रकार की व्यवस्था से महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और उनकी पेशेवर गरिमा भी बनी रहेगी. दरअसल कई महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान दर्द, ऐंठन, मतली और माइग्रेन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है. ऐसी स्थिति में लगातार काम करना उनके लिए मानसिक और शारीरिक रूप से अत्यंत कठिन हो सकता है. इसलिए कुछ महिलाओं का कहना है कि पीरियड लीव का उद्देश्य भले ही नेक और संवेदनशील है, लेकिन इसे लागू करने का तरीका ऐसा होना चाहिए, जिससे महिलाओं की व्यावसायिक गरिमा और नौकरी की सुरक्षा पर कोई आंच न आए.बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि विश्व के कई देशों में पीरियड लीव (मासिक धर्म अवकाश) को लेकर विभिन्न प्रकार के प्रावधान मौजूद हैं, हालांकि इसकी व्यवस्था हर देश में एक जैसी नहीं है. गौरतलब है कि कुछ देशों ने इसे श्रम कानून का हिस्सा बनाया है. जबकि कुछ स्थानों पर इसे कुछ कंपनियों या संस्थानों द्वारा अपनी इंटरनल पालिसी के रूप में लागू किया गया है.उदाहरण के लिए नाइके और भारत की कंपनी जौमेटो ने भी महिला कर्मचारियों के लिए पीरियड लीव की नीति लागू की है. यहां यदि हम देशों की बात करें तो जापान में वर्ष 1947 से ही महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान अवकाश लेने का अधिकार दिया गया है. यदि किसी महिला कर्मचारी को पीरियड के दौरान काम करने में कठिनाई होती है, तो वह छुट्टी ले सकती है, हालांकि यह छुट्टी वेतन सहित होगी या नहीं, यह कंपनी की नीति पर निर्भर करता है. इसी प्रकार दक्षिण कोरिया में महिला कर्मचारियों को हर महीने एक दिन की मेंस्ट्रुअल लीव का अधिकार प्राप्त है. उपलब्ध जानकारी के अनुसार इंडोनेशिया के श्रम कानून में भी महिलाओं को मासिक धर्म के पहले दो दिनों में अवकाश लेने की अनुमति दी गई है. इतना ही नहीं, अफ्रीकी देश जांबिया में 'मदर्स डे लीव' के नाम से हर महीने एक दिन की पीरियड लीव दी जाती है, जिसके लिए चिकित्सकीय प्रमाणपत्र की आवश्यकता भी नहीं होती. हाल के वर्षों में स्पेन ने भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वर्ष 2023 में 'पेड पीरियड लीव' को कानूनी मान्यता प्रदान की, जिससे गंभीर मासिक धर्म पीड़ा से पीड़ित महिलाएं चिकित्सकीय सलाह के आधार पर अवकाश ले सकती हैं. बहरहाल, यहां कहना ग़लत नहीं होगा कि इस प्रकार से वैश्विक स्तर पर पीरियड लीव को लेकर एकरूपता नहीं है, लेकिन मासिक धर्म से जुड़ी स्वास्थ्य और गरिमा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न देशों और संस्थानों में इसके प्रति जागरूकता और नीतिगत पहल लगातार बढ़ रही है. अंत में यहां पर निष्कर्ष के तौर पर यही कहना चाहूंगा कि 'पीरियड लीव' का मुद्दा केवल अवकाश देने या न देने का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह कार्यस्थल पर समानता, संवेदनशीलता और व्यावहारिकता के बीच संतुलन खोजने का विषय है. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए यह संकेत दिया गया है कि किसी भी नीति को लागू करते समय उसके दूरगामी सामाजिक और आर्थिक प्रभावों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है. अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि महिलाओं को कमजोर मानकर विशेष प्रावधान बनाने के बजाय ऐसे समाधान तलाशे जाने चाहिए जो उनकी गरिमा, अवसरों की समानता और पेशेवर विकास को प्रभावित न करें.इस संदर्भ में कई महिलाओं की राय है कि अनिवार्य पीरियड लीव के बजाय फ्लेक्सिबल वर्किंग आवर्स या वर्क फ्रॉम होम जैसे विकल्प अधिक व्यावहारिक हो सकते हैं. इससे एक ओर महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान होने वाली शारीरिक असुविधा से कुछ राहत मिल सकती है, वहीं दूसरी ओर उनके करियर, आत्मविश्वास और पेशेवर अवसरों पर भी कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा. इसलिए आज के समय में आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, संस्थान और समाज मिलकर ऐसा संतुलित और संवेदनशील मॉडल विकसित करें, जो महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और कार्यस्थल पर समान अवसर-तीनों को साथ लेकर आगे बढ़े. ***(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)***

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

16 मार्च

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 16 मार्च है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह केतु है. इस माह का अधिपति ग्रह वृहस्पति है. आपके ऊपर वृहस्पति एवं केतु ग्रह का प्रभाव आजीवन रहेगा. जीवन संघर्षशील रहेगा. भावुक प्रकृति के संकोची व शांतिप्रिय व्यक्ति होंगे. सुख-दुख, लाभ-हानि जीवन में जुड़ा रहेगा. अध्यायवसाय की ओर आपका रुझान अधिक रहेगा. जहाँ भी रहेंगे वहाँ का वातावरण अपने अनुकूल बना लेंगे. किसी भी कार्य को विशेष तरीके से करने की कोशिश करेंगे. दूसरों के मन की बात सहज ही जान लेंगे. जीवन से कभी संतुष्ट नहीं होंगे यही असन्तुष्टि आपको कार्यशील रखेगी. इच्छा शक्ति दृढ़ होगी. स्थान-परिवर्तन के अवसर जीवन में कई बार आयेंगे. जो व्यक्ति एक बार मिल लेगा वह कभी भूल नहीं पायेगा. आमोद-प्रमोद में व्यर्थ का समय नष्ट करेंगे. अतीन्द्रिय ज्ञान की क्षमता होगी. जीवन में कठिनाई की स्थिति में अपने देवकक्ष में नियमित रूप से घी का दीपक अवश्य जलावें. अपने दैनिक जीवन में पीला रंग का प्रयोग अधिकतम करें. रविवार के दिन कुत्ते को पायस या सफेद मिठाई खिलावें. अपने हित के लिए असत्य बात का सहारा न लेवें. चमड़े की वस्तु का प्रयोग न करें. परोपकार अवश्य करें. सुख-समृद्धि के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ कें केतवें नम:	मास	:	जनवरी, मार्च एवं अगस्त
व्रत	:	मंगलवार	वर्ष	:	7, 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70
दिन	:	रविवार, सोमवार एवं बुधवार	रंग	:	गुलाबी एवं पीला
दिनांक	:	7, 16, 25	जन्मरत्न	:	लहसुनिया
उपरत्न	:	लाजवर्त	अंक	:	1, 2, 7
जड़ी	:	असगंध की जड़	दिशा	:	वायव्य

यंत्र

14	9	16
15	13	11
10	17	12

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 21 जून से 25 जुलाई

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : बुद्धि विवेक से संकल्प सिद्धि, मनोभिलाषित योजनाओं में सफलता, पत्नी का स्वास्थ्य सुधार पर, प्रियजनो से वांछित सहयोग, संभावित यात्रा संतोषजनक.

वृषभ : आरोग्य सुख, व्यापार में विस्तार, किसी के माध्यम से बकाए धन की प्राप्ति, निजी जिन्दगी में सुख सुविधा के जरूरी साधन सुलभ, आपनी सौहार्द मन प्रसन्न.

मिथुन: आज सायं 6/15 बजे तक निराशाजनक, प्रगति का प्रयास असफल, लाभ में कमी, मन उदास, शेष समय में बुद्धि चातुर्य से कार्य सिद्धि, शत्रु परास्त, मित्रों से विचार विमर्श.

कर्क : आज सायं 6/15 बजे तक समय भाग्य के पक्ष में, सद्विचारों का उदय, पुराने विवाद का समापन, यात्रा भी, शेष समय में कठिनाइयाँ प्रभावी, कार्य की अधिकता.

सिंह : योजना को कार्यान्वित करने का सुयोग, स्वास्थ्य में सुधार, आकस्मिक लाभ, किसी के माध्यम से महत्वपूर्ण उपलब्धि, मौजमस्ती के निमित्त अधिक व्यय.

कन्या: आरोग्य सुख, व्यापारिक उन्नति, श्रेष्ठजनों से सम्पर्क, नौकरी में स्थानान्तरण का मसला हल, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ, परिणय के क्षेत्र में अनुकूलता.

तुला: आज सायं 6/15 बजे तक कठिनाइयों से परेशानी, दूसरों के चक्कर में स्वयं की हानि, शेष समय बेहतर, प्रगति हेतु विचार विमर्श, गलत फहमियाँ दूर, लाभ भी.

वृश्चिक : आज सायं 6/15 बजे तक गृहयोग पक्ष में, कार्य क्षमता में वृद्धि, वाहन से सुख, शेष समय में निराशा, दैनिक कार्यों के प्रति उदासीनता, यात्रा में असंतोष.

धनु : कार्य व्यवसाय अर्थ पक्ष में प्रगति का सुअवसर, वैवाहिक सम्बन्धों में सुधार, स्वजनों से अपेक्षित सहयोग, पठन-पाठन में अभिरुचि, सद्विचारों का उदय.

मकर: योजना साकार करने की दिशा में प्रयास, व्यक्तिगत समस्या का समाधान, जिम्मेदारियों को निभाने हेतु व्यय, दूसरों के आश्वासनों से मानसिक राहत, लाभ.

कुम्भ: आज सायं 6/15 बजे तक समय अशुभ बहु प्रतिक्षित योजना अधूरी, प्रियजनों से अनबन, शेष समय भाग्य के पक्ष में, कार्य सिद्धि का सुयोग, आय के नवीन स्रोत.

मीन: आज सायं 6/15 बजे तक दिनमान अनुकूल, शारीरिक सुख, पारस्परिक संबंधों में प्रगाढ़ता, शेष समय में लेन-देन में जोखिम से हानि, घरेलु सुख में दिक्कतें.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक :
लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उचारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

दो - हुआ न होइब योगी ऐहि सम बाल कपाल असि परी रेख ।
नाम कपिल भल होइब इँह कहहिं ऋषि जन नक्षत्र देख ।।5।।

व्याख्या - ऋषि लोग नक्षत्रों का विचार कर कहने लगे कि इस बालक के समान योगी न तो कोई हुआ है और न होगा । क्योंकि बालक के कपाल पर ऐसी रेखा है । अत: इस बालक का नाम ' कपिल ' अच्छा होगा ।

आनंद का आनंद इसी संसार में

–हृदयनारायण दीक्षित

वैज्ञानिक खोजों ने मानव संहार के अनेक उपकरण बनाए हैं. मध्य पूर्व में युद्ध जारी है. मानवता बारूद के ढेर पर है. विज्ञान निर्मम है. उसका लोकमंगल से कोई लेना-देना नहीं है. वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले धर्महीन समाज विश्व के अस्तित्व के लिए खतरा हैं. हिन्दू धर्म की दृष्टि में पूरी पृथ्वी एक परिवार है. इस परिवार में केवल मानव समाज का हित चिंतन ही नहीं है. वैदिक चिंतन में सभी जीव, पशु, पक्षी, कीट-पतिंग भी हमारे परिजन हैं. वनस्पतियां औषधियां भी उपास्य हैं. विज्ञान में ऐसी प्रीतिपूर्ण दृष्टि नहीं है. विज्ञान सिर्फ सत्य तथ्य देता है. सत्य तथ्य शिरोधार्य है. लेकिन सत्य का शिव और सुंदर होना भी जरूरी है. वैदिक दर्शन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण है. लोकमंगल का उद्देश्य है और विश्व को सुंदर बनाने की अभिलाषा है. इन सबका सार हिन्दुत्व है. कोई अंधविश्वास नहीं. कोई जबरदस्ती नहीं. असहमत के प्रति भी आदर भाव है. हिन्दुत्व में प्रेय श्रेय साथ-साथ हैं. विज्ञान और लोक मंगल भी परस्पर प्रीति में हैं. डॉ. राधाकृष्णन ने कहा है वैज्ञानिक हमें ऐसे विभिन्न ढंग बताते हैं जिनसे पृथ्वी नष्ट हो सकती है. यह कभी सुदूर भविष्य में चन्द्रमा के बहुत निकट आ पहुंचने से या सूर्य के ठंडा पड़ जाने से नष्ट हो सकती है. कोई पुच्छल तारा पृथ्वी से टकरा सकता है. धरती से ही कोई जहरीली गैस निकल सकती है. परन्तु यह सब बहुत दूर की सम्भावनाएं हैं; जबकि अधिक सम्भावना इस बात की है कि मानव-जाति स्वयं जान-बूझकर किए गए कार्यों से और अपनी मूर्खता और स्वार्थ के कारण, जो मानव-स्वभाव में मजबूती से जमे हुए हैं, नष्ट हो सकती है. यह बड़ी करुणाजनक बात है कि ऐसे संसार में जो हम सबके आनंद लेने के लिए है और जो हम यदि आजकल युद्ध यन्त्रजात को पूर्णता तक पहुंचने में लगाई जा रही ऊर्जाओं के केवल थोड़े-से हिस्से का ही इसके लिए उपयोग करें तो इसे आनंदमय बनाया जा सकता है. हिन्दुत्व भारत की प्रकृति है और संस्कृति भी. यह भारत के लोगों की जीवनशैली है. इस जीवन शैली में सभी विश्वासों के प्रति आदर भाव है. लेकिन भारतीय राजनीति के आख्यान में हिन्दुत्व के अनेक चेहरे हैं. उग्र हिन्दुत्व, मुलायम (साफ्ट) हिन्दुत्व, साम्प्रदायिक हिन्दुत्व आदि अनेक विशेषण मूल हिन्दुत्व पर आक्रामक हैं. अंग्रेजी भाषान्तर में हिन्दुत्व को हिन्दुइज्म कहा जाता है. इज्म विचार होता है. विचार 'वाद' होता है. वाद का प्रतिवाद भी एक विचार होता है. पूंजीवाद-कैप्टलिज्म है. समाजवाद- सोशलिज्म है. इसी तरह कम्युनिज्म है. अंग्रेजी का हिन्दुइज्म भी हिन्दूवाद का अर्थ देता है लेकिन हिन्दुत्व हिन्दूवाद नहीं है. हिन्दुत्व समग्र मानवीय अनुभूति है. वीर होना वीरवाद नहीं होता, वीर होने का भाव वीरता है. दयावान होना दयावाद नहीं दयालुता है. हिन्दू होना हिन्दुता या हिन्दुत्व है. कुछ विद्वान हिन्दू को मुसलमानों द्वारा दिया गया शब्द मानते रहे हैं लेकिन यह सही नहीं है. हिन्दू शब्द का प्राचीनतम उल्लेख 'अवेस्ता' में है और अवेस्ता इस्लाम से सैकड़ों वर्ष पुराना है. डेरियस (522-486 ई0पू0) के शिलालेख में भी हिन्दू शब्द का उल्लेख है. हिन्दू शब्द विशेष संस्कृति वाले जनसमूह का घोतक है. डॉ. राधाकृष्णन ने वाराणसी हिन्दू विश्वविद्यालय व कलकत्ता (कोलकाता) विश्वविद्यालय में हिन्दू तत्व पर 1942 में भाषण दिए थे. उन्होंने 'धार्मिक आदर्शो की दृष्टि से समाज के पुनर्गठन' पर कलकत्ता (कोलकाता) विश्वविद्यालय में कहा कि भारतीय जीवन और विचार के किसी पहलू पर तुलनात्मक दृष्टि से विवेचन एक विस्तृत विषय है. जीवन मूल्यों से समाज के आदर्श व सांस्कृतिक व्यवहार प्रभावित होते हैं और सभ्यता की उम्र भी. भारतीय राष्ट्रजीवन की सांस्कृतिक निरंतरता स्वयं सिद्ध है. और प्राचीनता का मूल कारण विचारणीय है. डॉ. राधाकृष्णन ने औरंगजेब द्वारा अपने अध्यापक मुल्ला साहब को लिखे पत्र का सुंदर उदाहरण दिया है ''तुमने मेरे पिता शाहजहां से कहा था कि तुम मुझे दर्शन पढ़ाओगे. यह ठीक है, मुझे भली-भांति याद है कि तुमने अनेक वर्षों तक मुझे वस्तुओं के सम्बन्ध में ऐसे अनेक अव्यक्त प्रश्न समझाए, जिनसे मन को कोई संतोष नहीं होता और जिनका मानव समाज के लिए कोई उपयोग नहीं है. ऐसी थोथी धारणाएं और खाली कल्पनाएं, जिनकी केवल यह विशेषता थी कि उन्हें समझ पाना बहुत कठिन था और भूल पाना बहुत सरल था. क्या तुमने कभी मुझे यह सिखाने की चेष्टा की कि शहर पर घेरा कैसे डाला जाता है या सेना को किस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है?'' औरंगजेब के जीवन का आदर्श युद्ध है. युद्ध मानवीय मूल्य रहित हिंसा है. डॉ. राधाकृष्णन के अनुसार 'तत्कालीन विश्व का संकट यही है कि वह सैनिक व्यवस्था के विषय में सबकुछ जानता है और जीवन मूल्यों के दर्शन व धर्म के केन्द्रीभूत प्रश्नों के सम्बन्ध में बहुत कम जानता है. भारतीय संस्कृति में मनुष्य की महिमा है. आनंदमय जीवन की अभिलाषा है. इस अभिलाषा को पूरा करने की आचार संहिता है. यह संहिता हिन्दू धर्म है. इस आचार संहिता में हिंसा का कोई स्थान नहीं है. गांधीजी अहिंसा को उत्कृष्ट जीवन मूल्य बताते थे. इस आदर्श का प्रेरणा केन्द्र हिन्दुत्व है. संप्रति दुनिया में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आंधी है. भारत में यह सेकुलरवाद के रास्ते हिन्दू धर्म को भी कालवाह्य घोषित करने पर आमादा है. अन्य पंथ रिलीजन अपनी कट्टरता के चलते वैज्ञानिक दृष्टिकोण को श्रेष्ठ नहीं मानते. वैज्ञानिक दृष्टिकोण अनुचित नहीं है. वैज्ञानिकों ने प्रकृति के तमाम रहस्यों को उघाड़ने का काम किया है. अंधविश्वासी मतों, पंथों को भी चुनौती मिली है. विज्ञान सत्य की खोज करता है. समाज ऐसी खोजों का उपयोग करता है. समाज इनका दुरूपयोग भी करता है. विश्व में पंथिक मजहबी मान्यताओं को लेकर तमाम युद्ध हुए हैं. हिन्दू दर्शन भी सत्य का शोध करता है. दर्शन का उद्देश्य केवल सत्य का निर्वचन करना ही नहीं है. इसका ध्येय मनुष्य का दुख दूर करना है. हिन्दू धर्म का उद्देश्य दुख का निवारण और आनंद की प्राप्ति है. समाज में आनंद का आपूरण विज्ञान का लक्ष्य नहीं है. विज्ञान के गले में लोकमंगल की घंटी डालने की आवश्यकता है. यह कार्य हिन्दुत्व के रास्ते अधिक संभव है. हिन्दुत्व लोकमंगल का पर्याय है. भारत का जीवन ध्येय आनंद है. केवल वैयक्तिक आनंद नहीं; सामाजिक सामूहिक आनंद भी. विवेकानंद ने कहा है, ''सभी देशों के निचले स्तर के मनुष्य इन्द्रियों के आनंद में उत्साह दिखाते हैं. किन्तु जो सच्चे अर्थों में शिक्षित और सुसंस्कृत हैं, उनके आनंद का आधार विचार और कला होती है. दर्शन और विज्ञान होता है.'' सुख और आनंद के अनेक मानसिक व बौद्धिक तल होते हैं. इन्द्रिय भोग का सुख निम्न तल है. ज्ञान का सुख आनंद उच्च तल पर है. कला का आनंद गहरा है लेकिन अनुभूति दर्शन का आनंद बहुत गहरा है. उपनिषद् दर्शन में आनंद की गहन अनुभूति है. तैत्तिरीय उपनिषद् में आनंद की व्याख्या है. शुरुआत में कहते हैं, ''सैषा आनंदस्य मीमांसा भवति-अब उस आनंद की मीमांसा करते हैं.'' बताते हैं, ''मनुष्य युवा हो, श्रेष्ठ आचरण वाला हो. अध्ययनशील हो. संपूर्ण अंग बल युक्त हो. स्वस्थ हो. धन सम्पदा से युक्त हो तो इस लोक में आनंद है.'' यहां आनंद के सभी उपकरण प्रत्यक्ष हैं. भौतिक हैं. संसारी हैं. कोई अंध आस्था नहीं. भाववाद नहीं. आनंद की प्राप्ति का स्थान भी यही लोक है. आनंद का आनंद इसी संसार में है. ***(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं)***

न्यूज कॉर्नर

कोंचेस्वरनाथ एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट का हुआ भव्य उद्घाटन

युवा शक्ति न्यूज
गया: जिले के कोंच प्रखंड स्थित कोंचेस्वरनाथ एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट का भव्य उद्घाटन शुक्रवार को पूर्व आईटी मंत्री डॉ. अनिल कुमार के द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं कार्यालय का फीता काटकर किया गया.इस अवसर पर ट्रस्ट के कार्यों का विधिवत शुभारंभ हुआ.कार्यक्रम के दौरान प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया तथा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र को लैपटॉप देकर प्रोत्साहित भी किया गया.इस मौके पर विनीत कुमार, अरुण कुमार, प्रीति कुमारी, रिंकू कुमारी, डॉ. शालिनी कुमारी, श्रवण, राजीव, विकास कुमार, कौशलेंद्र सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे. कार्यक्रम को लेकर लोगों में काफी उत्साह और खुशी देखने को मिली.सभी ने ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सामाजिक और शैक्षणिक कार्यों की सराहना की.

बिहार में मुजफ्फरपुर शहर से सीवान का कुख्यात अयूब खान गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर: बिहार के सिवान के चर्चित 'खान ब्रदर्स' गिरोह के मुख्य सरगना और कुख्यात अपराधी अयूब खान को पुलिस ने मुजफ्फरपुर जिले के मिठनपुरा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है. यह कार्रवाई सीवान से आई विशेष पुलिस टीम और मुजफ्फरपुर पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन के तहत की गई. जानकारी के अनुसार, अयूब खान मुजफ्फरपुर के मिठनपुरा स्थित अपने एक आवास में छिपा हुआ था. सीवान पुलिस को उसके यहां होने की गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद एक विशेष टीम का गठन किया गया. टीम ने मुजफ्फरपुर पुलिस के साथ समन्वय स्थापित किया और मिठनपुरा इलाके में घेराबंदी कर उसे धर दबोचा. मुजफ्फरपुर के सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने रविवार शाम गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि सीवान पुलिस द्वारा यह विशेष छापेमारी की गई थी, जिसमें मुजफ्फरपुर पुलिस ने आवश्यक सहयोग प्रदान किया. उन्होंने कहा कि दोनों जिलों की पुलिस के बेहतर समन्वय के कारण इस कुख्यात अपराधी को पकड़ने में सफलता मिली है. अयूब खान पर सीवान समेत बिहार के कई जिलों में हत्या, रंगदारी, अपहरण और लूट जैसे दर्जनों संगीन मामले दर्ज हैं. वह लंबे समय से पुलिस की रडार पर था और उसकी गिरफ्तारी को पुलिस प्रशासन के लिए एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है. फिलहाल पुलिस उससे गुप्त स्थान पर पूछताछ कर रही है, जिससे गिरोह के अन्य सदस्यों और आगामी साजिशों का खुलासा होने की उम्मीद है. इस गिरफ्तारी के बाद सिवान और आसपास के इलाकों में हड़कंप मचा हुआ है.

पूरक सूची जारी होने से पहले चुनाव की घोषणा चुनाव लड़ने के अधिकार का हनन : माकपा

सूरी (पश्चिम बंगाल): मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने रविवार को पश्चिम बंगाल में न्यायिक अधिकारियों द्वारा सही पाए गए मतदाताओं की पूरक सूची प्रकाशित किए बिना ही चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करने के लिए निर्वाचन आयोग की आलोचना की. पार्टी ने उन लोगों के चुनाव लड़ने और मतदान के अधिकारों में कटौती किए जाने पर भी सवाल उठाए, जो वर्तमान में आयोग की जांच के दायरे में हैं. पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई के सचिव मोहम्मद सलीम ने जिला मुख्यालय बीरभूम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा और तृणमूल की राजनीतिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए राज्य में लाखों मतदाताओं को मतदाता सूची में उनकी वैधता पर संदेह के आधार पर अवैध रूप से निलंबित रखा गया है. सलीम ने तर्क दिया, संविधान देश के नागरिकों को चुनाव लड़ने का अधिकार देता है. आयोग की संदिग्ध मतदाता सूची में अभी भी 60 लाख से अधिक लोग शामिल हैं, ऐसे में वे नामांकन पत्र दाखिल करने का अवसर खो देंगे, भले ही उनका नाम बाद में प्रकाशित होने वाली पूरक सूची में ही क्यों न आ जाए. नामांकन फॉर्म के लिए मतदाता सूची के भाग और क्रम संख्या के रूप में अपने मतदाता विवरण देना अनिवार्य है, जो वे नहीं कर पाएंगे. सलीम ने कहा, जब निर्वाचन आयोग त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार नहीं कर सकता, तो आप उससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं?

चुनाव घोषणा के साथ ही आचार संहिता लागू, हुगली में एक नया बूथ बढ़ा

हुगली: विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही जिले में चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है. यह जानकारी हुगली के जिला मजिस्ट्रेट खुर्शीद अली कादरी ने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में दी. उन्होंने बताया कि हुगली जिले में एक नया मतदान केंद्र जोड़ा गया है, जो चंदननगर के एक आवासीय परिसर में बनाया जाएगा. इसके साथ ही जिले में कुल मतदान केंद्रों की संख्या बढ़कर हजार 238 हो गई है. इनमें एक हजार 61 महिला संचालित बूथ और 345 मॉडल बूथ होंगे. जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि चुनाव के दौरान फ्लाइंग स्क्वाड पर विशेष जोर रहेगा. यदि किसी मतदाता को पैसे देकर या किसी अन्य तरीके से प्रभावित करने की कोशिश की गई तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. साथ ही नाका चेकिंग के जरिए अवैध हथियारों की धरपकड़ की जाएगी और लाइसेंसधारी हथियारों को जमा करना अनिवार्य होगा. उन्होंने बताया कि हुगली जिले में फिलहाल कुल 44 लाख 40 हजार 293 मतदाता हैं. इनमें 22 लाख 36 हजार 413 पुरुष, 22 लाख तीन हजार 787 महिलाएं और 93 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं. जिले में 100 वर्ष से अधिक आयु के 103 मतदाता हैं, जबकि 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 26 हजार 665 है. जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की जाएगी और केंद्रीय बलों की तैनाती भी होगी. जिन मतदान केंद्रों पर पहले गड़बड़ी की घटनाएं हुई हैं, वहां अतिरिक्त निगरानी रखी जाएगी. उन्होंने बताया कि सभी बूथों पर पहले ही सुरक्षा बलों द्वारा फ्लैग मार्च किया जा चुका है. इसके अलावा, जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए थे और जिन्होंने फॉर्म-6 के जरिए आवेदन किया है, उनकी सुनवाई भी शुरू की जाएगी. लंबित या विवादित मतदाताओं के भविष्य को लेकर पूछे गए सवाल पर जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि इस संबंध में अंतिम फैसला न्यायिक प्रक्रिया के तहत किया जाएगा.

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने दो परीक्षार्थियों की जान ली, गयाजी आए थे परीक्षा देने

गया जी: शहर के स्टेशन रोड स्थित बाटा मोड़ शनि मंदिर के पास रविवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो छात्रों की मौत हो गई.एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे चल रहे दोनों छात्रों को कुचलते हुए निकल गया.टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया.घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई.आसपास के लोग तुरंत घटनास्थल पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी गई.सूचना मिलते ही कोतवाली थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया.पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है, जबकि चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है.पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है.मामले को लेकर कोतवाली थाना की पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है.प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों छात्र कोर्ट कर्मचारी की परीक्षा देने के लिए गया आए थे.परीक्षा समाप्त होने के बाद वे स्टेशन रोड इलाके में जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया.हादसे में मृत छात्रों की पहचान भोजपुर जिले के आशुतोष कुमार और मुजफ्फरपुर जिले के रमेश कुमार के रूप में हुई है.दोनों युवकों की मौत की खबर मिलते ही उनके परिजनों में कोहराम मच गया.घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने स्टेशन रोड पर सड़क जाम कर दिया और जमकर हंगामा किया.लोगों का आरोप है कि शहर में बालू लदे ट्रैक्टर और भारी वाहनों की तेज रफ्तार के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन इस पर सख्ती नहीं कर रहा है.काफी देर तक सड़क जाम रहने से यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा.बाद में पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया और स्थिति को सामान्य कराया.इस घटना के संबंध में एक स्थानीय दुकानदार ने बताया कि सुबह जब वह अपनी दुकान के पास पहुंचे, तभी तेज रफ्तार से आ रहा बालू लदा ट्रैक्टर अचानक दो युवकों को कुचलता हुए उनके ठेले में भी जोरदार टक्कर मार गया.

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में हिंदुत्व के बड़े ब्रांड व यूपी के मुख्यमंत्री योगी निभाएंगे महत्वपूर्ण भूमिका

लखनऊ: भारत निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरलम और पुदुचेरी राज्यों के विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी है. इन चुनाव में राज्यों के मतदाताओं को भाजपा की ओर आकर्षित करने में हिंदुत्व के बड़े ब्रांड बन चुके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं. इससे पहले मुख्यमंत्री योगी की बिहार विधानसभा चुनाव में दर्जनों सभाएं के सकारात्मक परिणाम सामने आ चुके हैं.

गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ भाजपा के लिए हमेशा महत्वपूर्ण चेहरा रहे हैं, लेकिन वर्तमान में सफल मुख्यमंत्री के रूप में उनकी सख्त और अनुशासित प्रशासक के रूप में छवि बनी है. उनके नेतृत्व में विदेश की धरती से उप्र में अरबों का निवेश, कई नए मेडिकल कॉलेज, मेट्रो और कई एयरपोर्ट व यूनिवर्सिटीज की स्थापना जैसे विकास कार्यों के अलावा लव जिहाद के खिलाफ कानून और दंगाइयों की संपत्ति कुर्क कर सरकारी क्षति की वसूली जैसे फैसले देशभर में उदाहरण के रूप में लिए जाते हैं. यही वजह है कि चुनावों में मुख्यमंत्री योगी की मांग स्टार प्रचारक के रूप में जरूर होती है.

हाल की अपनी जापान और सिंगापुर विदेश यात्रा से अरबों का निवेश लाकर उत्तर प्रदेश को उत्सव प्रदेश बनाने वाले योगी आदित्यनाथ की चुनावी रैलियों में भारी भीड़ उमड़ती है. रैली में मोदी-मोदी के बाद योगी-योगी के नारे खूब लगते हैं. हाल ही में हुए बिहार के चुनाव में उनकी रैलियों में अच्छा खासा जनसमर्थन दिखा था. इससे पहले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी मुंबई से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभाओं ने

महाराष्ट्र में 'बंटेंगे तो कटेंगे' के साथ किया था आक्रामक प्रचार

बिहार विधानसभा चुनाव में भी दिखा चुके हैं सकारात्मक परिणाम

मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित किया. योगी के बंटोगे तो कटोगे के नारे ने तो कांग्रेस और एनसीपी (शरद) की चुनावी गणित फेल कर दी और परिणामस्वरूप महाराष्ट्र में फिर से कमल खिला.

हिंदुत्व के बड़े ब्रांड बन चुके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभाओं ने दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश में भी सकारात्मक परिणाम दिखे थे. मतदाताओं के बीच मुख्यमंत्री योगी का स्पष्ट और बेबाक अंदाज सनातनी हिंदू को अंदर तक प्रभावित करता है. उनके बयानों में... मुगल आक्रांताओं ने देश को लूटा और बर्बाद किया..., उत्तर प्रदेश में अपराधियों को सीधे यमराज के पास पहुंचाया जा रहा है.... और कानून से खिलवाड़ किया तो बरेली वाले मौलाना से पूछ लेना.... आदि को जनता ने गंभीरता से लिया और समझा.

अब पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरलम, असम और पुदुचेरी राज्यों के विधानसभा चुनावों की घोषणा हो गयी है. इनमें पश्चिम बंगाल, केरलम और तमिलनाडु में भाजपा को पहले से बेहतर करने की चुनौती है. वहीं असम और पुदुचेरी में सम्मानजनक वापसी करना चाहती है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में भी पश्चिम बंगाल में खास प्रभाव है. तमिलनाडु में भी भाजपा ऐसी बिसात बिछा रही है कि वहां बड़ी ताकत बन कर दक्षिण भारत को फतेह करने के अपने दशकों पुराने संकल्प को पूरा करे. इसी प्रकार केरल और पुदुचेरी में भाजपा एनडीए के साथ अपनी दमदारी दिखाना चाह रही है. ऐसे चुनावी परिदृश्य में भाजपा के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सबसे बडे स्टार प्रचारक और चुनाव को जीत के मुहाने पर ले जाने की क्षमता वाले माने जाते हैं. यही कारण है कि मतदाताओं के बीच उनकी भारी मांग रहती है.

इस संबंध में लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष और प्रोफेसर संजय गुप्ता कहते हैं कि मुख्यमंत्री योगी का व्यक्तित्व अंदर व बाहर समान है, वे सत्य बोलते हैं और किसी का अहित नहीं करते हैं. वे सख्त फैसले लेने से पीछे नहीं हटते हैं. प्रोफेसर गुप्ता कहते हैं कि हम उप्र में पिछले पौने नौ साल से देख रहे हैं कि वे बिना किसी भेदभाव के सभी के लिए विकास के अनगिनत काम कर रहे हैं, उनकी कार्यशैली में, जो सही है सही और जो गलत है वो गलत है. यही कारण है कि देश के अन्य राज्यों के लोग योगीजी को सुनने के लिए लालायित रहते हैं. वे सिर्फ देश, समाज और धर्म के लिए लड़ रहे हैं, उनका एजेंडा देश हित और समाजहित है. वे सनातन संस्कृति के ध्वज वाहक हैं.

मुख्यमंत्री योगी के अलावा उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य अभी हाल ही में पश्चिम बंगाल का दौरा कर चुनावी प्रबंधन का जायजा लेकर लौटे हैं. ऐसे में इन दोनों राजनेताओं का भी पार्टी भरपूर उपयोग करने वाली है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री के अलावा भी कई ऐसे नेता हैं, जो अपने भाषणों से चुनावी सभाओं में मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने की क्षमता रखते हैं. ऐसे नेता भी पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम और पुदुचेरी आदि राज्यों के विधानसभा चुनावों में अपनी क्षमता दिखाएंगे .

उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता मनीष शुक्ला का कहना है कि निश्चिततौर पर मुख्यमंत्री योगी ने जिस प्रकार से उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य बनाया है, उससे पूरे देश में उनकी विशेष छवि है. वे जहां-जहां चुनावी सभाएं करते हैं, उसके सकारात्मक परिणाम दिखायी पड़ते हैं. बिहार हो या महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के परिणाम इसकी गवाही देते हैं. रहे हैं. मनीष ने दावा किया कि भाजपा असम के साथ ही पश्चिम बंगाल में बहुमत से सरकार बनाएगी जबकि तीन अन्य राज्यों भी बेहतर नतीजे आएंगे.

घोषणा के बाद ही झाड़ग्राम जिले की चार सीटों के चुनाव के लिए व्यवस्था ने कसी कमर

झाड़ग्राम: आगामी 23 अप्रैल को झाड़ग्राम जिले की चार विधानसभा सीटों पर पहले चरण में मतदान संपन्न कराया जाएगा. चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और चुनाव आयोग ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं. जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था, मतदान केंद्रों की तैयारी और मतदाताओं की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं. झाड़ग्राम जिला लंबे समय तक माओवादी गतिविधियों से प्रभावित रहा है. इसी कारण चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने के लिए जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है. प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार जिले में लगभग 150 कंपनियां केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी. इन बलों को विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों और मतदान केंद्रों पर तैनात किया जाएगा, ताकि मतदान प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके. जिले में कुल 1101 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक सेक्शन सुरक्षा बल की तैनाती की जाएगी. इसके अलावा जिले के 120 मतदान केंद्रों को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है, जहां सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जाएगा. इन बूथों पर अतिरिक्त निगरानी और गश्त की भी व्यवस्था की जाएगी. महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस बार जिले में 120 मतदान केंद्र ऐसे होंगे, जिन्हें पूरी तरह महिला कर्मियों द्वारा संचालित किया जाएगा. इन बूथों पर मतदान से जुड़ी सभी जिम्मेदारियां महिला कर्मचारियों द्वारा निभाई जाएंगी. मतदाताओं की संख्या के लिहाज से झाड़ग्राम जिले में कुल 9,07,301 मतदाता हैं. इनमें 4,50,590 महिला मतदाता और 4,56,705 पुरुष मतदाता शामिल हैं. प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी परेशानी के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके. वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भी विशेष व्यवस्था की गई है. जिले में 85 वर्ष या उससे अधिक आयु के 6,985 एवं 4591 दिव्यांग व्यक्ति मतदाताओं के लिए घर जाकर मतदान कराने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है. इसके तहत चुनाव कर्मियों की टीम उनके घर पहुंचकर मतदान की प्रक्रिया पूरी कराएगी, ताकि बुजुर्ग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक आने में कठिनाई न हो. झाड़ग्राम की जिला मजिस्ट्रेट आकांक्षा भास्कर ने बताया कि प्रशासन का मुख्य लक्ष्य जिले में शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करना है. उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सभी विभागों के साथ समन्वय बनाकर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. साथ ही उन्होंने जिले के मतदाताओं से अपील की कि वे निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें और लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी निभाएं.

एआई से बनी आपत्तिजनक फोटो वायरल करने का आरोपी गिरफ्तार

गया: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार और भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर की एआई तकनीक से बनाई गई आपत्तिजनक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की.यह घटना गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र से जुड़ी है, जहां फोटो को फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया गया था.सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और तकनीकी सेल ने जांच शुरू कर दी, जिसके बाद आरोपी की पहचान हुई.पुलिस ने फतेहपुर थाना के शब्दो गांव निवासी विकास कुमार यादव को गिरफ्तार किया है.आरोपी पर एआई टूल्स की मदद से निशांत कुमार और मैथिली ठाकुर की तस्वीरों को आपत्तिजनक रूप से संपादित करने और उन्हें वायरल करने का आरोप है.गिरफ्तारी छापेमारी के दौरान हुई, और फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि मामले की पूरी सच्चाई सामने आ सके.

राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात पहला कदम के लिए गौरवपूर्ण पल: अनीता अग्रवाल

धनबाद : पर्पल फेस्ट, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में 13 मार्च को धनबाद के दिव्यांग बच्चों के स्कूल पहला कदम की टीम को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. राष्ट्रपति को पहला कदम की सचिव अनीता अग्रवाल के साथ स्कूल के दिव्यांग बच्चे, कौशल अग्रवाल और अनुराग गुप्ता ने शांति, मानवता और सद्भाव का प्रतीक स्मृति-चिन्ह भेंट किया.इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस मुलाकात के पूर्व से दिव्यांगों बच्चों के समग्र शिक्षा व कल्याण के प्रति पहला कदम स्कूल के उल्लेखनीय कार्यों व प्रयासों से अवगत वह पहले भी मिल चुकी सचिव अनीता अग्रवाल को पहचानते हुए कहा की मैं आपको जानती हूँ, आपका दिव्यांग बच्चों के लिए कार्य बहुत महान है. भारत के दिव्यांगजनों की सेवा करते रहिए.अनीता अग्रवाल ने कहा हम सभी के लिए यह अत्यंत गर्व और प्रेरणा का क्षण रहा. जब हमारे देश कि राष्ट्रपति द्वारा हमारे कार्य को सराया गया,और यह बताते हुए कि आपका कार्य को मैंने कई वर्षों से देख रही हूं,यह हमारे लिए ही नहीं पूरे जिला के लिए एक गर्व का पल है,आप सबका साथ पहला कदम को हमेशा यूं ही मिलता रहे,की पहला कदम दिव्यांग बच्चों की सेवा में हमेशा यूं ही लग रहे.

बालुरघाट में महिला पर तेजाब से हमला, हाथ-पैर जल

बालूरघाट: काम से लौट रही एक विधवा पर कथित तौर पर तेजाब से हमला किया गया. यह भयावह घटना दक्षिण दिनाजपुर जिले के बालूरघाट कस्बे के पास रघुनाथपुर में घटी. शनिवार रात को जब वह टोटो रिक्शा से घर लौट रही थी, तब उस पर हमला हुआ. महिला के हाथ और पैर बुरी तरह जल गए हैं. उसे बालूरघाट जिला अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है.

पुलिस सूत्रों के अनुसार, महिला बालुरघाट जिला अस्पताल में अस्थायी कर्मचारी के रूप में काम करती है. उसके पति का हाल ही में बीमारी के कारण निधन हो गया. शनिवार रात काम के बाद वह घर लौट रही थी. आरोप है कि जैसे ही वह बीएम हाई स्कूल की दीवार के पास पहुंची, कुछ बदमाशों ने अचानक उस पर कोई तरल पदार्थ फेंक दिया. वह तरल पदार्थ उसके हाथों और पैरों पर गिरा. हालांकि पहले तो वह कुछ समझ नहीं पाई, लेकिन जैसे ही उसके

शरीर में जलन होने लगी, वह चीखने लगी.

महिला की चीखें सुनकर चालक ने टोटो रिक्शा रोक दिया. उसने देखा कि महिला के पैरों और हाथों से धुआँ निकल रहा था. ऑटो रिक्शा की यात्री सीटों से भी धुआँ निकल रहा था. उसे समझ आ गया कि किसी ने महिला पर तेजाब फेंका है. ऐसी स्थिति में, वह सबसे पहले महिला को अपने घर ले गया. वहाँ से पड़ोसियों ने उसे बालुरघाट जिला अस्पताल पहुँचाया. वह फिलहाल वहाँ के बर्न वार्ड में भर्ती है. उसके हाथ और पैर बुरी तरह जल गए हैं.

इस संबंध में पीड़िता की मां ने शिकायत की, परिवार की जमीन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था. मेरे दामाद की मृत्यु के बाद, संपत्ति को लेकर उनके ससुराल वालों से झगड़ा हुआ था. आज सुबह दो लड़के घर के आसपास घूम रहे थे. उन्होंने मेरी बेटी को धमकाया. हो सकता है कि इसके पीछे उसके ससुराल वालों का हाथ हो.

टोटो ड्राइवर ने कहा, महिला को घर ले जाते समय मुझे अपने सामने कोई नहीं दिखा. लेकिन, मुझे कुछ गिरने की आवाज़ सुनाई दी. मैंने तुरंत पूछा कि क्या हुआ? मैंने देखा कि महिला के हाथ-पैर गीले थे और उनमें से धुआँ निकल रहा था. मैं उसे उसी हालत में घर ले गया. फिर वहाँ से उसे अस्पताल ले गया. अब मैं भी डरा हुआ हूँ. उस रास्ते से यात्री को कैसे ले जाऊँगा! मैं बहुत घबराया हुआ हूँ. इस घटना के संबंध में दक्षिण दिनाजपुर जिले के पुलिस अधीक्षक चिनमोय मित्तल ने कहा, हमें शिकायत प्राप्त हुई है. पूरे मामले की जांच की जा रही है.

राज्यसभा चुनाव की पूर्व संध्या पर बिहार में राजनीतिक गतिविधियां तेज

पटना: बिहार में पांच राज्यसभा सीटों के चुनाव की पूर्व संध्या पर रविवार को जोरदार राजनीतिक गतिविधियां देखने को मिलीं. इस चुनाव में सत्तारूढ़ राजग को जहां एकतरफा जीत मिलने की उम्मीद है, वहीं, राजद ने अपने एकमात्र उम्मीदवार के पक्ष में समर्थन जुटाया. बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए सोमवार को चुनाव होगा. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) खेमे ने अपने विधायकों की कई बैठकें कीं. संसदीय कार्य मंत्री और जदयू नेता विजय कुमार चौधरी के आवास पर कम से कम दो ऐसी बैठकें की गईं. इन बैठकों में से एक में जदयू प्रमुख एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी उपस्थित थे. राज्यसभा चुनाव में नीतीश ही संभवतः ऐसे उम्मीदवार हैं जिनके सबसे अधिक सुर्खियां बटोरने की उम्मीद है. उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता सम्राट चौधरी के आवास पर एक और बैठक आयोजित की गई, जहां राजग विधायकों ने कथित तौर पर मतदान में इस्तेमाल होने वाले मतपत्रों की प्रतिकृतियों की मदद से वोट डालने का अभ्यास किया. केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) के विधायक और पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजू तिवारी ने विजय कुमार चौधरी के आवास पर बैठक से पहले मीडियाकर्मियों से कहा, राजग के सभी पांचों उम्मीदवार चुनाव जीतेंगे. राजग के तीन घटक दलों के राष्ट्रीय अध्यक्ष (जदयू के नीतीश कुमार, भाजपा के नितिन नबीन और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के उपेंद्र कुशवाहा) चुनाव मैदान में हैं. विपक्षी नेता जो भी दावा कर रहे हैं, हमें उससे कोई फर्क नहीं पड़ता. राजग के अन्य दो उम्मीदवारों में 'हैट्रिक' की उम्मीद लगा रहे जदयू से केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर और भाजपा के प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक शिवेश कुमार हैं. लोजपा (रामविलास) से संबंधित मंत्री संजय कुमार पासवान ने पत्रकारों से कहा, बेशक, हममें से कई लोग पहली बार विधायक बने हैं. उचित प्रशिक्षण की आवश्यकता है. राजद के विपरीत, जो अपने विधायकों को एकजुट रखने में असमर्थ है और जिसने अपने सभी विधायकों को शहर के एक होटल में बंद कर रखा है, हमें राजग के सभी पांच उम्मीदवारों की जीत का पूरा भरोसा है.

जदयू के विधान पार्षद और पार्टी प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, राजद विधायकों के परिजनों को संबंधित थाने में शिकायत दर्ज करानी चाहिए कि विधायक लापता हो गए हैं. चुनाव समाप्त होने के बाद, राज्य सरकार इस बात की भी जांच करेगी कि उस आलीशान होटल का बिल किसने चुकाया. हालांकि, राजद विधायक गौतम कृष्ण ने होटल से बाहर निकलते हुए पत्रकारों से कहा, आप देख सकते हैं कि अंदर किसी को भी बंद नहीं किया गया है. हम कल की रणनीति पर चर्चा करने के लिए होटल में एकत्रित हुए हैं, और सभी विधायकों को अपनी इच्छानुसार आने-जाने की स्वतंत्रता दी गई है. राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पास केवल 25 विधायक हैं. महागठबंधन के सहयोगियों के अलावा, जिनके पास दस अतिरिक्त वोट हैं, पार्टी को अमरेंद्र धारी सिंह की जीत के लिए कम से कम छह और विधायकों के समर्थन की आवश्यकता है, जो लगातार दूसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं. राजद को 'ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन' (एआईएमआईएम) के समर्थन को लेकर काफी भरोसा है, जिसके पांच विधायक हैं. राजद के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने दोनों दलों के बीच हालिया कटुता के मद्देनजर सद्भावना के तौर पर रविवार को एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान के आवास का दौरा किया. तेजस्वी से मुलाकात के बाद इमान ने पत्रकारों से कहा, पार्टी ने कल होने वाले राज्यसभा चुनाव में राजद नेता अमरेंद्र धारी सिंह का समर्थन करने का फैसला किया है. हम सभी (पांचों विधायक) कल सिंह की जीत सुनिश्चित करने के लिए उनके पक्ष में मतदान करेंगे. इमान के आवास का दौरा करने के बाद तेजस्वी ने पत्रकारों से कहा, सभी धर्मनिरपेक्ष दल एकजुट हैं.

पान मसाला लूट मामला में 6 बदमाश गिरफ्तार

गया: जिले की पुलिस ने मालवाहक गाड़ी लूटकांड का खुलासा किया है.इस मामले में छह बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है.पकड़े गए बदमाशों के पास से लूटी गई 105 कार्टन रजनीगंधा और तुलसी (पान मसाला) भी बरामद कर ली गई है.पुलिस ने दावा किया है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में लगातार छापेमारी जारी है. इस बात की जानकारी एसएसपी सुशील कुमार ने दी.पुलिस के अनुसार यह घटना 2 मार्च की है.एक चालक मालवाहक गाड़ी से पटना के जकरियापुर स्थित बीपीएस इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड से रजनीगंधा और तुलसी लेकर वजीरगंज की ओर जा रहा था.

आईआईएम बोधगया में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मार्केटिंग का आयोजन किया गया

युवा शक्ति न्यूज
बोधगया (गया): आईआईएम बोधगया में 14-15 मार्च 2026 को इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मार्केटिंग (आईसी एम 2.0) का आयोजन किया गया, जिसमें दुनिया भर से आए विद्वानों, शोधकर्ताओं और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया.उपभोक्ता अनुभव और मार्केटिंग रणनीतियों में एआई-आधारित परिवर्तन के विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा के उपभोक्ता अनुभव तथा मार्केटिंग रणनीतियों पर बढ़ते प्रभाव पर चर्चा की गई.इस दौरान यह भी रेखांकित किया गया कि मार्केटिंग अब पारंपरिक जनसंचार से आगे बढ़कर एआई और उन्नत डेटा विश्लेषण की मदद से अधिक व्यक्तिगत और पूर्वानुमान आधारित उपभोक्ता जुड़ाव की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है.सम्मेलन के स्वागत भाषण में आईआईएम बोधगया की निदेशक और सम्मेलन संरक्षक प्रो. विनिता एस. सहाय ने संस्थान के उस दृष्टिकोण को साझा किया, जिसके तहत प्रभावशाली शोध को बढ़ावा दिया जा रहा है और छात्रों को तकनीक और डेटा-केंद्रित अर्थव्यवस्था के लिए तैयार किया जा रहा है.उन्होंने बताया कि संस्थान में शिक्षण, शोध और संस्थागत प्रक्रियाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शामिल करने की पहल की जा रही है, ताकि भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं को तेजी से बदलते डिजिटल परिदृश्य के लिए तैयार किया जा सके.सम्मेलन में कई प्रतिष्ठित शिक्षाविदों ने मुख्य भाषण दिए.इनमें आईआईएम अहमदाबाद के प्रोफेसर आनंद के. जायसवाल, टेक्सास स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर आदित्य गुप्ता, न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर गीता मेनन, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (हैदराबाद) के प्रोफेसर मधु विश्वनाथन, आईआईएम कोझिकोड की प्रोफेसर शफाली गुप्ता और सनवे यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर वेंग मार्क लिम शामिल रहे. इन वक्ताओं ने

एआई आधारित मार्केटिंग, डिजिटल बाज़ारों के विकास, इंटेलिजेंट रिकमेंडर सिस्टम और व्यावसायिक निर्णय-प्रक्रिया में डेटा के बढ़ते महत्व जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए.वक्ताओं ने इस बात पर भी जोर दिया कि मशीन लर्निंग, प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स और डेटा इंटेलिजेंस जैसी तकनीकें कंपनियों को उपभोक्ताओं को बेहतर समझने और उन्हें व्यक्तिगत अनुभव देने में मदद कर रही हैं.साथ ही उन्होंने डेटा गोपनीयता, नैतिकता और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता बताई.इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी उपस्थित रहे.उन्होंने एआई के व्यापक सामाजिक प्रभावों पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि तकनीक के प्रति विश्वास बनाना, लोगों को केंद्र में रखकर बदलाव को अपनाना और निरंतर कौशल विकास को प्राथमिकता देना अत्यंत आवश्यक है, ताकि समाज तेजी से हो रहे नवाचार के साथ कदम मिला सके.उन्होंने तकनीकी प्रगति को लोगों, पर्यावरण और विकास के साथ संतुलित रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया.सम्मेलन को छह प्रमुख विषयों के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिनमें मार्केटिंग एनालिटिक्स, डिजिटल अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता व्यवहार, एआई आधारित संचार रणनीतियाँ, विभिन्न क्षेत्रों में एआई के उपयोग, स्थिरता और नैतिकता, तथा उभरती शोध पद्धतियाँ शामिल थीं.आईसीएम 2.0 को कुल 260 से अधिक शोध पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से कठोर समीक्षा प्रक्रिया के बाद 205 शोध पत्र स्वीकार किए गए.इस सम्मेलन का संयोजन डॉ. पिनाज़ तिवारी, डॉ. अनुप ए. सोरेन और डॉ. चंदन प्रसाद ने किया, जिन्होंने कार्यक्रम के शैक्षणिक और आयोजन संबंधी समन्वय की जिम्मेदारी संभाली.इस सम्मेलन में उद्योग, शिक्षाविदों और शोध समुदाय से जुड़े प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें आईआईएम अहमदाबाद, आईआईएम बैंगलोर और आईआईटी (आईएसएम) धनबाद जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के विद्वान भी शामिल थे.दो दिनों तक चले इस सम्मेलन में ऑफलाइन और ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से 120 से अधिक शोध प्रस्तुतियाँ दी गईं.मुख्य भाषणों, तकनीकी चर्चाओं और शोध प्रस्तुतियों के माध्यम से आईसीएम 2.0 ने एक बार फिर यह साबित किया कि आईआईएम बोधगया मार्केटिंग, तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उभरते क्षेत्रों में वैश्विक शैक्षणिक संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच बन रहा है.

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 2-1 से वनडे सीरीज हराई

ढाका: बांग्लादेश ने पाकिस्तान को तीसरे वनडे में 11 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली. ढाका के शेरे बंगला नेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में तंजिद हसन तमिम ने शानदार शतक लगाते हुए टीम को 50 ओवर में 5 विकेट पर 290 रन तक पहुंचाया. जवाब में पाकिस्तान की टीम 50 ओवर में 279 रन पर ऑलआउट हो गई. पाकिस्तान के लिए सलमान आगा ने 106 रन की बेहतरीन पारी खेली, लेकिन उनका शतक टीम को हार से नहीं बचा सका.

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत संभली हुई रही. सैफ हसन (36) और तंजिद हसन तमिम ने पहले विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी की. सैफ के आउट होने के बाद भी तमिम ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और 107 गेंद में 107 रन की शानदार पारी खेली. उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 7 छक्के लगाए. मिडिल ऑर्डर में नजमुल हुसैन शांतो (27) और लिटन दास (41) ने टीम को स्थिरता दी. आखिरी ओवरों में तौहीद हृदय ने 44 गेंद में नाबाद 48 रन बनाकर टीम को 290 रन तक पहुंचाया. पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ ने 3 विकेट लिए, जबकि शाहीन अफरीदी और अबरार अहमद को एक-एक विकेट मिला.

291 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही. टीम ने सिर्फ 17 रन पर 3 विकेट गंवा दिए. साहिबजादा फरहान (6), माज सादाकत (6) और मोहम्मद रिजवान (4) जल्दी आउट हो गए. इसके बाद गाजी घोरी (29) और अब्दुल समद (34) ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन बड़ी साझेदारी नहीं बना सके.

मिडिल ऑर्डर में सलमान आगा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 98 गेंद में 106 रन बनाए. उन्होंने 9 चौके और 4 छक्के लगाए. उनके साथ साद मसूद ने 38 रन की पारी खेली और दोनों के बीच 79 रन की अहम साझेदारी हुई. इसके बाद कप्तान शाहीन अफरीदी ने भी 38 गेंद में 37 रन बनाकर मैच को रोमांचक बना दिया. आखिरी ओवरों में पाकिस्तान को जीत के लिए 12 रन चाहिए थे, लेकिन बांग्लादेशी गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा और पूरी टीम 279 रन पर सिमट गई.

बांग्लादेश की जीत में तस्किन अहमद ने अहम भूमिका निभाई. उन्होंने 10 ओवर में 49 रन देकर 4 विकेट लिए और पाकिस्तान की बल्लेबाजी को शुरुआती झटके दिए. मुस्तफिजुर रहमान ने 3 विकेट, नाहिद राणा ने 2 विकेट और रिशाद हुसैन ने 1 विकेट लेकर पाकिस्तान की पारी को समेट दिया.

लक्ष्य है आईपीएल ट्रॉफी जीतना : वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली: अंडर-19 विश्व कप विजेता और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि उनका लक्ष्य इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में राजस्थान रॉयल्स के लिए ट्रॉफी जीतना है. सिर्फ 14 साल की उम्र में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाले इस बल्लेबाज ने आईपीएल 2025 में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था. इस साल अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उनकी 80 गेंद में 175 रन की पारी ने भारत को रिकॉर्ड छठा खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी. अब उनका पूरा ध्यान आईपीएल पर है. सूर्यवंशी ने रविवार को यहां बीसीसीआई नमन पुरस्कारों के दौरान 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, इस आईपीएल सत्र में मेरा लक्ष्य टीम के लिए ट्रॉफी जीतना है क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण है. मैं अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं ताकि मेरी पारी से पूरी टीम को फायदा मिले. मेरा उद्देश्य राजस्थान रॉयल्स की जीत में योगदान देना और फ्रेंचाइजी के लिए ट्रॉफी जीतना है. अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर सूर्यवंशी ने पुरस्कार समारोह में अपने विश्व कप विजेता साथियों से भी मुलाकात की.

साउथ अफ्रीका ने मात्र 11 दिनों में ही न्यूजीलैंड से टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल का लिया बदला

पहले टी20 मुकाबले में 7 विकेट से रौंदा

माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड): आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के खत्म होने के तुरंत बाद साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच नई टी20 सीरीज की शुरुआत हो चुकी है. दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की इस सीरीज का पहला मुकाबला 15 मार्च को माउंट मॉन्गानुई के बे ओवल मैदान पर खेला गया, जहां मेहमान साउथ अफ्रीका का दबदबा देखने को मिला. प्रोटियाज टीम ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया और वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में मिली हार का बदला भी ले लिया. खास बात यह रही कि टी20 वर्ल्ड कप में मिली हार के महज 11 दिनों के भीतर ही साउथ अफ्रीका ने कीवी टीम को उसी अंदाज में जवाब दे दिया. सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन उनका यह निर्णय पूरी तरह गलत साबित हुआ. साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों के सामने कीवी बल्लेबाज टिक नहीं पाए और पूरी टीम 14.3 ओवर में महज 91 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. न्यूजीलैंड के लिए जेम्स नीशम ने सबसे ज्यादा 26 रन बनाए, जबकि बाकी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके. साउथ अफ्रीका की ओर से नकोबानी मोकोएना ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया. साउथ अफ्रीका के सामने जीत के लिए 92 रन का आसान लक्ष्य था, जिसे टीम ने बिना ज्यादा परेशानी के हासिल कर लिया. प्रोटियाज टीम ने 16.4 ओवर में ही तीन विकेट खोकर लक्ष्य पा लिया और मुकाबला अपने नाम कर लिया. कॉनर एस्टरहुइजेन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 45 रन की नाबाद पारी खेली. गौरतलब है कि आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का पहला सेमीफाइनल 4 मार्च को कोलकाता में खेला गया था, जिसमें न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी. उस हार ने प्रोटियाज टीम को काफी निराश किया था. साउथ अफ्रीका ने यहां पहला मुकाबला जीतकर पिछली हार का बदला लिया है. पांच मैचों की इस टी20 सीरीज में साउथ अफ्रीका ने 1-0 की बढ़त बना ली है. पहले मुकाबले में मिली शानदार जीत से टीम का आत्मविश्वास भी काफी बढ़ गया है. अब दोनों टीमों के बीच सीरीज का दूसरा मुकाबला 17 मार्च को खेला जाएगा, जहां न्यूजीलैंड की नजर वापसी पर होगी, जबकि साउथ अफ्रीका अपनी बढ़त को और मजबूत करने के इरादे से मैदान में उतरेगा.

गिल और मंधाना ने बीसीसीआई के शीर्ष पुरस्कार जीते

नयी दिल्ली: भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और स्मृति मंधाना को 2024-2025 में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रविवार को यहां आयोजित बीसीसीआई नमन पुरस्कार 2026 में सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (क्रमश: पुरुष और महिला वर्ग) चुना गया. गिल ने प्रतिष्ठित 'पॉली उमरीगर पुरस्कार' जीता जबकि मंधाना को यह पुरस्कार पांचवीं बार मिला. गिल का यह दूसरा 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' पुरस्कार है, इससे पहले उन्होंने 2023 में यह पुरस्कार जीता था. पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रोजर बिन्नी, राहुल द्रविड़ और मिताली राज को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सर्वोच्च सम्मान 'कर्नल सी के नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया. यह सम्मान भारतीय क्रिकेट में उनके बेहतरीन योगदान को देखते हुए दिया गया. गिल के लिए 2025 का साल बेहद शानदार रहा और उन्होंने क्रिकेट के लंबे प्रारूपों में खुद को टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज में से एक के तौर पर स्थापित किया. इंग्लैंड दौरे पर कप्तान गिल ने पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में टीम की अगुवाई करते हुए 10 पारियों में 75.40 के औसत से कुल 754 रन बनाए जिससे वह श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. इसमें चार शतक और 269 रन का उनका सर्वोच्च स्कोर भी शामिल था. पिछले साल भारत की 'चैंपियंस ट्रॉफी' जीत में भी गिल ने अहम भूमिका निभाई थी. इस टूर्नामेंट में उन्होंने दुनिया के नंबर एक वनडे बल्लेबाज के तौर पर प्रवेश किया था. बांग्लादेश के खिलाफ भारत के पहले मैच में उन्होंने नाबाद 101 रन बनाए और पूरे टूर्नामेंट में कुल 188 रन बनाकर अपना अभियान समाप्त किया. मंधाना ने 2025 का समापन कुल 1,703 अंतरराष्ट्रीय रनों के साथ किया. इसमें वनडे में 1,362 रन शामिल हैं जो किसी भी महिला क्रिकेटर द्वारा एक कैलेंडर वर्ष में बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं. ऐसा करके मंधाना महिला वनडे क्रिकेट के इतिहास में एक ही कैलेंडर वर्ष में 1,000 रन बनाने वाली पहली बल्लेबाज बन गईं. भारत को अपना पहला महिला विश्व कप खिताब दिलाने में भी मंधाना ने अहम योगदान दिया. उन्होंने नौ मैचों में कुल 434 रन बनाए और टूर्नामेंट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं. पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में वह दूसरे स्थान पर रहीं. विश्व कप से पहले बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने नयी दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 गेंदों में शतक जड़कर किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज वनडे शतक का रिकॉर्ड अपने नाम किया और इस तरह उन्होंने विराट कोहली के 52 गेंदों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया.

न्यूजीलैंड महिला टीम ने पहले टी-20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 80 रन से हराया

माउंट माउंगानुई (न्यूजीलैंड): न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को 80 रन से हरा दिया. इस जीत के साथ न्यूजीलैंड महिला टीम ने टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है. माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम ने 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 190 रन का स्कोर खड़ा किया. टीम की कप्तान अमेलिया केर ने 44 गेंदों में 78 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और दो छक्के शामिल थे. सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर ने 44 गेंदों में पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 63 रन बनाए. सोफी डिवाइन 12, ब्रुक हॉलिडे 13 और मैडी ग्रीन ने 10 रन का योगदान दिया. दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के लिए मसाबाटा कलास और नादिन डी क्लर्क ने दो-दो विकेट लिए. अयाबोंगा खाका और नॉनकुलुलेको म्लाबा ने एक-एक विकेट लिया. इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 110 रन ही बना सकी. टीम के लिए सलामी बल्लेबाज तजमिन ब्रिट्स ने 35 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 29 रनों की जुझारू पारी खेली. कायला रेनेके 18 गेंदों में चार चौकों के साथ 24 रन बनाकर नाबाद रहीं. बाकी बल्लेबाज बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहे, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें 80 रनों से हार का सामना करना पड़ा. न्यूजीलैंड महिला टीम की ओर से अनुभवी सोफी डिवाइन ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया और चार विकेट लिए. वहीं जेस केर ने दो विकेट लिए. कप्तान अमेलिया केर को उनके शानदार अर्धशतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. दोनों देशों के बीच दूसरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच 17 मार्च को हैमिल्टन में खेला जाएगा.

संजू लय में आ जाए तो वह पहले छह ओवरों में ही मैच जिता सकता है: गंभीर

नयी दिल्ली: भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि जब संजू सैमसन अपनी फॉर्म में होते हैं तो वह पावरप्ले में ही विपक्षी टीम से मैच छीन सकते हैं. आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के अंतिम चरण में सैमसन ने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल में तूफानी अंदाज में अर्धशतक जड़कर भारत को रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जीतने में मदद की. अभिषेक शर्मा औरर सैमसन ने फाइनल में मिलकर पावरप्ले में 92 रन बनाए और इस तरह से न्यूजीलैंड से मैच छीन लिया. गंभीर ने जियो स्टार पर कहा, ''हम जानते हैं कि संजू क्या कर सकता है. उसकी प्रतिभा और विस्फोटक बल्लेबाजी पर कभी कोई संदेह नहीं था. अगर वह लय में आ जाए तो पहले छह ओवरों में ही मैच जिता सकता है.'' सैमसन का विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और इसलिए उन्हें आईसीसी टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी. लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ करो या मरो के मैच में मौका मिलने पर सैमसन ने 15 गेंदों में 24 रन बनाकर लय हासिल की और इसके बाद अगले तीन मैच में नाबाद 97, 89 रन और 89 रन बनाए. गंभीर ने कहा, ''मैंने उसे जिम में यह बात बताई. दरअसल हम दोनों साथ में ट्रेनिंग कर रहे थे और मैंने उसे बस इतना बताया कि तुम जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलोगे और उसने कहा, 'ठीक है.' हमारी बातचीत कुछ इसी तरह से अनौपचारिक होती है. यह किसी मुख्य कोच और खिलाड़ी के रिश्ते जैसा नहीं है. यह एक ऐसा रिश्ता है जिसमें हमारी आमने-सामने की अधिकतर बातचीत अभ्यास सत्रों के दौरान होती है.'' टीम में सैमसन की अनुपस्थिति में भारत के शीर्ष क्रम में ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा के रूप में तीन बाएं हाथ के बल्लेबाज शामिल थे. लेकिन गंभीर ने जोर देकर कहा कि सैमसन को अंतिम एकादश में शामिल करने का फैसला बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन को तोड़ने के उद्देश्य से नहीं बल्कि टीम को अधिक आक्रामक ताकत देने के लिए लिया गया था. उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि बहुत से लोग इस बारे में बात करेंगे कि हम शीर्ष क्रम पर मौजूद तीनों बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन को तोड़ना चाहते थे, ऐसा बिल्कुल नहीं है. हम बस और अधिक आक्रामक होना चाहते थे. पिछले डेढ़ साल से हमारी मानसिकता यही रही है कि मैदान पर उतरकर हम जितना हो सके उतना आक्रामक प्रदर्शन करें.'' गंभीर ने कहा, ''संजू को टीम में लाने का कारण दूसरे छोर से ऑफ-स्पिनर को नियंत्रित करना नहीं बल्कि इस बात पर आधारित था कि क्या हम पहले छह ओवरों में और अधिक आक्रामक हो सकते हैं.'' अभिषेक टूर्नामेंट के पहले तीन मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे लेकिन उन्होंने इसके बाद दो अर्धशतक लगाए जिनमें फाइनल में लगाया गया अर्धशतक भी शामिल है. गंभीर ने कहा, ''आईपीएल 2014 में मेरा अनुभव उससे भी बदतर रहा था जब मैं लगातार चार मैचों में शून्य पर आउट हुआ. मैंने उससे बस इतना कहा था कि लोग आपके स्कोर देखेंगे और आपकी फॉर्म के बारे में बात करेंगे, लेकिन असल में आप खराब फॉर्म नहीं हो, बस रन नहीं बना पा रहे हैं.''

पूर्व पाकिस्तानी कप्तान सरफराज अहमद ने किया संन्यास का ऐलान

कराची: भारत के खिलाफ आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के दो प्रमुख टूर्नामेंट के फाइनल में जीत हासिल करने वाले एकमात्र पाकिस्तानी कप्तान विकेटकीपर-बल्लेबाज सरफराज अहमद ने रविवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया. सरफराज ने अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2023 में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच के रूप में खेला था. उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बयान में संन्यास लेने की घोषणा की. बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि सरफराज के संन्यास लेने की औपचारिक घोषणा के बाद अब पीसीबी उन्हें लंबी अवधि के लिए राष्ट्रीय टेस्ट टीम का मुख्य कोच नियुक्त कर सकता है. पीसीबी ने ऑलराउंडर अजहर महमूद का अनुबंध समाप्त कर दिया था जिसके बाद से टेस्ट टीम के मुख्य कोच का पद खाली पड़ा है. महमूद ने पिछले साल टेस्ट टीम के अंतरिम मुख्य कोच के रूप में कार्य किया था. मई में 39 वर्ष के होने वाले सरफराज को हाल में पाकिस्तान अंडर-19 और शाहीन टीमों का मेंटोर (मार्गदर्शक) और मैनेजर नियुक्त किया गया था. सरफराज ने अपना आखिरी प्रथम श्रेणी मैच पिछले साल अक्टूबर ने खेला था. उन्होंने कहा कि वह अपनी अन्य भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं. उन्होंने कहा, ''मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं पाकिस्तान की तीनों प्रारूप में कप्तानी करूंगा तथा 2006 में आईसीसी अंडर-19 विश्व कप और 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतूंगा. ये मेरे लिए अविस्मरणीय क्षण रहे हैं.'' सरफराज ने पाकिस्तान की तरफ से 54 टेस्ट, 117 वनडे और 61 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं. उन्होंने तीनों प्रारूप में 100 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कप्तानी भी की है.

चंद्रिका को स्वर्ण, भारत ने विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में पांच पदक से अभियान खत्म किया

बैंकॉक: भारत ने रविवार को यहां विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में अपना अभियान पांच पदक के साथ खत्म किया जिसमें एक स्वर्ण पदक भी शामिल है. युवा ओलंपिक वजन वर्ग में मुकाबला करते हुए भारत की अंडर-19 पुरुष और महिला टीमों ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया. इस अभियान की अगुवाई चंद्रिका पुजारी ने की जिन्होंने महिलाओं के 51 किग्रा फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान की मार्दोनोवा नाजोकत को सर्वसम्मत फैसले से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया. तीन भारतीय मुक्केबाजों ने अपने वजन वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बाद रजत पदक जीते. गुंजन (48 किग्रा) इंग्लैंड की अपनी प्रतिद्वंद्वी से 5-0 के फैसले से हार गईं जबकि जॉयश्री देवी (54 किग्रा) कड़े मुकाबले के बाद अमेरिका की एक मुक्केबाज से 1-4 से पराजित हो गईं. पुरुषों के 50 किग्रा वजन वर्ग में एल अंबेकर मीतेई को फाइनल में यूक्रेन के मुक्केबाज से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा. इससे पहले टूर्नामेंट में राधामणी लोंगजाम (57 किग्रा) ने कांस्य पदक जीता था.

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह 4.48 लाख करोड़ रुपये की भारी गिरावट

नयी दिल्ली: सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 4.48 लाख करोड़ रुपये की भारी गिरावट आई. सबसे ज्यादा नुकसान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी बैंक को हुआ. बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 4,354.98 अंक या 5.51 प्रतिशत नीचे आ गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 1,299.35 अंक या 5.31 प्रतिशत के नुकसान में रहा. कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच महंगाई के दबाव और वैश्विक आर्थिक स्थिरता को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिससे स्थानीय शेयर बाजार बुरी तरह प्रभावित हुआ है. समीक्षाधीन सप्ताह में एसबीआई का बाजार मूल्यांकन सबसे ज्यादा 89,306.22 करोड़ रुपये घटकर 9,66,261.05 करोड़ रुपये पर आ गया. एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 61,715.32 करोड़ रुपये घटकर 12,57,391.76 करोड़ रुपये रही. बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 59,082.49 करोड़ के नुकसान के साथ 5,32,053.54 करोड़ रुपये और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 53,312.52 करोड़ रुपये घटकर 8,72,067.63 करोड़ रुपये रह गया. आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 42,205.04 करोड़ घटकर 8,97,844.78 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 38,688.78 करोड़ के नुकसान के साथ 10,28,431.72 करोड़ रुपये रह गया. रिलायंस इंडस्ट्रीज के मूल्यांकन में 33,289.88 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 18,68,293.17 करोड़ रुपये रह गया. भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 31,245.49 करोड़ रुपये घटकर 4,88,985.57 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का पूंजीकरण 24,230.96 करोड़ रुपये घटकर 5,06,315.58 करोड़ रुपये रह गया. हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 15,401.57 करोड़ रुपये घटकर 5,07,640.94 करोड़ रुपये रह गई. शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम पर रही. उसके बाद क्रमश: एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस और एलआईसी का स्थान रहा.

कोल इंडिया का लक्ष्य पश्चिम एशिया संकट के बीच देश को उचित कीमत पर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना

नयी दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच देश में बिजली की आपूर्ति को उचित कीमत पर सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकता है. कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह संकट वैश्विक पोत परिवहन मार्गों और आयातित कोयले की कीमतों को प्रभावित कर रहा है. कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) देश में कुल घरेलू कोयला उत्पादन का 80 प्रतिशत और कोयले पर आधारित कुल बिजली उत्पादन का 75 प्रतिशत योगदान देती है. सीआईएल देश के कुल बिजली उत्पादन में 55 प्रतिशत का योगदान देती है और देश की मुख्य वाणिज्यिक ऊर्जा आवश्यकताओं का 40 प्रतिशत पूरा करती है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एक कम लागत वाली कोयला उत्पादक होने के नाते कोल इंडिया का उद्देश्य देश में बिजली की आपूर्ति को उचित कीमत पर सुनिश्चित करना है. उन्होंने बताया कि गर्मियों में बिजली की मांग में अनुमानित वृद्धि को पूरा करने के लिए देश में पर्याप्त कोयले का भंडार है.

कारोबार

पश्चिम एशिया के हालात, कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी शेयर बाजार की चाल: विश्लेषक

नयी दिल्ली: पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक होंगे. विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर के फैसले और मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे. रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के शोध उपाध्यक्ष अजित मिश्रा ने कहा कि यह सप्ताह घरेलू और वैश्विक स्तर पर कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों और आंकड़ों से भरा है. उन्होंने बताया कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर विशेष नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों पर उनका प्रभाव बाजार की समग्र दिशा को प्रभावित कर सकता है. घरेलू मोर्चे पर, बाजार थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति, व्यापार संतुलन के आंकड़े और विदेशी मुद्रा भंडार जैसे प्रमुख व्यापक आर्थिक संकेतकों पर नजर रखेंगे. लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक और शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने बताया कि वैश्विक जोखिम धारणा बिगड़ने, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के कारण भारतीय बाजार पिछले सप्ताह भारी दबाव में रहे. पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 4,354.98 अंक या 5.51 प्रतिशत टूट गया, जबकि एनएसई निफ्टी में 1,299.35 अंक या 5.31 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई. पिछले महीने 27 फरवरी से अब तक सेंसेक्स 6,723.27 अंक या 8.27 प्रतिशत नीचे आ चुका है. विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी गतिरोध वैश्विक कच्चे तेल आपूर्ति को सख्त बना सकता है, जिससे एशिया में मुद्रास्फीति बढ़ सकती हैं. एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि आने वाले सप्ताह में काफी उतार-चढ़ाव रहने की उम्मीद है. पश्चिम एशिया के संघर्ष के कारण पोत परिवहन में होने वाली किसी भी देरी के चलते भारत जैसे उभरते बाजारों में वैश्विक पूंजी आवंटन पर असर पड़ सकता है. विदेशी निवेशकों ने मार्च के पहले पखवाड़े में घरेलू शेयरों से लगभग 52,704 करोड़ रुपये निकाले हैं. इसका मुख्य कारण पश्चिम एशिया में तनाव, रुपये की कमजोरी और भारतीय वृद्धि दर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों का प्रभाव है. मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि इस सप्ताह निवेशकों की नजर यूरो क्षेत्र के सीपीआई आंकड़ों, बैंक ऑफ इंग्लैंड (बीओई) और यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के नीतिगत फैसलों तथा अमेरिकी नौकरियों के आंकड़ों पर भी रहेगी.

अदाणी-टोटल गैस ने कुछ औद्योगिक ग्राहकों के लिए गैस की कीमत घटाई

नयी दिल्ली: अदाणी टोटल गैस लिमिटेड ने कुछ औद्योगिक ग्राहकों को आपूर्ति की जाने वाली अतिरिक्त प्राकृतिक गैस के दाम 119.90 रुपये प्रति मानक घन मीटर से घटाकर 82.95 रुपये प्रति मानक घन मीटर कर दिए हैं. यह बदलाव 16 मार्च की सुबह छह बजे से लागू होगा. अदाणी समूह और फ्रांस की टोटल एनर्जी के शहर गैस संयुक्त उद्यम ने कहा कि यह मूल्य संशोधन उपभोक्ताओं तक कम कीमत का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया है. साथ ही यह मौजूदा आपूर्ति प्रतिबंधों के दौरान प्रणाली की स्थिरता बनाए रखने और गैस का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए भी है. पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों के आवागमन में व्यवधान के कारण भारत में एलएनजी आपूर्ति प्रभावित हुई थी. इसके कारण कंपनी ने वाणिज्यिक और औद्योगिक ग्राहकों से कहा था कि वे अपनी अनुबंधित गैस खपत का केवल 40 प्रतिशत ही उपयोग करें. कंपनी ने उपयोगकर्ताओं को सूचित किया, ''हमें आपको यह जानकारी देते हुए प्रसन्नता हो रही है कि तीन मार्च, 2026 की अधिसूचना के अनुसार अतिरिक्त गैस के दाम बढ़ाकर 119.90 रुपये प्रति मानक घन मीटर किए गए थे, जिसे अब घटाकर 82.95 रुपये प्रति मानक घन मीटर कर दिया गया है. यह 16 मार्च, 2026 से सुबह छह बजे से लागू होगी.'' कंपनी ने कहा कि यह संशोधन उपभोक्ताओं को कम कीमत का लाभ देने के उद्देश्य से किया गया है. कंपनी ने मौजूदा आदेश के तहत औद्योगिक ग्राहकों

एफपीआई ने मार्च के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजार से 52,704 करोड़ रुपये निकाले

नयी दिल्ली: पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, रुपये की कीमत में गिरावट और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों का भारत की वृद्धि और कंपनियों की कमाई पर असर पड़ने की आशंका के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च के पहले पखवाड़े में घरेलू शेयर बाजार से 52,704 करोड़ रुपये (लगभग 5.73 अरब डॉलर) निकाले हैं. इससे पहले फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये डाले थे, जो 17 माह का सबसे ज्यादा प्रवाह था. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले एफपीआई लगातार तीन माह तक शुद्ध बिकवाल रहे थे. जनवरी में उन्होंने 35,962 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये निकाले थे. मार्च में अब तक (13 मार्च तक) एफपीआई ने लगभग 52,704 करोड़ की निकासी की है. बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि एफपीआई की निकासी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव है. एंजल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में लंबे समय तक संघर्ष की आशंकाओं ने ब्रेंट कच्चे तेल को 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा दिया है. इसके अलावा रुपया 92 प्रति डॉलर के स्तर के आसपास कमजोर बना हुआ है. बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने के बीच एफपीआई अब बिकवाली कर रहे हैं. इसी तरह की राय जताते हुए जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट, रुपये की कमजोरी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से भारत की वृद्धि और कॉरपोरेट की कमाई पर असर पड़ने की चिंताओं ने एफपीआई की धारणा को प्रभावित किया है. उन्होंने कहा कि पिछले 18 माह में विकसित और उभरते बाजारों की तुलना में भारत से कमजोर रिटर्न की वजह से भी एफपीआई की दिलचस्पी कम हुई है. उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया, ताइवान और चीन को अभी ज्यादा आकर्षक बाजार के रूप में देखा जा रहा है.

दुबई की कंपनी केरल में करेगी 52,600 करोड़ रुपये का निवेश

तिरुवनंतपुरम: दुबई की कंपनी सोलस्टिस डेटा ने कन्नूर जिले के मट्टनूर में केइन्फ्रा औद्योगिक पार्क में 52,600 करोड़ रुपये कर निवेश करने के लिए आधिकारिक रूप से सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं. रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस ऐतिहासिक करार के तहत, पार्क के अंदर कंपनी को 100 एकड़ जमीन का आवंटन अपनी सुविधाओं के विकास के लिए किया जाएगा. इस एमओयू का तिरुवनंतपुरम में सोलस्टिस डेटा के कंट्री प्रमुख (इंडिया) राज बाबू तुलसीधरन और केइन्फ्रा के प्रबंध निदेशक संतोष कोशी थॉमस के बीच औपचारिक रूप से आदान-प्रदान हुआ. यह कार्यक्रम शनिवार को उद्योग मंत्री पी राजीव और निदेशक-उद्योग पी विष्णुराज की मौजूदगी में आयोजित किया गया. दुबई मुख्यालय वाली सोलस्टिस डेटा आधुनिक एआई-आधारित उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटिंग (एचपीसी) डेटा केंद्रों को डिजाइन, विकास और परिचालन करने वाली वैश्विक अगुवा कंपनी है.

न्यूज कॉर्नर

जनरल स्टोर में आग से कमरे में सो रहे रिटायर्ड शिक्षक की जिंदा जलने से मौत

पालीः शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक जनरल स्टोर में लगी आग ऊपर बने कमरे तक पहुंच गई. कमरे में सो रहे एक 65 वर्षीय रिटायर्ड शिक्षक की जिंदा जलने से मौत हो गई. सूचना मिलने पर पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. कोतवाली थाने के एएसआई शंकरलाल ने बताया कि शनिवार रात करीब 2:15 बजे एक होमगार्ड जवान ने सूचना दी कि भैरूघाट स्थित अमित जनरल स्टोर में आग लग गई है. सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं. दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया.प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि किसी अज्ञात कारण से जनरल स्टोर में आग लगी, जो धीरे-धीरे ऊपर बने कमरे तक फैल गई. कमरे में सो रहे रिटायर्ड शिक्षक राजेंद्र कुमार शर्मा (65) पुत्र जीवनदास आग से उठे धुएं के कारण बेहोश हो गए और बेड पर ही पड़े रह गए. इसके बाद आग की चपेट में आने से वे बुरी तरह झुलस गए.दमकलकर्मियों ने जब तक आग बुझाकर उन्हें बाहर निकाला, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी. आग लगने के दौरान सुरक्षा के लिहाज से आसपास के इलाके की बिजली भी बंद करवाई गई थी. घटना के समय मृतक का बेटा अमित अपनी पत्नी और बच्चे के साथ दूसरे कमरे में सो रहा था. आग उस कमरे तक नहीं पहुंची, जिससे वे समय रहते बाहर निकलने में सफल रहे. हालांकि इस दौरान अमित हल्का झुलस गया. आग की इस घटना में जनरल स्टोर में रखा सामान, कमरे में रखी अलमारी, बेड और अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है और आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है.

हाई वोल्टेज लाइन का करंट लगने से युवक की मौत

जींदः कैथल रोड स्थित दुकान पर शेटरिंग का काम करते समय हाइवोल्टेज लाइन के संपर्क में आने से एक मजदूर झुलस गया. उसे गंभीर हालत में नागरिक अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया है. पुलिस ने रविवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.गांव शादीपुर निवासी रवि (28) शेटरिंग का काम करता है. शनिवार शाम को रवि कैथल रोड पर एक दुकान की शेटरिंग कर रहा था. इस दुकान के ऊपर से हाइवोल्टेज की तार गुजरती है. रवि अपने हाथ में एक लोहे को गाटर को लेकर उसे इधर से उधर रख रहा था. अचानक लोहे का गाटर ऊपर से गुजर रही हाइवोल्टेज की तार से छू गया. इस कारण उसमें करंट आ गया और इससे रवि झुलस गया. आसपास के लोगों ने रवि को गंभीर हालत में नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया. यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया. मृतक के परिजनों के न आ पाने के कारण शव को शव गृह में रखवा दिया गया था. रविवार को पुलिस ने कागजी कार्रवाई पूरी कर मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया. पुलिस मामले की जांच कर रही

यूक्रेन का क्रीमिया में रूसी एस-400 लॉन्चर और रडार सिस्टम को निशाना बनाने का दावा

कीव/क्रीमियाः क्रेन की सशस्त्र सेनाओं ने अस्थायी रूप से कब्ज़े वाले क्रीमिया में रूसी वायु रक्षा नेटवर्क पर हमला किया है. लिबनेखतिव्का और डालने क्षेत्रों में किए गए इस हमले में एस-400 ट्रायम्फ हवाई रक्षा प्रणाली के लॉन्चर और महत्वपूर्ण रडार स्टेशनों को निशाना बनाया गया, जिससे क्रीमिया में रूस की हवाई सुरक्षा क्षमताओं को गंभीर क्षति पहुंची है.यूक्रेन की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी यूक्रिनफॉर्म व स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन की सशस्त्र सेनाओं ने आज रात क्रिमिया प्रायद्वीप में रूसी वायु रक्षा संपत्तियों के खिलाफ महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाई की. यूक्रेन के जनरल स्टाफ के अनुसार, इस अभियान का लक्ष्य रूस की हवाई क्षेत्र नियंत्रण क्षमता और काला सागर के ऊपर उसके वायु रक्षा नेटवर्क को कमजोर करना था.यूक्रेनी बलों ने लिबनेखतिव्का क्षेत्र में रूसी सेना के दो प्रमुख रडार सिस्टम-59एन6-ई प्रोटिवनिक और 73ए6 पैरोल को निशाना बनाया, जो लंबी दूरी पर हवाई लक्ष्य पहचान और ट्रैकिंग के लिए उपयोग में लाए जाते हैं. साथ ही डलने के पास एक एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम के लॉन्चर पर भी हमला हुआ, जिससे वह सिस्टम अस्थायी रूप से निष्क्रिय हो गया.

पुंछ में ड्यूटी के दौरान भारतीय सेना के जेसीओ की दिल का दौरा पड़ने से मौत

पूंछः जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शनिवार को ड्यूटी के दौरान भारतीय सेना के एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई. आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मृतक जेसीओ की पहचान सूबेदार संदीप कुमार ढाका के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि ड्यूटी के दौरान अचानक उन्हें दिल का दौरा पड़ा. घटना के तुरंत बाद उन्हें इलाज के लिए नजदीकी सैन्य अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. बाद में शव को आगे की मेडिको-लीगल औपचारिकताओं के लिए उप-जिला अस्पताल (एसडीएच) सुरनकोट भेज दिया गया.

धाराशिव में वाहनों की टक्कर में तीन की मौत

मुंबईः महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में धाराशिव-लातूर-तुलजापुर नेशनल हाइवे पर रविवार दोपहर तीन वाहनों की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए. हाइवे पुलिस ने इस घटना में मृतकों का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया है.इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोपहर में धाराशिव-लातूर-तुलजापुर नेशनल हाइवे पर करजखेड़ा के पास अचानक एक बोलेरो वाहन के चालक का नियंत्रण बिगड़ जाने से बोलेरो ने एक कार को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि बोलेरो पलट गई और डिवाइडर पार करके दूसरी लेन में चली गई और दूसरी तरफ से आ रही होंडा सिटी कार को टक्कर मार दी. इस ट्रिपल टक्कर में तीनों गाडिय़ां चकनाचूर हो गईं.इस घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. चारों घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है, जिससे मृतकों की संख्या बढऩे की संभावना है.

जम्मू-कश्मीर के उरी में पाकिस्तान का आतंकवादी मारा गया, घुसपैठ विफल

श्रीनगरः सेना ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए पाकिस्तान के एक पाकिस्तानी आतंकवादी मार गिराया. सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, घुसपैठ के प्रयास के संबंध में जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा प्रदान किए गए एक विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर, 14-15 मार्च 26 की मध्यरात्रि को जनरल क्षेत्र बुचर, उरी सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था. इसमें कहा गया है कि सैनिकों ने झाड़ियों में एक आतंकवादी की संदिग्ध गतिविधि देखी. सेना ने कहा कि घात को फिर से समायोजित किया गया और आतंकवादी को चुनौती दी गई जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी. इसमें एक पाक आतंकवादी को मार गिराया गया. एक एके राइफल, पिस्तौल और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद सहित युद्ध सामग्री बरामद की गई है.

घर में घुसकर महिला के साथ दुष्कर्म के मामले में फरार दो आरोपित गिरफ्तार

राजगढ़ः मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में कालीपीठ थाना पुलिस ने सवा दो माह पहले घर में घुसकर महिला के साथ दुष्कर्म करने के मामले में फरार दो आरोपितों को हिरासत में लिया है. पूछताछ के बाद आरोपित को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेजा गया. थाना प्रभारी जितेन्द्र अजनारे ने रविवार को बताया कि 7 जनवरी को ग्राम बांकपुरा निवासी 28 वर्षीय महिला ने शिकायत की, बीती रात गांव का नाहरसिंह पुत्र रमेश तंवर और गजराजसिंह पुत्र मोहरसिंह तंवर जबरन घर में घुस गए, जिन्होंने जान से मारने की धमकी देते हुए गलत काम किया. घटना के दौरान पीड़ित घर में अकेली थी. पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मौके से फरार आरोपितों के खिलाफ धारा 64, 70(1), 332(बी), 351(3)बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरु की. विवेचना के दौरान वरिष्ठ अफसरों के मार्गदर्शन में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्य व मुखबिर की सूचना पर आरोपित नाहरसिंह और गजराजसिंह तंवर को हिरासत में लिया. पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपितों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेजा. कार्रवाई के दौरान थानाप्रभारी जितेन्द्र अजनारे, एएसआई विजय सैनी, प्रआर.मुकेश, माखन, बनवारी, आर.सोनू सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे.

भाजपा की सरकार में एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा : अमित शाह

गुवाहाटीः भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), असम प्रदेश के सौजन्य से गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित 'युवा शक्ति समारोह' में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस पर जमकर हमला बोलते हुए राज्य में घुसपैठियों का संरक्षण करने का आरोप लगाया, साथ ही राज्य के सामूहिक विकास के लिए भाजपा को वोट देने का आह्वान किया. रविवार को राज्य के 1.5 लाख से अधिक युवाओं को गृह मंत्री ने संबोधित करते हुए उपरोक्त आह्वान किया.इस कार्यक्रम में भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या भी मौजूद थे. मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और दरंग-उदालगुड़ी निर्वाचन क्षेत्र से सांसद दिलीप सैकिया, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा और प्रदेश भाजपा के कई अन्य वरिष्ठ नेता, मंत्री, सांसद एवं विधायक भी कार्यक्रम में मौजूद थे.

भाजयुमो के इस कार्यक्रम के जरिए आज राज्य के प्रत्येक जिले के युवा मतदाताओं ने भाजपा की चुनावी रणभेरी बजाई. असम के विकास और उत्थान की यात्रा में युवा शक्ति के

संकल्प को दृढ़ करने के लिए यह युवा शक्ति समारोह आयोजित किया गया था. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि असम की युवा शक्ति के इस महासमागम ने राज्य में भाजपा के जनसमर्थन की मजबूत तस्वीर पेश किया था. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की कोई भी राजनीतिक पार्टी इस तरह का विशाल युवा सम्मेलन आयोजित नहीं कर सकी है. उन्होंने असम के युवाओं के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की.

उन्होंने उल्लेख किया कि कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने उन्हें फोन करके युवाओं के सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित अमित शाह ने कहा कि हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में असम में विकास की प्रक्रिया जारी है. शाह ने दावा किया कि असम सरकार ने किसी भी प्रकार का भेदभाव किए बिना लगभग 1 लाख 65 हजार नौकरियां प्रदान की हैं, जो राज्य के इतिहास में एक उल्लेखनीय कदम है.समारोह में बोलते हुए उन्होंने कांग्रेस दल की तीखी आलोचना की. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दिनों में चाय बागान के श्रमिकों की मजदूरी 94 रुपये थी. भाजपा के दिनों में हिमंत बिस्व सरमा सरकार ने इसे 280 रुपये तक बढ़ा दिया. कांग्रेस अपने लोगों के बारे में सोचती है, भाजपा असम के बारे में सोचती है. गृह मंत्री के अनुसार कांग्रेस के शासनकाल में असम की भाषा और संस्कृति (जाति, माटी, भेटी) का सम्मान नहीं किया जाता था. वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में ऐतिहासिक वीर लचित बरफूकन का गौरव विश्व के सामने उज्जवल रूप से प्रस्तुत किया गया है.

हरियाणा में राज्यसभा चुनाव के लिए आज होगा मतदान

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विधायकों से की बैठक

चंडीगढ़ः हरियाणा में राज्य सभा की दो सीटों के लिए सोमवार को चंडीगढ़ में वोटिंग होगी. मतदान से एक दिन पहले रविवार को भाजपा व कांग्रेस में दिन भर रणनीतिक बैठकें होती रही. भाजपा के सभी विधायक चंडीगढ़ में हैं. कांग्रेस तथा भाजपा द्वारा लगातार विधायकों को वोटिंग की प्रक्रिया समझाते हुए प्रेक्टिस करवाई जा रही है. इस चुनाव में मुख्यमंत्री नायब सैनी की जहां परीक्षा होगी वहीं पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की प्रतिष्ठा दांव पर है. पिछले दो चुनाव में कांग्रेस के अधिकारिक प्रत्याशी हारते रहे हैं. सभी की नजरें इस बात पर लगी हुई हैं कि इस बार हार की हैट्रिक होगी या फिर भाजपा की पुरानी रणनीति फेल होगी. शनिवार की शाम भाजपा की मॉक वोटिंग में तीन विधायकों के वोट रद्द हुए. जिसे गंभीरता से लेते हुए रविवार को दोबारा वोट डालने की प्रेक्टिस करवाई गई. आज मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने पार्टी के सभी विधायकों के साथ बैठक की. दूसरी तरफ हिमाचल में रूके कांग्रेस विधायकों को भी आज वोट डालने की प्रेक्टिस करवाई गई. हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज कांग्रेस विधायकों के साथ मुलाकात की. दोपहर में लंच के बाद कांग्रेस के सभी विधायकों को खराब मौसम के चलते कुफरी से परवाणु के पास एक होटल में शिफ्ट कर दिया गया. यह होटल चंडीगढ़ के करीब है. यहीं से सभी विधायक सोमवार को वोट डालने के लिए रवाना होंगे.

एनडीए तीसरी बार जीत का जनादेश पाने को तैयार : भाजपा

भाजपा सरकार के पांच परिवर्तनकारी साल, असम के युवाओं को समर्पित

गुवाहाटीः असम में पिछले पांच साल राज्य के युवाओं के समग्र सशक्तिकरण और प्रगति को समर्पित एक शानदार अध्याय के रूप में खड़ा है. मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के गतिशील नेतृत्व में, असम की युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को आधुनिक असम की बागडोर संभालने वाला एक दृढ़ और दूरदर्शी रक्षक मिला है. 2021 में युवाओं के जबरदस्त जनादेश के साथ सत्ता संभालने के बाद, डॉ. हिमंत बिस्व सरमा आगामी विधानसभा चुनावों के लिए भी असम के युवा मतदाताओं की पहली पसंद बनकर उभरे हैं. एक दशक पहले, असम के युवाओं को शिक्षा और शैक्षणिक कार्यों से ध्यान हटाकर, अनसुलझे राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर आंदोलन और प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए मजबूर होना पड़ता था. हालांकि, निर्णायक नेतृत्व और लगातार प्रयासों के माध्यम से, वर्तमान सरकार ने कई ऐसे पुराने मुद्दों को सफलतापूर्वक हल किया है, जिन्होंने कभी राज्य के युवाओं के भविष्य पर ग्रहण लगा दिया था.

ये बातें रविवार को असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही. उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों के दौरान शुरू की गई कई ऐतिहासिक पहलों में से, सबसे ऐतिहासिक कदम सरकारी भर्ती की एक पारदर्शी और योग्यता-आधारित प्रणाली की स्थापना रहा है. एक लाख नौकरियां देने के चुनावी वादे को पार करते हुए, सरकार ने राज्य में पहले ही 1.60 लाख से ज़्यादा सरकारी नियुक्तियां सफलतापूर्वक प्रदान कर दी हैं. इसके बिल्कुल विपरीत, कांग्रेस शासन के दौरान, हज़ारों युवा उम्मीदवारों को केवल रोज़गार पाने के लिए अपनी पारिवारिक ज़मीन बेचने और भारी रिश्वत देने के लिए मजबूर होना पड़ता था.

आज, भाजपा सरकार में सामान्य और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवा बिना एक रुपया दिए, पूरी तरह से योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां पा रहे हैं. ऐसे समय में जब असम के हजारों युवाओं को रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा की दूरदर्शी पहलों, विशेष रूप से 'एडवांटेज असम' के माध्यम से राज्य ने बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश का मार्ग प्रशस्त किया है, जिससे असम के भीतर ही रोज़गार के नए अवसर खुले हैं. सरकारी रोज़गार से परे, भाजपा सरकार ने विभिन्न वित्तीय सहायता योजनाओं के माध्यम से लाखों युवाओं को उद्यमिता अपनाने में भी सक्षम बनाया है.

मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई एक और दूरगामी और सामाजिक रूप से बदलाव लाने वाली पहल बाल विवाह के खिलाफ चलाया गया निर्णायक अभियान है. एक आधुनिक समाज में, जहां युवा महिलाएं देश के भविष्य को संवारने में बराबर की भागीदार हैं, असम की कई लड़कियां पहले आर्थिक तंगी और सामाजिक बंदिशों के कारण उच्च शिक्षा से वंचित रह जाती थीं. हालांकि, साहसिक प्रशासनिक उपायों के ज़रिए, अनगिनत युवा लड़कियों को, जिन्हें कभी कम उम्र में शादी के लिए मजबूर किया जाता था, इस पिछड़ी प्रथा से आज़ादी मिली है.

इसके अलावा, सरकार की विभिन्न पहलें, जैसे छात्राओं को स्कूटर देना, 'निजुत मोइना योजना' के तहत मासिक वज़ीफ़ा देना, सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण और 'मुख्यमंत्री उद्यमिता मिशन' के तहत 10 हजार की आर्थिक सहायता देना, ने असम में महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण को काफ़ी मज़बूती दी है. राज्य के युवाओं के लिए, कई प्रगतिशील पहलें, जैसे शोधार्थियों के लिए 'जीवन प्रेरणा योजना', छात्रों के लिए 'निजुत बाबू योजना' और 'जीवन अनुप्रेरणा योजना' ने युवा मन में आत्मविश्वास और प्रेरणा को और बढ़ाया है. युवा ही देश की मुख्य प्रेरक शक्ति होते हैं.

अमेरिका ने अपने कर्मचारियों को ओमान छोड़ने का दिया आदेश

इस्तांबुलः पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के दौरान सुरक्षा खतरों को देखते हुए अमेरिका ने ओमान में तैनात अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों को देश छोड़ने का आदेश दिया है. साथ ही अमेरिकी नागरिकों को ओमान और यमन सीमा क्षेत्र की यात्रा से बचने की चेतावनी भी जारी की गई है. अमेरिका का कहना है कि क्षेत्र में ड्रोन और मिसाइल हमलों का खतरा लगातार बना हुआ है, जिससे हालात बेहद संवेदनशील हो गए हैं. तुर्किए की सरकार समाचार एजेंसी अनाडोलू (एए) के अनुसार, अमेरिका ने सुरक्षा कारणों और पश्चिम एशिया में ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच ओमान में तैनात अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों को देश छोड़ने का आदेश दिया है. अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को यह निर्देश जारी करते हुए अपने नागरिकों से भी ओमान और यमन सीमा क्षेत्र की यात्रा पर पुनर्विचार करने की अपील की है.अमेरिकी नागरिकों से कहा गया है कि वे उपलब्ध कमर्शियल फ्लाइट्स के जरिए जल्द से जल्द ओमान छोड़ दें. सहायता के लिए नागरिकों को विदेश विभाग की वेबसाइट पर जाकर 'क्राइसिस इंटेक फॉर्म' भरने को कहा गया है.जो लोग ओमान में ही रहना चाहते हैं.

इजराइल ने अमेरिका से कहा, उसके पास 'बहुत कम' बैलिस्टिक मिसाइल इंटरसेप्टर बचे

तेल अवीव/वॉशिंगटनः पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव के बीच इजराइल की मिसाइल रक्षा क्षमता पर दबाव बढ़ता दिख रहा है. ईरान की तरफ लगातार हो रहे हमलों के कारण इजराइल के पास बैलिस्टिक मिसाइल इंटरसेप्टर की कमी होने लगी है. बताया जा रहा है कि इजराइल ने इस स्थिति को लेकर अमेरिका को आगाह किया है, जबकि वॉशिंगटन का कहना है कि उसके अपने भंडार फिलहाल पर्याप्त हैं. हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका अपने इंटरसेप्टर इजराइल को बेचेगा या साझा करेगा.समाचार समूह टाइम्स ऑफ इजराइल ने अमेरिकी समाचार वेबसाइट सेमाफोर के हवाले से बताया है कि पश्चिम एशिया में बीते 15 दिनों से जारी संघर्ष के बीच इजराइल को अपनी मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए जरूरी बैलिस्टिक मिसाइल इंटरसेप्टर की कमी का सामना करना पड़ रहा है. मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इजराइल ने इस हफ्ते अमेरिका को जानकारी दी है कि लगातार हो रहे हमलों के कारण उसके इंटरसेप्टर का भंडार तेजी से घट रहा है.

वहीं, रिपोर्ट में कहा गया है कि, अमेरिकी अधिकारियों को पहले से पता था कि इजराइल पहले से ही सीमित इंटरसेप्टर स्टॉक के साथ इस संघर्ष में उतरा था. पिछले साल गर्मियों में ईरान के साथ हुई झड़पों के दौरान बड़ी संख्या में इंटरसेप्टर इस्तेमाल हो चुके थे, जिससे उसकी लंबी दूरी की हवाई रक्षा प्रणाली पर पहले से दबाव था. मौजूदा संघर्ष के दौरान ईरान के लगातार हमलों ने इस दबाव को और बढ़ा दिया है.

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान अब अपनी कुछ मिसाइलों में क्लस्टर गोला-बारूद भी जोड़ रहा है. इससे मिसाइलों को रोकने के लिए ज्यादा इंटरसेप्टर की जरूरत पड़ सकती है और इज़राइल की एयर डिफेंस प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव बन सकता है.एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि वॉशिंगटन को महीनों से इजराइल की सीमित इंटरसेप्टर क्षमता के बारे में जानकारी थी और यह स्थिति पहले से अनुमानित थी. हालांकि अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका को अपने इंटरसेप्टर भंडार की ऐसी कमी का सामना नहीं करना पड़ रहा है और उसके पास अपने ठिकानों, कर्मियों और हितों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संसाधन मौजूद हैं.फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका अपने इंटरसेप्टर इजराइल को बेचेगा या साझा करेगा. ऐसा करने से अमेरिका के घरेलू भंडार पर भी दबाव पड़ सकता है.

ईरान से एलपीजी लेकर भारत आ रहे जहाजों में तैनात हैं फतेहाबाद के दो युवा

फतेहाबादः देश में एलपीजी आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के प्रयासों के बीच हरियाणा के फतेहाबाद जिले के दो युवकों का भी महत्वपूर्ण योगदान सामने आया है. जिले के गांव कुम्हारिया और सरवरपुर के दो युवक मर्चेंट नेवी में अधिकारी के रूप में तैनात हैं और वे उन भारतीय जहाजों का हिस्सा हैं जो खाड़ी देशों से एलपीजी लेकर भारत की ओर बढ़ रहे हैं. गांव कुम्हारिया निवासी कृष्ण कुमार मुख्य अधिकारी और गांव सरवरपुर निवासी अनिल सेकेंड अधिकारी के पद पर तैनात है. मिली जानकारी के अनुसार, युद्ध प्रभावित होर्मुज स्ट्रेट से भारतीय ध्वज वाले दो जहाज शिवालिक और नंदा देवी शनिवार सुबह सुरक्षित गुजर गए. इन जहाजों में कुल 92,700 टन एलपीजी लदी हुई है. जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा के अनुसार ये दोनों जहाज अब गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं और इनके 16-17 मार्च तक भारत पहुंचने की संभावना है. इन जहाजों में फतेहाबाद जिले के दो युवक भी अधिकारी के रूप में तैनात

हैं. गांव कुम्हारिया के युवक कृष्ण गोदारा मर्चेंट नेवी में अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं और वे गैस लेकर भारत आ रहे जहाज पर तैनात हैं. वहीं गांव सरवरपुर निवासी अनिल भांबू भी मर्चेंट नेवी में सेकेंड अधिकारी हैं और शिवालिक में अपनी सेवाएं दे रहे हैं. बताया जा रहा है कि युद्ध शुरू होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिमी किनारे पर 24 भारतीय जहाज फंस गए थे. इनमें से दो जहाज अब सुरक्षित निकलकर भारत की ओर रवाना हो चुके हैं, जबकि फारस की खाड़ी में अभी भी 22 भारतीय ध्वज वाले जहाज कतार में हैं, जिन पर 611 नाविक सवार हैं.

इसके अलावा भारतीय ध्वज वाले चार अन्य जहाज होर्मुज के पूर्वी हिस्से में भी फंसे हुए बताए गए हैं. फतेहाबाद जिले के इन दोनों युवकों की इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से क्षेत्र में गर्व का माहौल है. समुद्री मार्ग से एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका देश की ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने में सहायक साबित हो रही है.सेकेंड ऑफिसर अनिल भांभू के भाई सुनील ने बताया कि अनिल 30 साल का है. करीब आठ साले पहले मर्चेंट नेवी में तैनात हुआ था. शुरू से ही नेवी में जाने का शौक था. परिवार में पिता कृष्ण कुमार, माता सुशीला, भाभी उषा, भतीजा कुशांत है. परिवार को शुरू में चिंता हुई लेकिन अब गर्व है कि बेटा देश के लिए काम कर रहा है. वाट्सअप कॉल के जरिए बेटे के संपर्क में भी है. सोमवार को उम्मीद है जहाज अपने तय जगह पर पहुंच जाएंगे.

सुडोकू-05

2		1	3	5	9		8	
	9				2			
	7	6			8			3
			2			5	1	9
			5		4			
8	5	7			1			
4			8			9	7	
			7				3	
	2		1	4	3	6		8

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें. उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -04 का उत्तर

2	9	6	5	4	8	1	7	3
7	1	8	3	6	9	2	4	5
3	5	4	2	7	1	6	9	8
6	4	1	8	5	7	3	2	9
8	7	2	1	9	3	4	5	6
5	3	9	4	2	6	7	8	1
1	6	5	7	8	4	9	3	2
4	2	3	9	1	5	8	6	7
9	8	7	6	3	2	5	1	4

युवा शक्ति माथापच्ची- 26

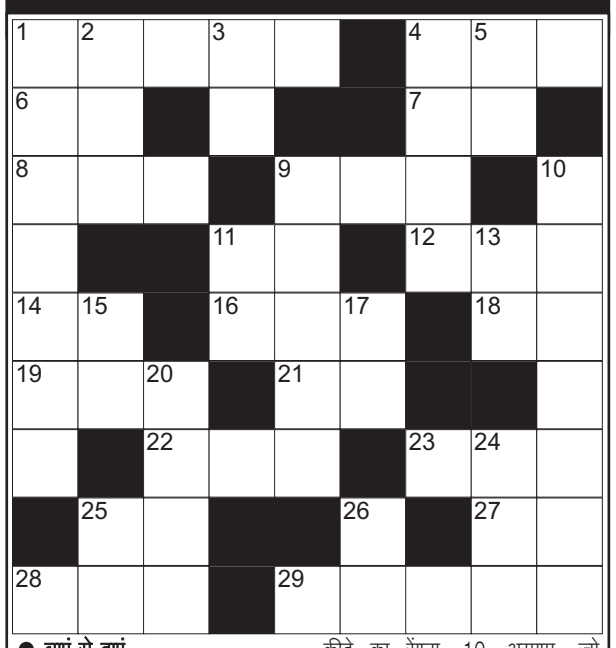

● बाएं से दाएं

1. ओहदेदार, पदस्थ व्यक्ति, 4. निजी, आत्मीय, 6. शत्रु, बीस दस्ते, 7. तराजू, 8. वनोत्पाद, कमल, 9. सभी का साझा, 11. आक्रमण, 12. सूखांत का क्रम उल्टा है, 14. कमल, पानी ले जाने का मार्ग, 16. सेवावृत्त, गुलामी, 18. कविता लिखनेवाला, 19. ठंडा, शांत, 21. एक प्रकार का वृक्ष, थूक, 22. दूर करना, धकेलना, 23. बिना मुकूट का, 25. आंख की पुतली, 27. देना, खैरात, 28. रचना, अस्तित्व में लाना, निर्माण करना, 29. जो उत्पादक न हो, उत्पादन न करनेवाला.

● उपर से नीचे

1. जिसे बदला जा सके, बदलाव योग्य, 2. आंचल, पल्ला, 3. समय, अंत, 4. कविता जिसके अंतिम शब्दों की तुक न मिलती हो, 5. तराजू का पलड़ा, पोषित, 9. हवा चलने पर होने वाला स्वर, सांप, कीड़े का रेंगना, 10. असुगम, जो सुभितेवाला न हो, 11. वचन, 13. राख, धूल, 15. बूरी आदत, कुटेव, 17. ताड़ का पेड़, फल, तलवार की मूठ, करतल ध्वनि, 20. उमंग उल्लास होना, अधीर होना, 24. मात्रा, संख्या, 25. आक्षेप, व्यंग्य, 26. चाप, कमान, एक राशि.

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 25 का हल

■	अ	■	कु	रु	पा	■	का	ज
ना	प	तौ	ल	■	सं	ब	ल	■
■	ल	दी	■	प	ग	ड़ी	■	ह
रं	क	■	वि	द	■	आं	च	ल
ग	■	अ	प्र	त्या	शि	त	■	च
मं	दा	म्नि	■	ग	ला	■	बि	ल
च	■	रू	ठ	ना	■	सा	ला	■
■	कं	प	न	■	म	धु	व	न
दा	द	■	क	ल्पि	त	■	ल	■

'विचार मंच' के सम्मान समारोह में गूंजा सेवा और साधना का स्वर; दिग्गजों ने साझा किए अनुभव

समाज में सेवा भावना जगाना और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना ही हमारा मुख्य लक्ष्य: श्री सुरेंद्र बांठिया

युवा और महिला शक्ति के जुड़ने से बढ़ती है विकास की रफ़्तार : श्री हरिप्रसाद बुधिया

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: न्यूटाउन स्थित 'एस.पी.के. जैन फ्यूचरिस्टिक एकेडमी' में आयोजित 'विचार मंच' के सम्मान समारोह ने न केवल प्रतिभाओं को मंच दिया, बल्कि समाज को सेवा और समर्पण का एक नया संदेश भी दिया. इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों, संस्था के मार्गदर्शकों और पुरस्कृत विभूतियों ने 'युवा शक्ति' से विशेष बातचीत की.

संस्था के संचालकों एवं अतिथियों के प्रेरक वक्तव्य : संस्था के संरक्षक श्री पन्नालाल कोचर ने कहा, हम कई वर्षों से पूरे हिंदुस्तान से ऐसी प्रभावशाली विभूतियों को चुनकर लाते हैं जिनका काम समाज को प्रेरित करे. हमने इस संस्था की नींव इतनी मज़बूत रखी है कि आने वाले 20 सालों तक यह इसी तरह सेवा करती रहेगी. हम चाहते हैं कि लोग हमारी चयन प्रक्रिया को जानें, जहाँ बिना किसी स्वार्थ के केवल उत्कृष्ट कार्य करने वालों को ही सम्मानित किया जाता है.

समाजसेवी एवं उद्योगपति श्री हरिप्रसाद बुधिया ने विचार साझा करते हुए कहा, विचार मंच एक ऐसा स्थान है जहाँ अलग-अलग विचारधाराओं को अभिव्यक्ति मिलती है. समर्पित विभूतियों के उत्साहवर्धन से सुनने वालों को भी हिम्मत मिलती है. किसी भी कार्य में अगर 'युवा शक्ति' जुड़ जाती है, तो उसकी रफ़्तार और उपलब्धि अलग होती है. हमारे प्रधानमंत्री भी महिला और युवा शक्ति पर ज़ोर दे रहे हैं.

संस्था के संरक्षक श्री सुरेंद्र बांठिया ने 'युवा शक्ति' से विशेष बातचीत में कहा, हम इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन इसीलिए करते हैं ताकि समाज के लोगों का मनोबल और उनकी सेवा भावना जागृत हो सके. हमारा उद्देश्य है कि सम्मानित विभूतियों को देखकर अन्य लोगों के मन में भी समाज के लिए कुछ अच्छा करने का भाव जगे. आप सभी के सहयोग से ही हमारी संस्था के कार्यों का प्रचार-प्रसार होता है, जिससे पूरी दुनिया को विचार मंच के सेवा कार्यों की जानकारी मिलती है. इससे प्रतिभाशाली लोगों को आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त होता है. मैं 'युवा शक्ति' के माध्यम से यही कहना चाहूँगा कि आप हमारी संस्था के बारे में अधिक से अधिक लोगों को बताएं, ताकि वे भी समाज सेवा के इन कार्यों से जुड़ सकें और प्रेरित हो सकें.

श्री जयदीप पटवा ने बताया, हमारी सभा का मूल सिद्धांत 'शिक्षा, सेवा और साधना' रहा है. करीब 48 वर्ष पहले शुरू हुआ यह सिलसिला आज भी निष्पक्षता के साथ जारी है. हम न केवल सम्मान करते हैं, बल्कि एस.पी.के. जैन फ्यूचरिस्टिक एकेडमी जैसे पांच स्कूल, अस्पताल और कॉलेज के माध्यम से मानव कल्याण में जुटे हैं. मैं युवाओं से आह्वान करता हूँ कि अपनी उपलब्धियां हमें भेजें, हम उन्हें प्रोत्साहित करेंगे.

श्री जितेन्द्र मेहता ने कहा, यह श्री सिद्धार्थ जी कांकरिया द्वारा शुरू की गई एक बहुत पुरानी संस्था है. मुझे सौभाग्य मिला कि श्री कन्हैयालाल जी सेठिया पुरस्कार मैं प्रतिभाशाली लोगों को प्रदान कर सकूँ. ऐसे आयोजनों के माध्यम से उन लोगों से भी मिलने का अवसर मिलता है जिन्हें हम पहले से नहीं जानते. भविष्य में हम इसे और भी भव्य बनाएंगे.

श्री अशोक मिन्नी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, संस्था पिछले 39 वर्षों से विभूतियों को सम्मानित कर रही है. इस वर्ष श्रीमती उषा उत्थुप जी की प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. मैं इस कार्यक्रम की सफलता के लिए पूरी टीम और 'युवा शक्ति' के संस्थापक का विशेष आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इसे जन-जन तक पहुँचाया.

श्री ललित कांकरिया ने चयन प्रक्रिया की सराहना करते हुए कहा, चयन प्रक्रिया बेहद शानदार रही और सभी सम्मानित व्यक्ति अपने क्षेत्रों के उच्च स्तर पर हैं. हमें देश की छिपी हुई प्रतिभाओं को आगे लाना चाहिए ताकि समाज को और अधिक प्रेरणा मिल सके. वहीं, श्रीमती शशि कांकरिया ने सकारात्मक बदलाव पर ज़ोर देते हुए कहा, आज समाज और व्यापार में सकारात्मक बदलाव आवश्यक है. बंगाल की औद्योगिक प्रगति और युवाओं के डिजिटल सशक्तिकरण से ही हम क्षेत्रीय विकास को नई दिशा दे सकते हैं. वास्तविक सफलता वही है जो हर वर्ग को साथ लेकर चले.

शिक्षाविदों एवं पुरस्कृत विभूतियों के विचार : एस.पी.के. जैन एकेडमी की प्रिंसिपल श्रीमती (डॉ.) जोयिता गांगुली ने युवाओं और अभिभावकों को संदेश देते हुए कहा, आज सम्मानित हस्तियों ने साबित किया कि सफलता मेहनत से मिलती है. युवाओं के लिए संदेश है कि अपने सपनों का पीछा करें और हार न मानें. वहीं अभिभावक अपने बच्चों का उस काम में साथ दें जिसके लिए वे वास्तव में बने हैं, न कि केवल मार्क्स के पीछे भागें.

पुरस्कृत गायिका श्रीमती मारुति मोहता ने संगीत साधना पर कहा, संगीत के क्षेत्र में सफलता के लिए समर्पण और निरंतर रियाज़ ही कुंजी है. जब संगीत आत्मा से निकलता है, तभी वह दिल को छू पाता है. नवागत कलाकार अनुशासन और गुरुओं के प्रति श्रद्धा बनाए रखें. वहीं पुरस्कृत व्यक्तित्व श्री आदर्श अग्रवाल ने कहा, आज विचार मंच द्वारा सम्मानित होकर मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ. युवाओं से यही कहूंगा कि अपने क्षेत्र में पूरी निष्ठा से काम करें. निरंतरता और कड़ी मेहनत ही उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है.

सेवा भावना और भविष्य की योजना श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सभा के मानद मंत्री श्री विनोद कांकरिया ने 'युवा शक्ति' से विशेष अपील करते हुए कहा, हमारी संस्था पिछले 39 वर्षों से समाज के उत्कृष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित करने का कार्य कर रही है. अब तक हमने कई क्षेत्रों की विशिष्ट विभूतियों का सम्मान किया है और भविष्य में भी यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा. हम 'युवा शक्ति' अखबार के माध्यम से समाज के लोगों से यह अपील करते हैं कि यदि आपकी जानकारी में ऐसे लोग हैं जिन्होंने किसी भी क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल की है, तो हमें उनके बारे में अवश्य बताएं.

गरिमामयी उपस्थिति : समारोह में अध्यक्ष श्री सरदारमल कांकरिया, संरक्षक श्री पन्नालाल कोचर, श्री सुरेंद्र बांठिया, श्री आर.के. बोथरा, उपाध्यक्ष श्री पद्मचंद नाहटा, श्री विनोद मिन्नी, श्री विनोद कांकरिया, श्री अशोक मिन्नी, श्री ललित कांकरिया, श्री जयदीप पटवा, श्री अरुण मालू, श्री राजेंद्र रामपुरिया, श्री जय बोथरा, श्री मनोज बोथरा, श्री अशोक बोथरा, श्रीमती पद्मा मिन्नी, श्रीमती शशि कांकरिया, श्रीमती सोनल चोरारिया एवं श्रीमती तृषा भंसाली प्रमुख रूप से उपस्थित रहे. कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री किशोर गेनरी, श्री हनुमान नाहटा एवं अन्य पदाधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही. कार्यक्रम के अंत में संस्था के उपाध्यक्ष श्री (डॉ.) प्रेमशंकर त्रिपाठी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया.

चिनशुरा आरोग्य में गंगामिशन का स्वास्थ्य शिविर में 180 मरीजों की जांच

50 को मिलेंगे चश्मे, 20 के होंगे निशुल्क ऑपरेशन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता/हुगली: पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के चिनसुराह स्थित आरोग्य केंद्र में रविवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में लगभग 180 मरीजों की विभिन्न स्वास्थ्य जांच की गई और जरूरतमंदों को मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं. शिविर में नेत्र जांच के दौरान 50 मरीजों की नजर कमजोर पाई गई जिन्हें मुफ्त चश्मे दिए गए. वहीं 20 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के योग्य पाए गए. इन मरीजों के ऑपरेशन आगामी 28 मार्च को मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी अस्पताल में किये जाएंगे. शिविर में मरीजों के लिए ब्लड प्रेशर, शुगर टेस्ट और ईसीजी की निःशुल्क जांच की व्यवस्था की गई थी. मरीजों को जरूरत के मुताबिक दवाइयां निशुल्क वितरित की गई. शिविर में गंगा मिशन के प्रतिनिधि सरदार सरदार ज्योति सिंह ने बताया कि गंगामिशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रह्लाद रॉय गोयनका की प्रेरणा से आयोजित इस शिविर को सफल बनाने में डॉ. सौरव सिंह, डॉ. प्रसांता पाल स्नेहा प्रसाद और समन आलम ने अपनी सेवाएं दीं.

स्व. दुर्गा देवी सोंथालिया की याद में सोंथालिया परिवार की पहल

प्रेम मिलन परिसर में 100 लोगों का फेको पद्धति द्वारा नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता: स्वर्गीय दुर्गा देवी सोंथालिया की याद में उनके परिवार के रमेश कुमार सोंथालिया और प्रेम मिलन कोलकाता के संयुक्त सहयोग से रविवार, 15 मार्च को महानगर के रवींद्र सरणी में फेको प्रणाली से निःशुल्क आई ऑपरेशन कैंप लगाया गया. इस कैंप में 100 लोगों का निःशुल्क ऑपरेशन किया गया. सर्वप्रथम रमेश सोंथालिया और उनकी धर्मपत्नी सुधा सोंथालिया ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. मंच पर उपस्थित अतिथियों में प्रेम मिलन के चेयरमैन चंद्रकांत सराफ, रमेश सोंथालिया, सुधा सोंथालिया, सुभाष सोंथालिया, अनिल सोंथालिया, अतुल सोंथालिया और रेनू सिंह उपस्थित थीं. आज के रोगी मानव सेवा ट्रस्ट हरिपाल से जो की गोविंद राम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित 49 रोगी लाया गया कोलाघाट स्थित कोलगछिया से 31 और कोलकाता के आसपास से 20 रोगी आये थे. आज के ऑपरेशन डॉ शुभ्रो घोषाल और डॉ सुप्रतिम विश्वास द्वारा किये गये, जिसमें रेनू सिंह और प्रसेनजीत सेन का सहयोग रहा. इस अवसर पर प्रेम मिलन के चेयरमैन चंद्रकांत सराफ ने कहा कि बहुत जल्द प्रेम मिलन नर्सिंग होम में दो और डायलिसिस मशीन लगने जा रही है. प्रेम मिलन कोलकाता ने एक और सराहनीय पहल करते हुए लोगों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच सेवा की शुरुआत की है. संस्था की ओर से संचालित प्रेम मिलन नर्सिंग होम के प्रांगण में मंगलवार से इस नई सेवा का शुभारंभ किया गया, जिसके तहत कई जरूरी स्वास्थ्य जांच अब आम लोगों के लिए पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध होगी. इस सेवा के तहत मरीजों की ईसीजी, ब्लड प्रेशर, पल्स रेट, रेंडम ब्लड शुगर और एसपीओ2 जैसी महत्वपूर्ण जांच निःशुल्क होगी. उल्लेखनीय है कि प्रेम मिलन हर्निया और हाइड्रोसील ऑपरेशन भी निःशुल्क करवाता है. रेनू सिंह ने प्रेम मिलन के कार्यों और फेको पद्धति के बारे में का विस्तारपूर्वक बताया. मंच का संचालन महेंद्र टिबड़ेवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन किया दिलीप सराफ ने. इस अवसर पर प्रेम मिलन के सचिव विकास सराफ भी मौजूद थे. प्रेम मिलन के कार्यकर्ता नीतीश चौधरी, कल्याण घोष, कृष्ण कुमार मूंधड़ा, मनोज जायसवाल, सुरोजित माइती व नीधीश अग्रवाल का भी योगदान रहा. रमेश सोंथालिया ने कहा कि प्रेम मिलन के चेयरमैन चंद्रकांत जी के बारे में जितना भी कहूं कम है. वे प्रेम मिलन के जरिये सेवा का जो कार्य करते आ रहे हैं, उसकी मिसाल मुश्किल से मिलेगी. जीवन के अंतिम समय तक सेवा कार्य चलता रहे. अतुल सोंथालिया ने कहा कि यह आपरेशन करवाने के लिए मौका देने हेतु मैं चंद्रकांत जी का आभारी हूं. उन्होंने कहा कि चंद्रकांत जी स्वस्थ रहें, यही मेरी कामना है. सुभाष सोंथालिया ने कहा कि हमें चंद्रकांत जी से प्रेरणा लेनी चाहिए. हमारी कामना है कि सेवा का यह कार्य और तेजी से आगे बढ़े. अनिल सोंथालिया ने कहा कि चंद्रकांत जी के सेवा यज्ञ से हमें भी सेवा में लग जाने की सीख लेनी चाहिए और इस कार्य में हम सबको सहयोग देना चाहिए.

समर्पण सम्मान समारोह : स्मृति का दीप, प्रेरणा का पथ

समर्पण ट्रस्ट®

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: The Samarpan Samman stands as a tribute to the unsung architects of society- इस भा-वाक्य की आत्मा को यदि एक शब्द में बाँधा जाए, तो वह है समर्पण-वह समर्पण, जो व्यक्ति को साधारण से असाधारण और कर्म को क्षणिक से शाश्वत बना देता है. समर्पण ट्रस्ट द्वारा आयोजित समर्पण सम्मान समारोह केवल एक अलंकृत मंच या औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की चेतना, स्मृतियों और मूल्यों को जीवंत बनाए रखने का एक भावपूर्ण अनुष्ठान है. यह समारोह उन मौन साधकों को नमन है, जिन्होंने बिना यश-लालसा के अपने जीवन का श्रेष्ठ अंश समाज को अर्पित कर दिया-और समय की धारा में स्वयं पीछे छूट गए. इस पावन विचार का बीज उस संवेदनशील क्षण में अंकुरित हुआ, जब ट्रस्ट के सभापति, प्रख्यात समाजसेवी एवं पूर्व विधायक श्री दिनेश बजाज ने यह अनुभव किया कि समाज की प्रगति जिन कंधों पर टिकी है, वही कंधे अक्सर विस्मृति के अंधकार में ओझल हो जाते हैं. वे महापुरुष, जिन्होंने अपने पुरुषार्थ, साधना और निस्वार्थ समर्पण से समाज को दिशा दी-यदि उन्हें स्मरण न किया जाए, तो यह हमारी सामूहिक चेतना की विफलता होगी. श्री बजाज के शब्दों में- ये वही विभूतियाँ हैं, जिनके बिना समाज, उद्योग, व्यापार और सेवा की यात्रा अधूरी है. उनके कर्म ही हमारी सामाजिक धरोहर हैं. उनका स्मरण ही इस समारोह की मूल प्रेरणा है. कोलकाता की पुण्यभूमि सदा से ऐसी महान आत्माओं की कर्मस्थली रही है, जिनकी सोच और संकल्प की गूँज नगर-सीमाओं से आगे बढ़कर राष्ट्रव्यापी चेतना बनी. आने वाली पीढ़ियाँ इन महापुरुषों के योगदान से परिचित हों-इसी दूरदर्शी उद्देश्य के साथ समर्पण ट्रस्ट ने दिवंगत महान विभूतियों के नाम पर सम्मानों की स्थापना का ऐतिहासिक निर्णय लिया. यह निर्णय केवल अतीत का स्मरण नहीं, भविष्य का मार्गदर्शन भी है. इन सम्मानों के माध्यम से ट्रस्ट उन जीवनगाथाओं को समाज के सम्मुख लाता है, जिन्होंने परिवर्तन का बीज बोया, मूल्यों की फसल उगाई और सेवा को साधना बनाया. यह पहल समाज को यह गूढ़ संदेश देती है कि जो लोग अपने जीवन को समाज के लिए अर्पित कर देते हैं, उन्हें भूल जाना आत्मविस्मृति के समान है. इसी भावभूमि पर समाजसेवा, उद्योग और लोककल्याण के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले महान व्यक्तित्वों की स्मृति में पाँच प्रतिष्ठित सम्मानों की स्थापना की गई. ये सम्मान केवल प्रशस्ति-पत्र नहीं, बल्कि कृतज्ञता के वे दीप हैं, जो समाज को सकारात्मक परिवर्तन, नैतिक दृढ़ता और प्रेरक मूल्यों की ओर आलोकित करते हैं. प्रेरणा की यह ज्योति निरंतर प्रज्वलित रहे-इसी उद्देश्य से समर्पण ट्रस्ट वर्ष में दो बार इस समारोह का आयोजन करता है. ट्रस्ट के महासचिव श्री प्रदीप ढेडिया के अनुसार, समाज से जो पाया है, उसे समाज को लौटाना ही सच्ची सामाजिक जिम्मेदारी है. इसी पुनीत संकल्प के साथ आगामी 20 मार्च, 2026 को महानगर के एक पंचसितारा होटल में पुनः समर्पण सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है. यह एक प्रकार का सारस्वत यज्ञ है, जो अनवरत प्रवाहित रहेगा-क्योंकि सेवा और स्मरण की साधना कभी पूर्ण नहीं होती. समर्पण ट्रस्ट का ध्येय शिक्षा, साहित्य, स्वास्थ्य, संस्कृति, भाषा, उद्योग-व्यापार और समाजोत्थान के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी का निर्वहन करना है. ट्रस्ट का सतत प्रयास है कि समाज की जड़ों को सींचने वाली महान विभूतियों के कार्यों को प्रकाश में लाया जाए, ताकि उनकी जीवनयात्राएँ नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा-पुंज बन सकें. यह सम्मान समारोह उद्घोष करता है कि समाज के सच्चे नायक वही हैं, जो निस्वार्थ भाव से कर्म करते हैं-चाहे उनका क्षेत्र कोई भी हो. मेहनत, निष्ठा, ईमानदारी और उद्देश्य के प्रति समर्पण ही वह अमृत है, जो मनुष्य को उसके कर्मों द्वारा अमर बनाता है. ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री शंकरलाल अग्रवाल बताते हैं कि जनसेवा के माध्यम से समाज के सर्वांगीण विकास हेतु ट्रस्ट पूर्णतः प्रतिबद्ध है. रोटी, कपड़ा और मकान के साथ-साथ उत्तम स्वास्थ्य सेवाएँ मानव की बुनियादी आवश्यकता हैं. आमजन तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाना ट्रस्ट की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है. उनके शब्दों में- डॉक्टर धरती पर ईश्वर के प्रतिरूप हैं. इसी भावना के प्रतिफलस्वरूप ट्रस्ट प्रतिवर्ष ख्यातिलब्ध चिकित्सकों को सम्मानित करता है तथा आगामी जुलाई माह में डॉक्टर्स डे के अवसर पर इस क्रम में भव्य आयोजन किया जायेगा. वहीं ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष एवं वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट एन. के. अग्रवाल का मानना है कि चार्टर्ड अकाउंटेंट देश की अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ स्तंभ हैं. वे न केवल आर्थिक नब्ज को समझते हैं, बल्कि व्यवसायियों और उद्यमियों को सशक्त बनाकर राष्ट्र-निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं. इसी भाव से समर्पण ट्रस्ट नवोदित सीए को सम्मानित कर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहा है. पूर्व केंद्रीय मंत्री सीए सुरेश प्रभु की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित सीए गौरव सम्मान समारोह में 200 नवोदित सीए का सम्मान-इस संकल्प की सशक्त अभिव्यक्ति है, और यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहेगी. अंततः, समर्पण सम्मान समारोह केवल एक आयोजन नहीं-यह समाज के चरित्र निर्माण की एक सशक्त यात्रा है. यह यात्रा अतीत की स्मृतियों से प्रेरणा लेकर, वर्तमान को संस्कारित करती हुई, भविष्य को उज्ज्वल दिशा प्रदान करती है-जहाँ हर कर्म में समर्पण हो और हर उपलब्धि में समाज का कल्याण.

घोषणाएं नहीं, धरातल पर काम की राजनीति, समृद्धि यात्रा में नीतीश कुमार ने विकास मॉडल किया मजबूत: डॉ. मधुरेंदु पांडेय

युवा शक्ति न्यूज

पटना: जद (यू) मीडिया पैनलिस्ट डॉ. मधुरेंदु पांडेय ने सोशल संवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा केवल एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बिहार के सर्वांगीण, संतुलित और जवाबदेह विकास मॉडल की सशक्त अभिव्यक्ति है. बेगूसराय और शेखपुरा जिलों में समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिहार में विकास अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि योजनाओं की सतत समीक्षा, समयबद्ध क्रियान्वयन और जनता तक सीधे लाभ की सुनिश्चित डिलीवरी ही इस सरकार की कार्यशैली की पहचान है. बेगूसराय, जिसे बिहार की औद्योगिक राजधानी, कृषि क्षमता के मजबूत केंद्र और नई पीढ़ी के अवसरों की उभरती भूमि के रूप में देखा जाता है, उसे समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 274 करोड़ की बड़ी सौगात दी है. इस दौरान कुल 400 विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया, जिनमें 165 करोड़ की लागत से 211 योजनाओं का उद्घाटन तथा 109 करोड़ की लागत से 189 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है. यह तथ्य अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री जी की सरकार केवल भविष्य की घोषणाएं नहीं करती, बल्कि वर्तमान में काम पूरा करके जनता को उसका प्रत्यक्ष लाभ भी देती है. बेगूसराय में महिला सशक्तीकरण

और सामाजिक-आर्थिक बदलाव का सबसे मजबूत आधार जीविका मॉडल भी समृद्धि यात्रा का केंद्र रहा. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन किया और लाभुकों को सीधे लाभ प्रदान कर यह दिखाया कि सरकार की योजनाएं कागज पर नहीं, जमीन पर उतर रही हैं. 9715 जीविका स्वयं सहायता समूहों को 578.09 करोड़ की बैंक ऋण सहायता का सांकेतिक चेक प्रदान किया जाना इस बात का ऐतिहासिक उदाहरण है कि बिहार की महिलाएं अब केवल बचत समूहों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत वित्तीय धुरी बन चुकी हैं. इसी प्रकार आकार में अपेक्षाकृत छोटा होने के बावजूद शेखपुरा जिले के लिए भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा ने विकास का अत्यंत मजबूत संदेश दिया है. शेखपुरा जिले को 206 करोड़ की सौगात मिली है तथा कुल 316 विकास योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और कार्यारंभ हुआ है. इनमें 62 करोड़ की लागत से 196 योजनाओं का उद्घाटन तथा 144 करोड़ की लागत से 120 योजनाओं का शिलान्यास और कार्यारंभ शामिल है. यह दर्शाता है कि सरकार छोटे जिलों के साथ भी समान गंभीरता और दीर्घदृष्टि के साथ काम कर रही है. शेखपुरा में भी जीविका दीदियों को मिला आर्थिक संबल मुख्यमंत्री जी के सामाजिक न्याय और महिला सशक्तीकरण के एजेंडे की जीवंत मिसाल है. 3601 स्वयं सहायता समूहों को 15.18 करोड़ तथा 1425 स्वयं सहायता समूहों को 34.87 करोड़ की आर्थिक सहायता देकर कुल 5026 जीविका समूहों को 50.05 करोड़ से अधिक का वित्तीय संबल उपलब्ध कराया गया. यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि बिहार की महिलाओं को आत्मनिर्भरता, उद्यमिता और सामाजिक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाने का सशक्त कदम है. आज जीविका मॉडल बिहार में सामाजिक परिवर्तन, वित्तीय समावेशन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नई पहचान बन चुका है, और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसे राज्य की सबसे बड़ी सामाजिक-आर्थिक क्रांति में बदल दिया है.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन